@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 24 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 224 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

**तीनों पाकिस्तानी, एनआईए की पूछताछ में बड़ा खुलासा**

## जारी किए गए स्केच से अलग हैं पहलगाम के हमलावर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ा सुराग मिला है। जांच एजेंसी ने कहा है कि हमले को अंजाम देने वाले तीनों आतंकी पाकिस्तान के रहने वाले थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। दो कश्मीरी नागरिकों परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर की गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा हुआ है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने हमलावरों को अपने घर में रहने की जगह, खाना और अन्य सहूलियतें मुहैया कराईं। अंग्रेजी अखबार ने अपनी एक रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के हवाले से कहा है कि 20 अप्रैल की रात को तीनों आतंकी इन दोनों व्यक्तियों के घर पहुंचे थे। सूत्रों का कहना है,आतंकियों ने खाना मांगा, पैसा दिया और किसी को न बताने की धमकी भी दी। हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिन तीन संदिग्धों (हाशिम मूसा, अली भाई उर्फ तल्हा और आदिल हुसैन ठोकर) के स्केच जारी किए थे वे गलत साबित हुए हैं। जांच में सामने आया कि असली हमलावरों में से एक सुलेमान शाह है, जो पिछले साल एक सुरंग पर हुए आतंकी हमले का भी आरोपी है। इस

हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई थी। उसका एक सहयोगी मारा जा चुका है। उसके फोन से मिली तस्वीरों को एनआईए ने संदिग्धों की पहचान के लिए इस्तेमाल किया। एनआईए और केंद्रीय एजेंसियों ने हमले से पहले के दिनों की कई तस्वीरें परवेज और बशीर को दिखाईं। उन्होंने पहचाना कि हमले से दो दिन पहले यही लोग उनके घर आए थे। अन्य चश्मदीदों ने भी इन तस्वीरों में दिख रहे आतंकियों की पुष्टि की है। आपको बता दें कि कश्मीर में हुए एनकाउंटर में मारे गए आतंकी जुनैद के फोन से ये तस्वीरें मिली थीं। जांच एजेंसियां अब पिछले हमलों (अगस्त 2023 के कुलगाम में तीन सैनिकों की हत्या, मई 2023 के पूंछ में वायुसेना जवान की हत्या) में भी सुलेमान शाह की संलिप्तता की जांच कर रही हैं। एनआईए ने दोनों स्थानीय नागरिकों को अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। प्रवक्ता के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमलावरों को जानबूझकर अपनी झोपड़ी में पनाह दी और उन्हें खाना, आश्रय और रसद सहायता दी। एनआईए ने जांच के दौरान पोनी ऑपरेटरों, दुकानदारों, फोटोग्राफरों समेत 200 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, परवेज की एक जान-पहचान पोनी ऑपरेटर से थी और दोनों की पत्नियों ने आपस में आतंकी के आने की चर्चा की थी।

## न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं रोकेंगे, ईरान का 'ऐलान'

### कहा-गैम्बलर ट्रंप ने जंग शुरू की, खत्म हम करेंगे

**अब इजराइल का ईरानी परमाणु ठिकाने पर हमला**

**तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)।** इजराइल ने ईरान पर अपने ताजा हमले में फोर्डो न्यूक्लियर साइट को फिर से निशाना बनाया है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि यह हमला ठीक उसी जगह किया गया, जहां रविवार सुबह अमेरिका ने बस्टर बम गिराए थे। इजराइली सेना ने सोमवार सुबह ईरान के छह एयरपोर्ट- मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज पर भी ड्रोन हमले लिए। इनमें ईरान के 15 फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर नष्ट करने का दावा किया गया है। परमाणु ठिकानों पर लगातार हमले के बीच ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा। ईरान की मिलिट्री सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने कहा, गैम्बलर ट्रम्प, आपने युद्ध शुरू जरूर किया है, लेकिन इसे खत्म हम करेंगे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए।

### ईरान अब अपने हिसाब से देगा जवाब

ईरान की सेना ने अमेरिका के हमलों का जवाब देने की धमकी दी है। ईरान सैन्य केंद्रीय कमान ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेते हुए कहा कि परमाणु ठिकानों पर हमलों ने युद्ध का मैदान खोल दिया है। आपने शुरुआत की है, तो अब कड़ी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। ईरानी सेना के मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने भी सख्त शब्दों में अमेरिकी हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इजरायल को रोकने के बजाय हमारे ऊपर हमले किए। ऐसा करते हुए अमेरिका ने ईरान को उसके हितों की रक्षा के लिए कोई भी कार्रवाई करने का विकल्प दे दिया है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने अमेरिका को करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। अमीर हातामी ने कहा, हमने कई बार अमेरिका का सामना किया है। जब भी उन्होंने हम पर हमला करने की कोशिश की है, उन्हें कड़ा जवाब मिला है। हम इस बार भी खुशी के साथ लड़ेंगे। हातामी को हाल ही में ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। ईरानी सेना ने अमेरिकी हमलों को उकसावे वाला बताते हुए जवाबी हमले की कसम खाई है। ईरानी सेना की यह टिप्पणी ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद आई है।

## विधानसभा उपचुनाव में 4-1 से आगे रहा इंडिया गठबंधन

**एएपी को मिल गई गुड न्यूज, भाजपा को लगा तगड़ा झटका**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के वोटों की गिनती खत्म हो गई है। परिणामों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे दलों ने 4 सीटों पर जीत हासिल की है, वहीं भाजपा को सिर्फ गुजरात की कड़ी सीट पर जीत मिली है। अब तक आए परिणामों के अनुसार आम आदमी पार्टी को गुजरात की विसावदर सीट पर जीत मिली है। यहां से उसके कैंडीडेट गोपाल इटालिया जीत गए हैं तो वहीं पंजाब की लुधियाना पश्चिमी विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार संजीव अरोड़ा

ने भी जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी के लिए गुजरात की विसावदर सीट से जीत अहम है। यहां 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के ही भूपेंद्र भयानी जीते थे, लेकिन उन्होंने इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर ली थी। ऐसे में यह चुनाव इस बात का टेस्ट था कि अब भी एएपी का यहां क्रेज है या नहीं। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर भी भाजपा को झटका लगा है। यहां से सत्ताधारी दल टीएमसी ने जीत हासिल की है। वहीं केरल की नीलांबर सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल कर ली है। इस तरह 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में से 4 पर विपक्षी इंडिया अलायंस से जुड़े दलों को जीत मिली है। केरल की नीलांबर सीट से कांग्रेस के आर्यदन शौकत 11 हजार वोटों से जीत गए हैं। सीपीएम 6660 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही। तीसरे स्थान पर एक निर्दलीय उम्मीदवार है, जबकि भाजपा कैंडीडेट मोहन जॉर्ज को सिर्फ 8648 वोट ही मिले हैं और वह चौथे नंबर पर हैं। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले गुजरात में एक जीत मिली है।

## शशि थरूर ने कांग्रेस को दिया एक और झटका!

- पीएम मोदी की खूब की तारीफ, बोले-वे भारत के लिए कर रहे हैं काम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कुछ मुद्दों को लेकर पार्टी के साथ चल रहे कथित मतभेदों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की ऊर्जा, जोश और लोगों से जुड़ने की उनकी इच्छा, देश के लिए एक संपत्ति है। शशि थरूर ने ये बातें द हिंदू के लिए लिखे गए एक लेख में कही हैं। शशि थरूर ने इस लेख में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे गए डेलिगेशन के अनुभव भी साझा किए हैं।

उन्होंने इसे कूटनीति के स्तर पर बेहद सफल दौरा बताया है। शशि थरूर ने लिखा है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कड़ी प्रतिक्रिया दी, उतनी ही अहम भारत द्वारा भेजे गए डेलिगेशन के जरिए कूटनीतिक बातचीत भी थी।

## और बढ़ेगी इंडियन नेवी की ताकत, अब कांपेंगे दुश्मन

**गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल बेड़े में होगा शामिल**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल को 1 जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा। गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल अनेक मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है।

भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत आईएनएस तमाल 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों व युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है। नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल हो जाएगा। स्वॉर्ड आर्म भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत आईएनएस तमाल न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा।

आईएनएस तमाल पिछले दो दशकों में रूस से भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला क्रिवाक श्रेणी का 8वां युद्धपोत होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस युद्धपोत का निर्माण कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में किया गया है।

## संभालकर रखिए वोटर कार्ड! घर-घर जाकर होगी जांच

- बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा ऐलान

**पटना (एजेंसी)।** निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन के दौरान घर-घर जाकर गहन सत्यापन करने की योजना बनाई है। जानकारी के मुताबिक कई सिविल सोसाइटी संगठनों, राजनीतिक दलों और अन्य लोगों ने वोटर लिस्ट में नामों को शामिल करने और हटाने पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग पर बीजेपी की मदद करने के भी आरोप लगाए गए थे। ऐसे में

बिहार चुनाव से पहले ईसीआई ने यह बड़ा फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरी प्रक्रिया का पालन करने और नियमों के मुताबिक नामों को शामिल करने और हटाने के बाद भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं। कांग्रेस समेत कई दलों ने आयोग पर भाजपा की मदद करने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

## 120 रूपए लीटर तक पहुंच सकता पेट्रोल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि भारत में पेट्रोल 120 रूपए लीटर पहुंच सकता है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25 प्रतिशत कच्चा तेल और 25 प्रतिशत नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40 प्रतिशत से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है।

**तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी**

अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 30-50 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है। तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा, जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।

## भारत के पास अब केवल 2 ऑप्शन हैं, अमित शाह के बयान से बौखलाए बिलावल ने दी युद्ध की धमकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को एक और खोखली धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार कर दिया तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ जाएगा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की।

**अमित शाह ने सिंधु जल संधि को बहाल न करने की घोषणा की**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी। बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा शाह की अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के प्रति बेशर्मी से उपेक्षा

की आलोचना के दो दिन बाद आई है।

**बिलावल ने सिंधु जल संधि पर भारत के फैसले को खारिज किया**

बिलावल भुट्टो ने संसद में दिए भाषण में समझौते को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और पाकिस्तान के हिस्से का पानी लेने की धमकी दी। उन्होंने सिंधु बेसिन की छह नदियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पास दो विकल्प हैं- पानी को उचित तरीके से साझा करें या हम सभी छह नदियों से पानी अपने पास पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि अभी भी प्रचलन में है क्योंकि समझौते को स्थगित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिंधु (सिंधु नदी) पर हमला और भारत का दावा कि सिंधु जल संधि समाप्त हो गई है और स्थगित है। सबसे पहले, यह अवैध है, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित नहीं है, यह पाकिस्तान और भारत पर बाध्यकारी है, लेकिन पानी रोकने की धमकी ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार अवैध है।

**बिलावल की युद्ध की एक और खोखली धमकी**

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने भी धमकी दी कि अगर भारत ने धमकी पर अमल करने का फैसला किया तो हमें फिर से युद्ध छेड़ना पड़ेगा। पूर्व विदेश मंत्री ने बातचीत और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला, खासकर आतंकवाद विरोधी प्रयासों में। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान बातचीत करने से इनकार करते हैं और अगर आतंकवाद पर कोई समन्वय नहीं होता है, तो दोनों देशों में हिंसा और बढ़ेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### ब्राजील में हॉट एयर बैलून में लगी आग, सीधे जमीन पर गिरे 21 लोग, 8 की मौत

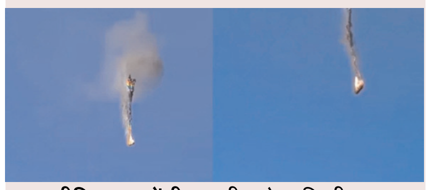

**ब्रासीलिया , एजेंसी।** ब्राजील के दक्षिणी राज्य सांता कैटरीना में एक दिल दहलाने वाला हादसा पेश आया है. स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को कैटरीना में 21 यात्रियों को ले जा रहा एक हॉट-एयर बैलून दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम आठ लोगों की जान चली गई है. स्टेट फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक सुबह के समय उड़ान के दौरान टूरिस्ट गुब्बारे में आग लग गई और वह प्रिया ग्रांडे शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. 21 यात्रियों में से 8 लोगों की मौत हो गई है. घायल हुए 13 जीवित बचे लोगों को पास के अस्पाताल में भर्ती कराया गया है. पहले भी हो चुका है हादसा हादसे की ये कोई पहली घटना नहीं है. जी1 ने रिपोर्ट के मुताबिक पिछले रविवार को साओ पाउलो राज्य में एक गुब्बारा गिर गया था, जिसमें 27 साल की एक महिला की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हुए थे. ब्राजील में प्रिया ग्रांडे हॉट-एयर बैलूनिंग के लिए एक आम जगह है, जो जून में सेंट जॉन जैसे कैथोलिक संतों के उत्सव के दौरान ब्राजील के दक्षिण के कुछ हिस्सों में एक लोकप्रिय गतिविधि है. इसको करने के लिए दूर दूर से लोग यहां आते हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो हादसा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. बिना जिम्मेदारी के टूरिस्टों की इस एक्टिविटी पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं. एक यूजन ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, जिम्मेदारी के बिना साहसिक कार्य अपराध है - पर्यटन नहीं. इसके साथ ही इस हादसे ने ब्राजील के सांता कैटरीना अधिकारियों को भी घेरे में ला दिया है कि बिना सुरक्षा जांच के राज्य में कैसे ऐसी एक्टिविटी चलाई जा रही हैं।

### ट्यूनीशिया के पूर्व राष्ट्रपति मार्जौकी को 22 साल की सजा

**ट्यूनिस, एजेंसी।** ट्यूनीशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कैस सईद के कटु आलोचक पूर्व राष्ट्रपति मोनसेफ मार्जौकी को राज्य की सुरक्षा को कमजोर करने के आरोप में 22 साल की सजा सुनाई। जब सजा सुनाई गई मार्जौकी अदालत में उपस्थित नहीं थे। मार्जौकी को तीसरी बार सजा सुनाई गई है। पिछले साल एक अदालत ने विभिन्न मामलों में आठ साल और चार साल की सजा सुनाई थी। 2011 से 2014 तक राष्ट्रपति रहे मार्जौकी ने सईद पर संसद को बर्खास्त करने और डिक्री द्वारा शासन करने के बाद एक सत्तावादी शासन स्थापित करने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने 2011 में लगभग सभी शक्तियों को जब्त कर लिया था। सईद ने ट्यूनीशिया को स्थिर करने के लिए आवश्यक कदम के रूप में अपने कार्यों का बचाव किया।

### नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में 12 की मौत

**अबुजा, एजेंसी।** नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी बोर्नो राज्य में शुक्रवार रात मछली बाजार में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने 12 लोगों की हत्या कर दी। हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। बोर्नो राज्य पुलिस के प्रवक्ता नाहुम केनेथ दासो ने बताया कि महिला अपने शरीर पर विस्फोटक उपकरण बांधे हुए मछली बाजार में घुसी और फिर नागरिकों के बीच विस्फोट कर दिया। दासो ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बता दें कि बोर्नो राज्य एक उग्रवाद का गढ़ है, जो मुख्य रूप से इस्लामी सशस्त्र समूह बोको हराम द्वारा संचालित है। पिछले 16 वर्षों में यहां से करीब 20 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

### पाकिस्तान : आतंकियों से झड़प, मिलिशिया लीडर समेत 4 की मौत

**क्वेटा, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों से झड़प में सशस्त्र मिलिशिया के ग्रुप लीडर समेत चार सदस्य मारे गए। मर्दन जिले के बैजई थाने के एक अधिकारी ने पीस लश्कर के कमांडर जुबैर की शुक्रवार को प्रांत के स्वात और बुनेर जिलों की सीमा से लगे कटलिंग क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में आतंकियों से झड़प में मारे जाने की पुष्टि की। पीस लश्कर स्वयंसेवकों का एक समूह है।

### चीन-पाकिस्तान और बांग्लादेश ने कुनमिंग में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस सप्ताह चीन के कुनमिंग शहर में विदेश मंत्रालय स्तर की बैठक की है। ये तीनों देशों के बीच पहली बैठक है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बैठक को लेकर जानकारी साझा की है। हालांकि, अभी बैठक किस दिन हुई, ये सामने नहीं आया है। बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रुहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी शामिल हुए। पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच वीडियो लिंक के माध्यम से इसमें शामिल हुईं। बलूच ने चीन की पहल की सराहना की और कहा कि यह बैठक तीनों देशों के बीच लोगों-केंद्रित विकास के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है।

# पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर

## 34 हजार करोड़ के क्रिप्टो बिजनेस की तैयारी में अमेरिका; ट्रम्प-शहबाज फैमली भी पार्टनर

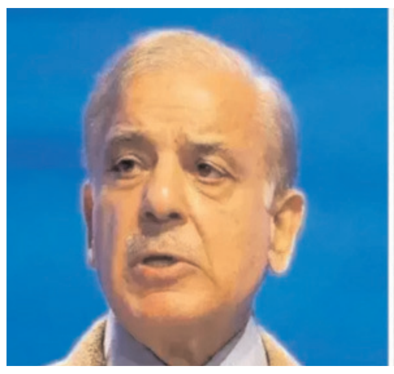

**इस्लामाबाद/वॉशिंगटन, एजेंसी।** पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुनबे का क्रिप्टो कारोबार अब आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। वाइट हाउस में हाल में ट्रम्प द्वारा मुनीर को डिनर डिप्लोमेसी के तहत न्योते में क्रिप्टो डील को फाइनल करना था। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प परिवार अगले दो साल में पाक में क्रिप्टो बिजनेस को दोगुना कर 34 हजार करोड़ रुपए करने की तैयारी में है। मुनीर पाक में क्रिप्टो बिजनेस को अपने हाथ में लेंगे। इसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुनीर द्वारा सीजफायर करने का ट्रम्प की ओर से इनाम समझा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प-मुनीर में डील कराने में पाक मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन साजिद तरार अहम किरदार हैं। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े तरार फाइनेंस व रियल एस्टेट फर्म मैक्सिमस इन्वेस्टमेंट ग्रुप चलाते हैं। मुनीर को डिनर का न्योता दिलाने में भी तरार का मुख्य रोल रहा।

**मुनीर को कमान क्यों...** पाकिस्तानी आर्मी के कई बिजनेस भी चलते हैं। अनुमान है कि पाक आर्मी का लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपए का बिजनेस है। फौजी फाउंडेशन (एफडी), आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट (एवीटी) और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) जैसे संगठन ये बिजनेस चलाते हैं। ये संगठन उर्वरक, सीमेंट, ऊर्जा, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करते हैं। आर्मी चीफ मुनीर इस आर्मी के बिजनेस की आय के कुछ हिस्सा क्रिप्टो करंसी में भी लगा सकते हैं। क्रिप्टो में आतंक को फंडिंग का मंसूबा पाकिस्तान आतंकी फंडिंग के कारण एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) संस्था की वॉचलिस्ट में है। जानकारों का मानना है कि पाक क्रिप्टो करंसी में आतंकी फंडिंग कर एफएटीएफ के निगरानी तंत्र को गच्चा दे सकता है। क्रिप्टो करंसी में शामिल ब्लॉकचेन की जटिलता लेनदेन को ट्रैक करना मुश्किल बनाती है। इसका फायदा उठाकर अवैध आतंकी फंडिंग छिपाई जा सकती है। पाक को द. एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाने का प्लान ट्रम्प का प्लान है कि पाकिस्तान को दक्षिण एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाया जाए। चेन एनालिसिस रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल क्रिप्टो एडैप्टेशन में पाकिस्तान 9वें नंबर पर है। यहां पिछले तीन साल में क्रिप्टो बिजनेस दोगुना हो गया है। करीब 24.5 करोड़ की आबादी में से लगभग 2.75 करोड़ लोग क्रिप्टो यूजर हैं- जो दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा है। इसकी बड़ी वजह वहां की ब्लैक इकोनॉमी मानी जा रही है। पाक जीडीपी में 46वें, प्रति व्यक्ति आय में 155वां नंबर पर है। क्रिप्टो करंसी वॉलेट, माइनिंग का प्लान पीएम शहबाज के क्रिप्टो पर सलाहकार बिलाल ने वेगास कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में कहा, पाक क्रिप्टो करंसी वॉलेट और बिटकॉइन माइनिंग का प्लान बना चुका है।

इसे जल्द लागू कर दिया जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान और सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड को भी क्रिप्टो को लेकर नए कानून बनाने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि सरकार ने बिटकॉइन माइनिंग फर्म और एआई डेटा सेंटर के लिए दो हजार मेगावॉट की अतिरिक्त पावर सप्लाई की मंजूरी दी है। ट्रम्प के दो बेटे व दामाद, शरीफ खानदान के दो बेटे पार्टनर होंगे क्रिप्टो करंसी के कारोबार से अमेरिका और पाकिस्तान के राजनीतिक परिवारों को बड़ा फायदा मिल सकता है। पाकिस्तान ने इसके लिए वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) से करार किया है, जिसमें ट्रम्प परिवार की 60प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। ट्रम्प के सलाहकार जाकरी विटकॉफ के बेटे स्टीव, जो डब्ल्यूएलएफ से जुड़े हैं, हाल ही में इस्लामाबाद में मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ से मिले थे। डोनाल्ड ट्रम्प के बड़े बेटे हैं। डब्ल्यूएलएफ में 25प्रतिशत हिस्सेदारी है। पाक में क्रिप्टो कारोबार को लीड करेंगे।

### मानवता ने खोले नरक के द्वार, वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में जलवायु संकट पर आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भयंकर गर्मी के भयानक प्रभाव हो रहे हैं। बाढ़ में फसलों को बहता देखकर किसान परेशान हैं। गर्मी से बीमारियां फैल रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु कार्रवाई बौनी पड़ रही है। अगर कुछ नहीं बदला तो हम एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई पर महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाना है। गुटेरेस ने कहा कि विकसित देश 2040 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करें। वायु मंडल से वह उतना ही प्रदूषण हटाएं, जितना कि वे पैदा करते हैं। उन्होंने देशों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए समय सीमा तय करने के लिए कहा। साथ ही निम्न और मध्यम आय वाले देशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करने के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी करने और जलवायु लचीलेपन उपायों में निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम दशकों पीछे हैं। हमें टालमटोल, दबाव और जीवाश्म ईंधन से अरबों डॉलर कमाने के स्वार्थ के लालच में खोए समय की भरपाई करनी होगी। यूएन महासचिव के विशेष सलाहकार सेल्विन हार्ट ने कहा कि जिन देशों ने 2050 तक शुद्ध शून्य और पेरिस समझौते के तहत तापमान को 1.5 डिग्री तक कम करने की प्रतिबद्धता जताई थी, वे मौजूदा समय में जीवाश्म ईंधन लाइसेंसिंग का विस्तार कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में शिखर सम्मेलन ऐसे वक्त में हुआ जब दुनिया बाढ़ और आग से जूझ रही है। इसका उद्देश्य दिसंबर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र के कॉप 28 जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले पृथ्वी को गर्म करने वाले प्रदूषण को कम करने की दिशा में काम करना है। सम्मेलन में केवल उन देशों ने भाग लिया, जिनके पास जलवायु संकट से निपटने की ठोस योजना है। सम्मेलन में 200 देशों में से केवल 34 देशों और सात गैर सरकारी निकायों को बोलने का मौका दिया गया।

### कोलंबिया का प्रदर्शनकारी महमूद खलील 3 महीने बाद रिहा हुआ, फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने का आरोप था

**बोगोटा , एजेंसी।** फिलिस्तीनी कार्यकर्ता और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलिल को तीन महीने बाद अमेरिकी इमिग्रेंट कस्टडी से रिहा कर दिया गया। खलील को 8 मार्च को मैनहट्टन में उनके घर से हिरासत में लिया गया था। उन पर फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने का आरोप था।

इसके साथ सरकार का दावा था कि खलिल ने अपने ग्रीन कार्ड आवेदन में झूठ बोला, लेकिन खलील ने इन आरोपों से इनकार किया। उनके वकीलों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने की कोशिश है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि खलील की मौजूदगी देश के लिए सही नही है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि ऐसे प्रदर्शन करने वाले गैर-नागरिकों को डिपार्ट किया जाएगा।

# ईरान बोला- अमेरिका का क्रूर कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की परमाणु एजेंसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले हुए हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अमेरिकी हमले की घोषणा के बाद बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन ईरानी राष्ट्र को आश्वस्त करता है कि अपने दुश्मनों की दुष्ट साजिशों के बावजूद अपने हजारों वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के प्रयासों से वह इस राष्ट्रीय उद्योग के विकास को नहीं रुकने देगा। इससे पहले ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने देश के फोर्डो परमाणु ठिकानों पर हमले की बात स्वीकार की थी। इसने बताया कि हमलों में इस्फहान और नतांज परमाणु स्थल भी शामिल थे। आईआरएनए ने सुरक्षा मामलों के प्रभारी इस्फहान के डिप्टी गवर्नर अकबर सालेही के हवाले से कहा कि ठिकानों के आसपास हमले हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन तेहरान की एजेंसी ने यह भी कहा कि उसके परमाणु स्थलों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। यह कार्रवाई दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की उदासीनता और मिलीभगत के तहत हुई। अमेरिकी दुश्मन ने हमलों की जिम्मेदारी ली है, जो

सुरक्षा समझौते और एनपीटी के अनुसार निरंतर आईएईए निगरानी के अधीन हैं। यह उम्मीद की जाती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जंगलराज जैसी इस अराजकता की निंदा करेगा और ईरान को उसके वैध अधिकारों का दावा करने में समर्थन देगा। पेजेशकियन ने की मैक्रों से बात आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत के दौरान चेतावनी दी कि जायोनी शासन की निरंतर आक्रामकता के प्रति उनके देश की प्रतिक्रिया और भी विनाशकारी होगी। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि पास के पहाड़ पर स्थित परमाणु संवर्धन स्थल पर अमेरिकी हमले के बाद तेहरान के दक्षिण में स्थित कोम शहर के निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं है। संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी बमवर्षकों की ओर से किए जा रहे खतरनाक हमलों से बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इस बात का जोखिम बढ़ रहा है कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे की कूटनीति का आह्वान किया। फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले इससे पहले अमेरिकी सेना ने पहले ईरान के फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे।

## ईरान पर हमलों के बाद अमेरिकी सीनेटरों ने की ट्रंप की तारीफ, कहा- बेहद साहसिक और सही फैसला

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ हो रही है। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप के फैसले को सही और साहसिक करार दिया है। अमेरिका ने शनिवार रात को ईरान के नताज, फोर्डो और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर हमला किया।

हमले के बाद साउथ कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर लिखा कि बहुत बढ़िया, राष्ट्रपति ट्रंप। टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा कि साहसिक और सही निर्णय। अलबामा के सीनेटर केटी ब्रिट ने हमले को मजबूत और सर्जिकल करार दिया। इसके अलावा ओक्लाहोमा के सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने लिखा कि अमेरिका पहले, हमेशा।

वहीं सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष मिसिसिपी के रोजर विकर ने कहा कि ट्रंप ने ईरानी शासन की ओर से पैदा किए जा रहे खतरे को समाप्त करने के लिए जानबूझकर और सही निर्णय लिया है। विकर ने एक्स पर लिखा कि अब हमारे सामने अपने नागरिकों और सहयोगियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई विकल्प हैं।

सीनेट के नेता जॉन थून ने कहा कि हम यह तय करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं कि परमाणु हथियार ईरान की पहुंच से बाहर रहें। मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़ा हूं और खतरे में पड़े अमेरिकी सैनिकों और कर्मियों के लिए प्रार्थना करता हूं। थून और सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन को शनिवार को हमलों से पहले ही जानकारी दे दी गई थी। जॉनसन ने कहा कि सैन्य अभियान हमारे विरोधियों और सहयोगियों को स्पष्ट रूप से याद दिलाएगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं, वही करते हैं। हाउस इंटेलीजेंस कमेटी के अध्यक्ष रिक क्रॉफोर्ड ने कहा कि मैं व्हाइट हाउस के संपर्क में था और उन अमेरिकी सेवा सदस्यों का आभारी हूं जिन्होंने इन सटीक और सफल हमलों को अंजाम दिया।

**डेमाक्रेट सीनेटर ने भी की तारीफ :** डेमोक्रेटिक सहयोगियों से अलग हटकर पेंसिल्वेनिया के सीनेटर जॉन फेटरमैन ने भी ईरान पर हमलों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जैसा कि मैं लंबे समय से कहता रहा हूं, यह अमेरिकी राष्ट्रपति का सही कदम था। ईरान दुनिया में आतंकवाद का अग्रणी प्रायोजक है और उसके पास परमाणु क्षमता नहीं हो सकती।

**कुछ सांसदों ने किया विरोध :** कुछ सांसदों ने ट्रंप के फैसले का विरोध भी किया। केंटकी के प्रतिनिधि थॉमस मैसी ने ट्रंप के हमलों की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया कि यह सांविधानिक नहीं है। कई डेमोक्रेट्स का मानना है कि कांग्रेस को इस मामले में अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए। सीनेट में इस सप्ताह वर्जीनिया के सीनेटर टिम केन के प्रस्ताव पर मतदान होना था, जिसके अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान पर युद्ध की घोषणा करने या कोई विशेष सैन्य कार्रवाई करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होगी। कनेक्टिकट प्रतिनिधि जिम हिम्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि संविधान के अनुसार हम दोनों ने रक्षा करने की शपथ ली है, इस मामले पर मेरा ध्यान बम गिरने से पहले आता है। पूर्ण विराम।

## अजरबैजान में 7 जर्नलिस्ट को जेल, विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप

### मीडिया संगठनों ने अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया

**बाकू, एजेंसी।** अजरबैजान की एक अदालत ने रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के पत्रकार फरीद मेहरालिजादा और छह दूसरे पत्रकारों को अलग-अलग आरोपों में दोषी ठहराते हुए 7 से 9 साल तक जेल की सजा सुनाई। मेहरालिजादा और अब्जास मीडिया के डायरेक्टर उल्वी हसनली, मुख्य संपादक सेविंज अब्बासोवा और पत्रकार हाफिज बबाली को 9 साल की सजा मिली। वहीं, पत्रकार नरगिज अब्सलामोवा और एलनारा गासिमोवा को 8 साल, जबकि मोहम्मद केकेलोव को 7 साल की सजा सुनाई गई। दरअसल, नवंबर 2023 में अब्जास मीडिया के छह पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने उन पर विदेशी करेंसी की तस्करी का आरोप लगाया। मेहरालिजादा को मई 2024 में इसी मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन पर टैक्स चोरी और दस्तावेज जालसाजी जैसे आरोप लगाए गए। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इस सजा को अन्यायपूर्ण और झूठे आरोपों पर आधारित मुकदमा करार दिया। संगठन की संपादकीय निदेशक ऐनी बोकांदे ने कहा-

अजरबैजान की सरकार पत्रकारों को जेल में डाल सकती है, लेकिन सच्चाई को नहीं रोक सकती। अजरबैजान में इस साल की शुरुआत में वॉयस ऑफ अमेरिका और ब्लूमबर्ग के प्रेस पास रद्द किए गए और बीबीसी का ऑफिस बंद कर दिया गया। एमनेस्टी इंटरनेशनल की जनवरी 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि अजरबैजान की सरकार राजनीति से प्रेरित गिरफ्तारियों के जरिए स्वतंत्र मीडिया को चुप कर रही है और ये कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला हैं।

## अमेरिका ने ईरानी एटमी ठिकानों पर बमबारी की, ट्रम्प बोले- फोर्डो समेत 3 परमाणु ठिकाने तबाह किए

**तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी।** अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4: 30 बजे हुआ। ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है। इसके तहत इजराइल के 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री ठिकानों पर ईरानी मिसाइलों के गिरी हैं।

**ईरान में 13 जून से अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत :** इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 10वां दिन है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। ईरान ने इजराइल पर 27 मिसाइलें दागीं इजराइली सेना ने कहा है कि अब नागरिक अपने सुरक्षित बंकरों से बाहर निकल सकते हैं। ईरानी मिसाइलों को मार गिरा दिया गया है। सेना के मुताबिक, ईरान ने दो चरणों में कुल 27 मिसाइलें दागीं। पहले हमले में 22 और दूसरे में 5 मिसाइलें शामिल थीं। इन मिसाइलों का असर तेल अवीव, हाइफा और बाकी शहरों में देखा गया। सेना ने कहा कि हालात अब कंट्रोल में हैं और आम जनता के लिए बाहर निकलना सुरक्षित है।

**इजराइल आ रहे 1,800 लोगों को एंट्री नहीं मिली :** मिसाइल हमले के बीच साइप्रस में फंसे हुए 1,800 इजराइली नागरिकों को वापस ला रहा एक क्रूज जहाज इजराइली पोर्ट में एंट्री नहीं कर पाया। इजराइल की 'होम फ्रंट कमांड' ने निर्देश दिया कि सुरक्षा कारणों से अशदोद पोर्ट को फिलहाल बंद रखा जाए। कंपनी ने यात्रियों को बताया है कि जहाज पोर्ट के पास ही रुका है। जिन यात्रियों को आज साइप्रस रवाना होना था, उन्हें भी जानकारी दी गई है।

**ईरान के हमले में 11 इजराइली घायल :** ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में इजराइल के सेंटर और नॉर्थ के इलाकों में 11 लोग घायल हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव के इचिलोव मेडिकल सेंटर ने बताया कि 5 लोगों को अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।

**तेल अवीव समेत कई शहरों पर हवाई हमले :** अमेरिकी बमबारी के बाद ईरान ने इजरायल के कई शहरों पर हमला कर दिया है। तेल अवीव, हाइफा समेत कई शहरों में साइरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं। इजरायल के ज्यादातर शहरों को अलर्ट पर रखा गया है। इजरायली सेना ने कहा है कि ईरान ने इजरायल के खिलाफ जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। आईडीएफ ने कहा, थोड़ी देर पहले, ईरान से इजराइल की ओर दागी गई मिसाइलों की पहचान के बाद इजरायल के कई इलाकों में सायरन बज रहे थे। लोगों से अनुरोध है कि वे होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करें। इस समय, इजरायली सेना खतरे को खत्म करने के लिए जहां भी आवश्यक हो काम कर रही है। इजरायली मीडिया का कहना है कि ईरान ने मिसाइल के जरिए उत्तरी और मध्य इजरायल के शहर - हाइफा, नेस जियोना, रिशोन लेजियन, तेल अवीव पर हमला किया है। ईरान के न्यूज चैनलों पर भी हमलों की तस्वीरों को प्रसारित किया गया। एक न्यूज एंकर ने कहा, ये लाइव तस्वीरें जो आप देख रहे हैं, वे इजरायल पर दागी गई ईरानी मिसाइलों की नई बौछार की हैं। ईरानी मिसाइलों के हमले के बाद इजरायल में कई लोग घायल हुए हैं। बचाव सेवाओं और रिपोर्टों के अनुसार, ईरान द्वारा मिसाइलें दागे जाने के बाद मध्य इजरायल में कम से कम 11 लोग घायल हो गए।

## यमुनोत्री पैदल मार्ग पर हादसा, अचानक दरका पहाड़

बड़कोट(उत्तरकाशी)। मानसून शुरू होते ही पहाड़ में भूस्खलन की घटनाएं सामने आने लगी हैं। सोमवार दोपहर जानकीचट्टी यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची के पास पहाड़ दरक गया। इस दौरान कई यात्री मलबे में दबे हैं। जानकीचट्टी चौकी प्रभारी गंभीर सिंह तोमर ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ मौके पर है। फिलहाल सुरक्षा के लिहाज से यात्रा मार्ग पर आवाजाही रोक दी गई है। जानकारी के अनुसार, टीम ने मुंबई निवासी एक यात्री रसिक(60) को अस्पताल पहुंचाया है। डाक्टर हरदेव सिंह पंवार के अनुसार यात्री के सर पर चोटें हैं। लेकिन खतरे से बाहर है। वहीं, एक बच्चे का शव मिला है। टीम अन्य दबे हुए लोगों को मलबे से निकालने में जुटी है। एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी ने बताया कि यमुनोत्री धाम की ओर फंसे सैकड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा रहा है। वहीं, यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रास्ते में फंसे यात्रियों को भूस्खलन वाले क्षेत्र से बाहर निकाला। मौसम विज्ञान विभाग ने 22 से 26 जून तक राज्य के देहरादून, नैनीताल, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर यूएसडीएमए के अधीन राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसओईसी) ने संबंधित जिलों के डीएम को पत्र भेजकर सावधानी बरतने को कहा है। इसमें आपदा प्रबंधन आईआरएस के नामित अधिकारी व विभागीय नोडल अधिकारी अलर्ट पर रहेंगे। गंगोत्री हाईवे पर सुक्की के सात नालों पर वर्षों से बॉर्डर रोड ऑर्गनाईजेशन की ओर से सुधारीकरण और सुरक्षात्मक उपाय नहीं किए गए हैं। इस कारण यह नाले हर बरसात में सड़क पर आवाजाही में मुसीबत बनते हैं। इस संबंध में कई बार स्थानीय प्रशासन और बीआरओ से कई बार वहां पर सुरक्षात्मक कार्यों की मांग कर चुके हैं। स्थानीय निवासी संजय राणा, मनोज नेगी, भागवत पंवार, दीपक राणा, अजय नेगी आदि का कहना है कि हर्षिल घाटी सहित गंगोत्री और भारत-चीन अंतराष्ट्रीय सीमा को जोड़ने का गंगोत्री हाईवे एक मात्र साधन है। इसमें हर्षिल घाटी शुरू होने से पहले ही हाईवे पर सात नाले हर वर्ष बरसात में मुसीबत बनते हैं। इस कारण चारधाम यात्रा के यात्रियों सहित आठ गांव के ग्रामीणों और सेना व आईटीबीपी के जवानों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्योंकि कई बार बरसात में इन नालों में जलस्तर बढ़ने और मलबा आने के कारण यह कई दिनों तक सड़क बंद रहती है। क्योंकि सड़क पर सात स्थानों पर एक साथ मलबा आने के कारण मशीनरी को इसे साफ करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर कई बार बारिश होने पर इन नालों में जलस्तर बढ़ने के कारण दोपहिया और छोटे वाहनों के बहने का खतरा भी बना रहता है।

# अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा भदोही: सीएम योगी

**कौमी पत्रिका**

भदोही, 23 जून: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को भदोही पहुंचे। उन्होंने यहां जनप्रतिनिधियों के साथ जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री ने जनपद के विकास को लेकर अनेक सौगात दीं। उन्होंने कहाकि भदोही अपनी बेहतरीन हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। यह जिला अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीतामढ़ी के पास डेंगुरपुर में गंगा नदी पर ब्रिज और गोपीगंज-मीरजापुर के बीच रेलवे लाइन पर आरओबी के निर्माण की मांग को तत्काल स्वीकृति दी। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यालय पर ऑडिटोरियम पहले से स्वीकृत है, लेकिन इसे मल्टीपर्पज हॉल के रूप में प्रस्तावित किया गया है। जनपद मुख्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। पंचायतीराज विभाग से आउटसोर्सिंग सफाईकर्मियों का स्टेट्स मांगा गया है। जिला मुख्यालय से जुड़ने वाले मार्गों की कनेक्टिविटी को तेज करने, अच्छा बनाने और पहले से स्वीकृत मिनी स्टेडियम को आगे बढ़ा सकें, इसके लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरपेट उद्योग आज से 10 वर्ष पहले बहुत खराब स्थिति में था,

लेकिन पीएम मोदी की प्रेरणा से यहां के हस्तशिल्पियों को जो प्रोत्साहन दिया गया। उसका परिणाम है कि यहां के कॉरपेट उद्योग के कारण देश में एक्सपोर्ट में 60 फीसदी योगदान यूपी का है। यूपी में जो एक्सपोर्ट हो रहा है, उसमें 60 फीसदी से अधिक शेयर अकेले भदोही जनपद का है। इसे जीआई टैग मिल चुका है। इसीलिए यहां पर कॉरपेट एक्सपो मार्ट भी बनाने में केंद्र व राज्य सरकार ने योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही ने हस्तशिल्प से प्रदेश व देश को पहचान दिलाई। केंद्र व राज्य सरकार ने अपने स्तर पर हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित किया। उद्यमियों व हस्तशिल्पियों के अनेक कार्यक्रम स्थापित करने के कार्य भी सरकार के स्तर पर प्रारंभ हुए हैं। प्रयास है कि भारत के प्राचीन हस्तशिल्प को हम और प्रोत्साहित-सहयोग कर सकें। साथ ही उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में और प्रभावी ढंग से नई पहचान दे सकें। मुख्यमंत्री ने यहां के जिला अस्पताल का भी निरीक्षण किया। बोले कि यह पिछली सरकार के बेमानी व भ्रष्टाचार का जीवंत का स्मारक बन चुका था। हमने यहां के कार्य को फिर से प्रारंभ किया है। 50 बेडेड क्रिटिकल केयर के नए सेंटर को स्थापित करने के कार्य का निरीक्षण किया है। जिला अस्पताल के पुराने भवन के निर्माण कार्य के लिए सरकार ने धनराशि उपलब्ध करा दी है। राजकीय निर्माण निगम को दिसंबर 2025 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। प्रयास है कि आने वाले समय में भदोही में पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकें। इसके लिए मानकों को पूरा करने की तैयारी हो रही है। मुख्यमंत्री ने काशी नरेश राजकीय पीजी कॉलेज की चर्चा की। बोले कि लैंड की रिक्वॉयरमेंट मांगी गई है। यहां कृषि संकाय बन चुका है। मैनपॉवर उपलब्ध करा रहे हैं। यदि 50 एकड़ से अधिक लैंड है तो उसे स्टेट यूनिवर्सिटी के रूप में भी आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। यह भदोही की बड़ी उपलब्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधि व जनसहभागिता से मोरवा नदी के पुनरोद्धार का कार्य किया जा रहा है। सीएम ने पोस्ट %एक पेड़ मां के नाम% अभियान को प्रभावी ढंग से बढ़ाने का निर्देश दिया।

# माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने छात्र नेतृत्व प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली, 23 जून, 2025 = भारत भर से 45 लोगों का एक युवा प्रतिनिधिमंडल, जो वर्तमान में राष्ट्रीय शासन यात्रा 2025 पर है, ने आज दिल्ली विधानसभा में माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता से मुलाकात की। सभी 28 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू और अन्य प्रमुख संस्थानों के छात्रों से मिलकर बने इस प्रतिनिधिमंडल ने माननीय अध्यक्ष के साथ शहरी शासन में विधायी पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना विषय पर एक व्यावहारिक चर्चा की। चर्चा दिल्ली की कानून निर्माण प्रक्रियाओं में सार्वजनिक भागीदारी और संस्थागत निगरानी को बढ़ाने के उद्देश्य से सुधारों और नवाचारों पर केंद्रित थी। प्रतिनिधियों से बात करते हुए, श्री गुप्ता ने जीवंत लोकतंत्र में विधायी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और युवा नेताओं को ईमानदारी और सेवा में निहित सार्वजनिक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सुशासन और विधायी सुधारों पर प्रतिनिधिमंडल के व्यापक शोध की सराहना की और 20 मिनट के एक गतिशील संवादात्मक सत्र के दौरान उनकी अंतर्दृष्टि का स्वागत किया। यह विधानसभा लोगों की है। आपकी सक्रिय भागीदारी और जिज्ञासु

भावना भारत के लोकतांत्रिक भविष्य की ताकत को दर्शाती है, श्री गुप्ता ने टिप्पणी की। उन्होंने दिल्ली विधानसभा में चल रहे कई सुधारों और प्रगतिशील पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि विधानसभा ने हाल ही में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ष्टत्र) द्वारा उठाए गए ऑडिट पैराग्राफ की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग को सक्षम करने के लिए केंद्र सरकार की ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग प्रणाली (ष्ठक्क्रू) को अपनाया है। यह कदम विधायिका के कामकाज में बढ़ी हुई संस्थागत पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। माननीय अध्यक्ष ने आगे बताया कि विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। जुलाई तक चालू होने की उम्मीद वाली इस परियोजना से लगभग ?2 करोड़ का वार्षिक बिजली खर्च खत्म हो जाएगा। श्री गुप्ता ने कहा कि यह पहल पर्यावरण स्थिरता और राजकोषीय विवेक दोनों के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। माननीय अध्यक्ष ने छात्रों को भारत के विधायी इतिहास में महत्वपूर्ण मील के पत्थरों से भी परिचित कराया। उन्होंने 18 मार्च, 1919 को दिल्ली में रॉलेट एक्ट के पारित होने को याद किया और कहा कि महात्मा गांधी बहस के दौरान आगंतुक दीर्घा में मौजूद थे और बाद में विधानसभा भवन के बाहर जनता को संबोधित किया। श्री गुप्ता ने कहा कि यह क्षण भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में नागरिक प्रतिरोध और जन भागीदारी की गहरी जड़ें जमाए हुए परंपरा का प्रतीक है। श्री गुप्ता ने प्रतिनिधियों से अपने भविष्य के करियर में लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही के राजदूत के रूप में कार्य करने का आग्रह किया, जिससे युवा नेतृत्व और संस्थागत शासन के बीच की खाई को पाटा जा सके।

# इग्नू में दाखिला लेने के लिए यूजीसी डीईबी आईडी अनिवार्य- डॉ. धर्म पाल

यमुनानगर। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में जुलाई 2025 सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी है। इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन करके उनके लिए उत्थान के समान अवसर उपलब्ध करवाना है। इग्नू रिमोट एरिया, गांव देहात के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि यूजीसी-डीईबी ने सभी ओपन और डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन (ओएल) कार्यक्रमों के लिए एक नई प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। यूजीसी-डीईबी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, अब प्रत्येक शिक्षार्थी (अंतर्राष्ट्रीय शिक्षार्थियों को छोड ?र) के लिए किसी भी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) या ऑनलाइन (ओएल) पाठ्यक्रम में नामांकन से पहले अपनी एबीसी आईडी का उपयोग करके एक डीईबी-आईडी बनाना अनिवार्य है। यदि आपके पास एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी नहीं है, तो आप डिजीलॉकर https:// www.digilocker.gov.in के माध्यम से बना सकते हैं या 222.ड्डड्ढष्.द्दश1.द्धठ्ठ पर जाकर अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड या अपार आईडी से अपनी एबीसी आईडी बना सकते है। डीईबी आईडी एक बार जनरेट होने के बाद फिर शिक्षार्थी के जीवन काल के लिए वैध रहेगी। वैध डीईबी-आईडी के बिना, ओडीएल/ओएल कार्यक्रमों में प्रवेश ले पाना संभव नहीं है। इसके बाद डीईबी-आईडी व अपना व्यक्तिगत विवरण जैसे ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर आदि डालें तथा मांगे गए दस्तावेज अपलोड करें। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड से अपना दाखिला फीस का भुगतान कर सकते है। दाखिला प्रक्रिया में उम्मीदवार द्वारा दर्ज किया गया नाम और अन्य विवरण शैक्षिक दस्तावेजों के समान होना चाहिए। इच्छुक छात्रों से अनुरोध है कि केवल अपनी रजिस्टर्ड ईमेल आईडी का उपयोग करके ही पोर्टल पर लॉगिन करें और फीस का भुगतान अपने क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से ही करें। इग्नू के विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, ग्रेजुएशन तथा पोस्ट ग्रेजुएशन पाठ्यक्रमों में जुलाई 2025 सत्र में दाखिले अभी चल रहे है जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है।

# नालों की सफाई लाए गंभीरता, रोजाना करें मॉनिटरिंग- धीरज कुमार

**कौमी पत्रिका**

यमुनानगर। निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर शहर के नालों की सफाई को लेकर सोमवार को अतिरिक्त निगमायुक्त धीरज कुमार ने निगम कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सफाई शाखा व अभियंता शाखा

के अधिकारियों ने भाग लिया। अतिरिक्त निगमायुक्त धीरज कुमार ने नालों की सफाई को लेकर सभी अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने और रोजाना नालों की सफाई की मॉनिटरिंग कर संसाधनों व कर्मचारियों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि नालों की सफाई के कार्य में किसी प्रकार की कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में फील्ड में रहकर नालों की सफाई की निगरानी करें। नालों में जहां गंदगी है, उसे तुरंत साफ कराए। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने अधिकारियों से जोन एक, जोन दो व जोन तीन के सभी नालों की स्थिति जानी। जगाधरी के प्रकाश चौक से गौरी शंकर मंदिर तक के नाले, सेंट थॉमस स्कूल के पास वाले नाले, जगाधरी से सेक्टर 17 से होते हुए आ रहे नाले, स्वामी विवेकानंद स्कूल वाली पुलिया, जिमखाना क्लब से प्रोफेसर कॉलोनी से होते हुए कैप्शन, मॉडल टाउन, जब्बी वाला गुरुद्वारा, सरोजनी कॉलोनी, टैगोर गार्डन तक नालों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। इसके अलावा पुलिस चौकी बूड़िया गेट, हनुमान गेट, तेजली गेट, ढोल वाली पुलिया, मोहन नगर से बड़े नाले तक की अपडेट ली। यमुनानगर जोन के लाजपत नगर, विजय नगर कॉलोनी से होते हुए विश्वकर्मा चौक तक, कैंप, पुराना हमीदा, जोडियो, स्टार्च मिल, शुगर मिल गन्ना यार्ड से डिच ड्रेन व अन्य स्थानों की जानकारी ली। उन्होंने बारिश के दौरान शहर में जिन स्थानों पर जलभराव हुआ, उनका कारण पता कर उसे दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही नालों में जहां जहां गंदगी है, उसकी तुरंत प्रभाव से सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे रोजाना अपने अपने क्षेत्र में नालों की सफाई का कार्य जांचें। एजेंसी द्वारा निर्धारित संसाधनों व कर्मियों की संख्या कम मिलने पर जुर्माना लगाए। सभी नालों की गहराई तक सफाई कराए। ताकि शहर में कहीं भी जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने आमजन से अपील की कि नालों में पॉलिथीन व ठोस कचरा न डाले। इससे पानी निकासी में बाधा होती है।


**NAME CHANGE**
I, Aditya Goel s/o Rajender Goel R/O 55-A, Sai Baba, Enclave, Najafgarh, Delhi-110043, have change my name to Aditya Goyal permanently

**NAME CHANGE**
I, Utsav Alagh s/o Kewal Kishore R/o 3-B/117 Vishnu Garden, New Delhi-110018 have changed my name to Utsav Alag for all Purposes

**NAME CHANGE**
I, Suman Alagh w/o Kewal Kishore R/o 3-B/117 Vishnu Garden, New Delhi-110018 have changed my name to Suman Alag for all Purposes

**NAME CHANGE**
I, MOKSH S/O MANOJ residing at G-4/162 SECTOR -16 ROHINI DELHI-110089 have changed my name MOKSH TALREJA for all future purpose.

**सार्वजनिक सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किलो श्री मवासी राम यादव पुत्र स्व0 श्री पुरन चन्द, एंव श्रीमती सुमन यादव पत्नी श्री मवासी राम यादव निवासी मकान न0 2, जी-ब्लॉक, आर0 ई-2, मेन पपरावट रोड़, नीयर कैप्टन रिशाल सिहं मार्ग, नजफगढ़, दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र मनोज कुमार का व्यवहार उनके नियन्त्रण में न होने, और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने और नशे का आदि होने के और घर में चोरी करने के कारण और लड़ाई-झगडा करने के कारण उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे पुत्र मनोज कुमार से किसी प्रकार का लेन-देन करता हैं तो वह नैतिक व अवैध कार्यों के लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगें, मेरे मुवक्किलो की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
**N.K.TIWARI Advocate**
CH. NO.832
DWARKA COURT COMPLEX
LAWYERS CHAMBERS BLOCK SECTOR-10, DWARKA NEW DELHI-110075.

**NAME CHANGE**
I, KAUSAR JAHAN W/O ASLAM HASHMI R/O H NO. C-6/292, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME KAUSAR HASHMI FOR ALL FUTURE PURPOSE

**NAME CHANGE**
I, RIZWAN S/O FAIJUL HASAN R/O H NO.H NO-V-63, GALI NO-27, VIJAY PARK MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME RAIZWAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, IDRISH ALI S/o MOHD RASID ALI R/o Kh. No.-79/2, 2nd Floor Gali No.-1, Vashisht Enclave, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my father has been wrongly written as ABDUL RASID in my all educational documents. The actual name of my father is MOHD RASID ALI, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, HARISH KUMAR S/o RADHEY SHYAM R/o H.No. 07, Gali No. 09, A1-Block, Bangali Colony, Gurudwara, Sant Nagar Burari, PO: Burari, Dist: North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as YUVIKA in my minor daughter YUVIKA MAHOR aged 14 years in her School Record. The actual name of my minor daughter is YUVIKA MAHOR.

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, SURAJ KUMAR S/o SUBHASH KUMAR R/o 1480, Gali No. 2, Gulab Vatika, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as SUBHASH CHAND and MAMLESH in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SUBHASH KUMAR and MAMTESH DEVI respectively.

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Suman Bala** is purchasing the Entire Third Floor With Roof Rights OF Built UP Property No. G-43, Area measuring 130 Sq. Yds. Out of Khasra No. 24/16. Situated in the Area of Village Pamsali Abadi known as Deep Vihar Delhi 110042 from Md. Muzzamil S/o Md. Anwar Khan who is the owner of the said property vide Conveyance Deed (PM Uday) dated 01.05.2025 registered as DOC NO. 2025/21/I/1711in SRO North Narela and Intend to mortgage the said property with Aditya **Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

**NAME CHANGE**
I, BUNESH alias BIRTESH D/o Mahipal Singh W/o Satish R/o House No.115 Sakipur Po. Sakipur Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh-201306 have changed my name to BIRTESH

**NAME CHANGE**
I, SURINDER KUAMR s/o NAND LAL r/o CB-271, RING ROAD NARAINA, NEW DELHI-110028 have change my name to SURINDER KUMAR for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I,KARINA KASHYAP daughter of Shri Dhanik lal Mandal resident of Professor Colony, Durgasthan, P.O. Katihar, Bihar-854105, have change my name from KARINA KASHYAP to KARINA KASHYAP SINGH in future for all purposes.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as POOJA D/o ASHOK KUMAR R/o C-187, Double Story, Tagore Garden, Extn, New Delhi-110027, have changed my name and shall hereafter be known as PARMILA

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Raj Kumar** Malhotra is purchasing the Property no 6 , admeasuring 53.25 Sq. yards, East Avenue Market Sector No-1 East Punjabi Bagh Delhi, New Delhi 110026 & Property no 7, admeasuring 62.64 Sq. Yards. East Avenue Market Sector No-1 East Punjabi Bagh Delhi, New Delhi 110026. from Mrs. Shally Malhotra and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd,** . Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

**PUBLIC NOTICE**
Information is given to general public at large that our client Mr. Naval Singh S/o Mr. Chet Ram is the owner of Freehold Residential House area measuring 447.55 Sq. Yds. i.e.374.20 Sq. mtrs. out of Khasra No.380 Situated at Village Dagarpur Tehsil Khekra District Baghpat, U.P. by virtue of Gift Deed dated 27.03.2025 Vide Doc No.1788, Book No.1, Volume no.3303, on Page Nos.369-386, Registered on 27.03.2025, in S.R-Khekra., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Mr. Cheta Ram now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Kaushambi Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

**NAME CHANGE**
I, Kewal Kishore Alagh s/o Tilak Raj R/o 3-B/117 Vishnu Garden, New Delhi-110018 have changed my name to Kewal Kishore for all Purposes

**NAME CHANGE**
I, Rekharani Komirineni D/O Bapur Rao Sidduri W/O Venkateshwarlu Komirineni R/O H.NO-B4/1908 1st floor Safdarjung Enclave South West Delhi 110029 Have changed my name to Rekharani Sidduri for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, Amir Ahmad S/o Nazir Ahmed R/o 1162 Gali Sunar Wali, Kala Mahal, Darya Ganj, Delhi 110002 have changed my name to Amir Ahmed permanently

**NAME CHANGE**
I, Nazir Ahmad S/o Bashir Ahmed R/o 1162 Gali Sunar Wali, Kala Mahal, Darya Ganj, Delhi 110002 have changed my name to Nazir Ahmed permanently

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I KRISHAN KUMAR S/O OM PRAKASH R/O 610/A, Bagari Mohalla, Pana Udyan Narela, North West Delhi, Delhi -110040 declare that name of my wife has been wrongly written as SUMAN in my minor son RAJAN aged 15 year in his School record Tha actual name of my wife is BALA respectively which may be amended accordingly

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Raj Kumar** Sharma is purchasing the Plot no. 10 & 11, New no. RZ-10-C, Situated in the Khasra no. 15/12 village Dabri, situated in the Syndicate Enclave & Raghu Nagar, Delhi- 110045. from Mrs. Krishna Dahiya who is the owner of the property vide Conveyance Deed (PM-Uday) dated 19.04.2025 which is registed as doc no. 2025/16/I/5843, in SRO South west Kapashera and Intend to mortgage the said property with Aditya **Birla Housing Finance Ltd,** . Public is being warned not to deal with the said document. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Surinder Singh** is the owner of the Plot No.K-17, land admeasuring 300 Sq. Yards, carved out of Khasra No.795/2, K-Block, situated at Mahipalpur Extension, Village Mahipalpur, New Delhi-110037vide Relinquishment Deed dated 09.04.2025 registered as Doc No.2025/8/I/2252 in SRO VIIA and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited .** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, RANJANA MALHOTRA daughter of SURINDER NATH BAJAJ wife of SUNIL MALHOTRA, R/o H. NO. A-144, MEERA BAGH, PASCHIM VIHAR, DELHI-110087, declare that name of my father has been wrongly Written as SATINDER NATH BAJAJ in my PAN CARD NO-AAVPM8180E. The actual name of my father is SURINDER NATH BAJAJ, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
This is to inform the general public that my grandfather, Late Sh. J.P. Sharma, son of Sant Ram Sharma, residing at E-287-A, Greater Kailash Part-1, New Delhi-110048 has passed away on 01.06.2025. By virtue of his Will dated 27.11.2020, the Ground Floor and Basement with separate gate in still parking of 1 car of the aforementioned property bearing E-287-A, Greater Kailash Part-I, New Delhi -110048, have been bequeathed in my favour.
I, Vaibhav Sharma, son of ATUL Sharma now the rightful owner of the said portions of the property. Any person having any claim, objection, or interest in the said property is hereby advised to contact the undersigned in writing within 15 (fifteen) days from the date of publication of this notice, failing which no such claim shall be entertained and the matter shall be deemed settled within the time frame.

**NAME CHANGE**
I, ASHOK Father No-4582529L Rank-SEP Name-MORE SANDIP ASHOK residing at VILL-PATONDA, PO-PATONDA, TEHSIL-CHALISGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424102, have changed my name from ASHOK to ASHOK CHINDHA MORE for all future purposes vide Affidavit dated 23/06/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, REEKITA SALUJA W/O DHARMIT SINGH CHOWDHURY residing at S-21A, WINDSOR COURT, NEAR GALLERIA MARKET, DLF PHASE-4, GURGAON, HARYANA-122009, have changed my name to REEKITA CHOWDHURY for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, Tarannum D/o Irfan R/o 90, 91 TEMP, BLOCK R-III MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 Have changed my name to Tarannum Hussain for all future purpose

**NAME CHANGE**
I, VIKAL SHARMA S/O AMAR NATH SHARMA R/O HOUSE NO-506, CEDAR ESTATE SOCIETY, SECTOR-54, GURGAON, HARYANA-122011 HAVE CHANGED MY NAME TO VIKAL KUMAR SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, JASLEIN PADAM D/O LT COL KULJEET SINGH PADAM R/O 117, TAGORE NAGAR, MODI HOUSING SOCIETY NARMADA ROAD, POLOPAHAR, PO: VIDYUT NAGAR, DIST: JABALPUR, MADHYA PRADESH-482008, PRESENTLY AT 15/296, CARIAPPA VIHAR, DELHI CANT. DELHI-110010 have changed the name JASLEIN PADAM to JASLEIN KAUR PADAM, aged 18 years and I hereafter am known as JASLEIN KAUR PADAM.

**PUBLIC NOTICE**
Information is given to general public at large that our client Mrs. Rekha W/o Late Mr. Navinder Singh is the owner of Property bearing Municipal Corporations No. 11200-B, 11201, 11202, 11203, 11208 and 11209, Plot No. 34, area measuring 194 sq. yds., Situated at Gali Kaptaan Wali Mandir Marg Gaushala Marg Dori Wala, Karol Bagh, New Delhi. by virtue of Relinquishment Deed dated 17.02.2025 Vide Doc No. 2025/24/I/1295, Book No. 1 Vol No. 21850, Pages 107-120, SR-Central Delhi., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mrs. Vidya Devi died on 30.11.1982 & Death Certificate & SMC of Late Mr. Navinder Singh died on 07.07.2024, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Built-up Right Hand Side Portion on Second Floor only without its roof rights area measuring 50 sq. yds. sold too be Mr. Subir Sarkar and same has been financed by AAVAS FINANCIERS LIMITED Branch: Rajinder Place, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

**सार्वजनिक सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, केशव दयाल पुत्र श्री रामेश्वर दयाल और संध्या गोयल धर्मपत्नी श्री केशव दयाल निवासी मकान नंबर 29, गली नो. 6-A, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली -110044 ने अपने पुत्र विनय गोयल उम्र लगभग 28 वर्ष और उसकी पत्नी छवि गोयल उम्र लगभग 23 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, PUNIT S/O MUKESH KUMAR R/O A-753, JWALA PURI, CAMP NO-4, SUNDER VIHAR S.O, DISTT-WEST DELHI, DELHI-110087 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as PUNEET, MUKESH and MANJU DEVI in my 10th and 12th Class Educational Documents. And name of my mother has been wrongly written as MANJU DEVI in my Birth Certificate-MCDOLR06224708. The actual name of mine, my father and my mother are PUNIT, MUKESH KUMAR and MANJU, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Jay Kumar Singh and Mrs. Khushabu Singh** is/are purchasing Eastern Southern Side Unit No. 302, Third Floor without roof right out of property bearing No. H-2/20, area measuring 100 Sq. Yds. Out of total 300 Sq. Yds. Out of Khasra No. 84/1/3 and 84/2, situated in the area of village Palam, Delhi State, Delhi, Colony known as Mahavir Enclave, New Delhi – 110045 from Smt. Moti Kumari Mishra who is the owner of by virtue of Regd. Sale Deed dated 16.04.2024 Registered as doc No. 2025/16/I/5231, Book No. 1, Vol. No. 14861, Page No. 113-128, dated 16.04.2025, SRO South West Kapashera). Now, my client intends to mortgage the said property to J&K Bank. Any person(s), institution(s) having any claim and/or objection in respect of the said property shall communicate the same to the undersigned at our address within 08 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person(s)/institution(s) shall not be binding upon the said property or purchaser.
**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545


## अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **देवेन्द्र कुमार पुत्रः** तेजपाल सिंह **पताः** मकान नंबर 265, गली नंबर 3, सर्वोदय नगर नियर विजय नगर, गाजियाबाद उ.प्र. ने **CC No. 3355/24 U/s 138 NI Act, थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **देवेन्द्र कुमार,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **देवेन्द्र कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 3355/24 U/s 138 NI Act, थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **देवेन्द्र कुमार,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**सुश्री आरुषि परवाल**
**एल.डी. जेएमएफसी-05, कमरा नंबर 02**
**तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

**DP/8188/CD/2025**
**(Court Matter)**


**कौमी पत्रिका**
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर** : 9312262300
**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह के लिए कैबिनेट मंत्री ने दिया आमंत्रण

**हिसार।** हरियाणा सरकार के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा है कि हरियाणा सरकार द्वारा संतों व महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया जा रहा है, जो समाज में उनकी शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछली बार राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह हिसार में भव्यता के साथ मनाया गया था और अब यह कार्यक्रम भिवानी में होने जा रहा है। रणबीर गंगवा रविवार को यहां के प्रेम नगर स्थित कुम्हार धर्मशाला में आगामी 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह के लिए समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रण दे रहे थे। उन्होंने समाज के लोगों से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में भाग लेकर गुरु परंपरा को गौरवगाथा को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर धर्मशाला परिसर में उपस्थित गुरुभक्तों के साथ समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समाज के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कैबिनेट मंत्री का धन्यवाद किया और भरोसा दिलाया कि हिसार से लगभग 10 हजार लोग आयोजन में पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेंगे।

## संस्कार व शिक्षा युवाओं को केवल डिग्रीधारी नहीं बल्कि चरित्रवान भी बनाते : पूनम सूरी

**हिसार।** 'संस्कृति की जड़ें जितनी गहरी होती हैं, विकास उतना ही स्थायी होता है।' इसी को सार्थक करते हुए दयानंद कॉलेज में आयोजित बहुप्रतीक्षित हीरक जयंती समारोह का दूसरा दिन रविवार को पारंपरिक गरिमा और वैदिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन दयानंद महाविद्यालय की न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव रहा बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति भी रहा। दयानंद महाविद्यालय के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में मनाई जा रही हीरक जयंती समारोह के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि पद्मश्री आर्य रत्न पूनम सूरी और श्रीमती मणि सूरी का महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने स्वागत से हुई। पद्मश्री आर्य रतन पूनम सूरी ने अपने संबोधन में महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, अनुशासन और शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और 'संस्कार और शिक्षा जब साथ मिलते हैं, तो युवा सिर्फ डिग्रीधारी नहीं, चरित्रवान भी बनते हैं।'

## डीटीपी कार्यालय का ड्राईवर एक लाख रिश्वत सहित गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा डीटीपी सेक्टर-12 में तैनात ड्राईवर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 7 पी.सी. एक्ट, 1988 के तहत मामला दर्ज किया है। एसीबी प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि शिकायतकर्ता ने एसीबी फरीदाबाद को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 2 जून, 2025 को वह डी.टी.पी. कार्यालय सैक्टर-12 फरीदाबाद में जाकर राहुल सिंगला, डी.टी.पी. से मिला। जिसने उसके मकान पर तोड़फोड़ की कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया। डी.टी.पी. को मिलने के बाद व वह ड्यूटी मैजिस्ट्रेट मुसफीक से मिला तो उसने उसके मकान की तोड़फोड़ की कार्रवाई न करने बारे डी.टी.पी. कार्यालय में तैनात ड्राईवर इर्शाद से मिलाया और कहा कि इर्शाद ड्राईवर उसको सब कुछ समझा देगा। इसके बाद इर्शाद ड्राईवर के फोन नम्बर उसके ऑफिस में कार्यरत रजत के फोन आया। इर्शाद ने रजत से मेरे मकान की तोड़फोड़ न करने की एवज में मिठाई लगने बारे तथा इस बारे अपने मालिक को बता देना बारे कहा गया। 21 जून 2025 को उसके द्वारा उसके कार्यालय में लगे रजत के फोन से इर्शाद ड्राईवर उपरोक्त को फोन किया। इस पर उसके द्वारा मकान की तोड़फोड़ न करने की एवज में उससे मिठाई के कोड-वर्ड में रिश्वत की मांग की गई। वह मजबूरी वश एक लाख रु. रिश्वत राशि देने के लिये तैयार है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुये एसीबी फरीदाबाद टीम द्वारा ड्राईवर इर्शाद, कार्यालय डी.टी.पी. को शिकायतकर्ता से एक लाख रु. नकद रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

## नगूरां में शराब ठेके के विरोध में उतरी महिलाएं, किया रोड जाम

**जींद।** गांव नगूरां में स्कूल के पास तथा मंदिर की जमीन पर शराब ठेका खोलने के विरोध स्वरूप महिलाओं तथा पुरुषों ने रविवार को जींद-कैथल मार्ग पर निजी तथा सरकारी स्कूल के मुख्य चौक पर सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही नगूरां पुलिस से एएसआई जयबीर सिंह ने मौके पर पहुंच कर विरोध प्रकट कर रहे लोगों तथा शराब ठेकेदार को सोमवार को नगूरां चौकी में आमने-सामने बैठा कर मामले की समस्या का समाधान करने की बात कहकर महिलाओं तथा पुरूषों को समझा कर करीब आधे घंटे से लगे जाम को खुलवा दिया। हालांकि इस दौरान काफी हंगामा होता रहा है और पुलिस ने विरोध कर रहे महिलाओं तथा पुरूषों को शांत करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। जाम लगा रहे महिलाओं तथा पुरूषों ने बताया कि जब उनको पता चला कि जिला प्रशासन द्वारा नगूरां मंदिर तथा स्कूल के पास शराब का ठेका खोला जा रहा है।

## हरियाणा के पुलिस थानों में जल्द जांच अधिकारियों की कमी पूरी होगी : डीजीपी

### पुलिस विभाग में शुरू हुए प्रमोशनल कोर्स, नियमित भर्ती तक जिलों में तैनात होंगे एसपीओ व होमगार्ड

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा है कि प्रदेश के पुलिस थानों में जांच अधिकारियों की कमी को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। पुलिस विभाग ने प्रमोशनल कोर्स करवाए जाने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सीईटी के आयोजन के बाद नए सिरे से विज्ञापन जारी किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक न पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पुलिस विभाग में कांस्टेबलों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रदेश में पुलिस की सहायता के लिए 11 हजार होमगार्ड कर्मी तथा एसपीओ तैनात हैं। इसके अलावा सरकार से एसपीओ भर्ती की मंजूरी मिल चुकी है। जिन जिलों में पुलिस कर्मचारियों की संख्या कम है, वहां एसपीओ भर्ती किए जा सकते हैं।

प्रदेश के पुलिस थानों में जांच अधिकारियों की कमी पर डीजीपी ने बताया कि कोरोना के कारण विभागीय प्रमोशनल कोर्स बंद कर दिए गए थे, जिन्हें अब शुरू किया जा चुका है। बहुत जल्द प्रदेश के पुलिस थानों में हैंड कांस्टेबल, एएसआई व एसआई जांच के लिए उपलब्ध होंगे। इन अधिकारियों को केसों की जांच सौंपी जाएगी। जिससे पुलिस थानों में लंबित केसों में कमी आएगी। डीजीपी ने बताया कि पुराने अपराधियों का रिकार्ड खंगाला जा रहा है। जो आरोपी जमानत पर बाहर आकर अपराध कर रहे हैं, उनकी जमानतें रद्द करवाई जा रही है। विभिन्न जिलों के एसपी के साथ बैठक करके यह निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे अपराधियों की सूचियां तैयार करके अदालती प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि पुराने केसों में उनकी जमानतों को रद्द करवाया जा सके।

## समाज में युवाओं का अहम योगदान: तेजेंद्र ढुल

**एजेंसी**

**जींद।** जुलाना स्थित परशुराम धर्मशाला में रविवार को युवा सम्मान सम्मेलन का युवा क्रांती दल के संयोजक संग्राम सिंह राणा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नपा के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने शिरकत की। इसके अलावा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पुत्र विरेंद्र बडौली, केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के पुत्र करण प्रताप सिंह, ग्रामीण विकास बैंक हरियाणा के चेयरमैन अमरपाल राणा के पुत्र अजय राणा ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में जुलाना के युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल ने कहा कि युवाओं का समाज में अहम योगदान होता है। युवाओं के सहयोग से ही जुलाना में भाजपा कमल का फूल खिलाने में कामयाब हो पाई है। विरेंद्र बडौली ने कहा कि जुलाना कस्बे में लोकसभा में हुई जीत को वो आजतक नही भूल पाए हैं और कभी भुलेंगे भी नही। हर माह युवाओं की एक बैठक लेकर जुलाना की सुरत को बदलने का काम किया जाएगा। करण प्रताप सिहं ने

कहा कि युवाओं को चाहिए कि वो राजनिति में आकर देश की सेवा करें। युवाओं में विकसित भारत की तस्वीर है। अजय राणा ने कहा कि युवा ही देश और समाज को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। युवाओं को चाहिए कि वो परिवार के साथ देशहित के बारे में भी सोच कर निर्णय लें और देशहित में काम करें। संग्राम सिंह राणा ने कहा कि जुलाना हलके के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। कार्यस्त्र5म में पहुंचे सभी युवाओं को सम्मानित किया। इस मौके पर युवा जिलाध्यक्ष गौरव भारद्वाज, रणसिंह गौतम, रवि आर्य, नवीन दलाल, दीपक अहलावत, पतराम तायल, कृष्ण रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

## शहरी निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन में डेलीगेट्स के आतिथ्य सत्कार में ना रहे कोई कमी: हरविंद्र कल्याण

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा में पहली बार शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। राष्ट्रीय महत्व के इस सम्मेलन में आने वाले डेलिगेट्स गुरुग्राम से अच्छा अनुभव लेकर लौटें, इसके लिए पूरा आयोजन अतिथि देवो भव- की परम्परा के भाव के साथ आयोजित होना चाहिए। उन्होंने यह बात रविवार की शाम राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कही। वे इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आई-कैट) मानेसर में लोकसभा, हरियाणा विधानसभा एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। शहरी विकास की रूप रेखा तय करने का यह महत्वपूर्ण सम्मेलन जुलाई माह के पहले सप्ताह में तीन व चार तारीख को आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 500 से अधिक प्रतिनिधि

(डेलिगेट्स) भाग लेंगे। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने बताया कि इस सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा को सौंपे जाने से प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कार्यप्रणाली और आतिथ्य परंपरा को प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि देश मे यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। हरियाणा का खानपान और सेवाभाव देशभर में प्रसिद्ध है। इस सम्मेलन में जब देश के कोने-कोने से प्रतिनिधि हरियाणा आएंगे, तो हम उन्हें केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि एक सजीव, सशक्त और सुसंस्कृत हरियाणा का अनुभव कराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस आयोजन से न केवल गुरुग्राम की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बल्कि राज्य की नगरीय प्रशासन व्यवस्था और आधुनिक नागरिक सेवाओं को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन के दौरान किसी भी अतिथि को असुविधा न हो, हमारा प्रयास रहे कि सभी डेलिगेट्स हरियाणा के आतिथ्य सत्कार का एक अच्छा अनुभव साथ लेकर जाए। यह सम्मेलन केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हरियाणा की संस्कृति, मेहमाननवाजी और विकासशील सोच को देशभर के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेलिगेट्स के स्वागत, ठहरने, स्वास्थ्य सुविधाओं, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं आयोजन स्थल तक सुगम आवागमन की समुचित व्यवस्था की जाए।

## हमें मर्यादा व अनुशासन में रहकर जीवन व्यतीत करना चाहिए : मीनू

**एजेंसी**

**हिसार।** सुभाष नगर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को निरंकारी बाल समागम आयोजन किया गया। इस समागम में जिले भर से लगभग 300 बच्चों ने भजन, गीत, कविता, नाटक व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मिशन का संदेश दिया। बाल समागम की अध्यक्षता करते हुए मीनू ने कहा कि आज के बच्चे हमारे समाज के कल का उज्जवल भविष्य हैं। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं उन्हें जिस माहौल में ढाला जाता है वैसे ही बन जाते हैं। बच्चों को बचपन में जो सिखाया जाता है वह उन्हें हमेशा याद रहता है। उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन के ये बच्चे जो कुछ भी सत्संग में सीख रहे हैं यह उनके व्यवहार में बस जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें मर्यादा व अनुशासन में रहकर जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं का जिक्र करते हुए बताया कि मनुष्य जन्म बहुत ही अनमोल है हमें व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए बल्कि सत्संग-सेवा-सिमरन में लगाना चाहिए।मीनू ने कहा कि बच्चों के मन निर्मल होते हैं यदि बचपन से ही इनमें जात-पात, भाषा, रहन-सहन आदि के आधार पर किसी से ईर्ष्या या द्वेष का भाव पैदा न होने दिया जाए तो बड़े होकर ये बच्चे समाज व देश के लिए वरदान साबित हो सकते हैं और फिर देश में अनेकता होते हुए भी एकता स्थापित करना संभव हो सकेगा। इन नन्हे मुन्ने बच्चों से यह आशा की जाती है कि वे सोशल मीडिया की और कम ध्यान दें तथा अपनी पढ़ाई के विषयों एवं खेल कूद पर विशेष ध्यान देंगे। अपने माता पिता एवं अध्यापकों का सत्कार करें तथा उनकी आज्ञा का पालन करें।

## युवाओं की मदद को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने शुरू किया यू-ट्यूब चैनल

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** प्रदेश के युवाओं को अब सरकारी विभागों में निकलने वाली नौकरियों, विभागीय परीक्षाओं के बारे में सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिल सकेगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग न अपना यू-ट्यूब चैनल शुरू कर दिया है। सीईटी की परीक्षाओं के आयोजन के दौरान कुछ शरारती तत्वों ने न केवल सीईटी पंजीकरण की साइट बना दी, बल्कि भारी संख्या में फेसबुक पेज तक बना दिए गए, जिससे युवा भ्रमित हुए। हालांकि, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने अपने निजी फेसबुक पेज के माध्यम से अपडेट देकर मदद की। अब रविवार से उन्होंने आयोग का यू-टयूब चैनल शुरू कर दिया है, ताकि नौजवानों को जरूरी सूचनाएं आसानी से मिल सकें। हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बताया कि अभ्यर्थियों की मांग को पूरा करते हुए उन्होंने यू-ट्यूब चैनल शुरू किया है। उन्होंने कहा कि समय मिलने पर वे वहां ज्यादा से ज्यादा जानकारी साझा करने की कोशिश करेंगे।

इस चैनल पर उन्होंने करीब 10 बजे पहली वीडियो अपलोड की। यह वीडियो उनके शपथ ग्रहण समारोह की थी। कुछ ही घंटों में उनके यू-ट्यूब चैनल पर 6 हजार से

अधिक सब्सक्राइब हो चुके हैं। हिम्मत सिंह ने युवाओं को आगाह किया है कि एचएसएससी के नाम से किसी तरह का कोई सोशल मीडिया अकांउट नहीं है। युवा सावधान रहें। अब वह स्वयं फेसबुक व यू-टयूब के माध्यम से युवाओं को नौकरियों से संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी देंगे।

## जींद में खापों की महापंचायत में मांग,हिंदू मेरिज एक्ट में हो संशोधन

**एजेंसी**

**जींद।** हिंदू मैरिज एक्ट में संशोधन, समगोत्र विवाह पर रोक समेत कई सामाजिक मुद्दों को लेकर जींद में रविवार को सर्वखाप महापंचायत का आयोजन हुआ। प्रदेश भर से सरपंच, सामाजिक संगठन, खापों के प्रतिनिधिए अधिवक्ता एवं बुद्धिजीवी लोग पहुंचे। महापंचायत का मुख्य उद्देश्य हिंदू मैरिज एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर है। महापंचायत के माध्यम से हिंदू मेरिज एक्ट में संशोधन, समगोत्र विवाह पर रोक, सैमलैगिंक विवाह रोक, एक गांव गुहांड में विवाह में रोक, लिव इन रिलेशनशिप पर रोक की मांग की। 27 सितंबर तक सरकार को इन मांगों पर विचा करने का समय महापंचायत ने दिया। 28 सितंबर को सोनीपत में समीक्षा बैठक बुलाई गई। वक्ताओं ने कहा कि एक ही गांव में शादी होने से बड़ी समस्या पैदा हो रही है। आपसी सहमति संबंध कानून के चलते बहुत हत्याकांड हो रहे हैं। ऐसे में कानून में बदलाव किया जाना बहुत जरूरी है। समाज में सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है और जब भी मौका मिले इसमें सुधार करना चाहिए ताकि समाज निरंतर आगे बढ़ सके। महापंचायत में एक गांव और एक गोत्र में शादी तथा लिव इन रिलेशनशिप पर रोक लगाने की मांग की। खाप पंचायतें लंबे समय से इन मुद्दों पर चिंता जता रही हैं। 36 बिरादरी में किसी की भी लड़की पूरे गांव की बहन या बेटी के समान मानी जाती है। पहले लव मैरिज की प्रथा शुरू हुई और फिर समगोत्र विवाह होने लगे। एक ही गांव में विवाह से परिवारों के बीच दुश्मनी बढ़ रही है। इससे लड़का और लड़की दोनों के परिवारों को नुकसान होता है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता सर्वजातीय सर्व खाप सूबे सिंह समैण ने कहा कि हमारी बातों पर सरकार विचार करें। 27 सितंबर तक सरकार इस पर विचार कर कोई घोषण करें। 28 सितंबर को सोनीपत में समीक्षा मीटिंग होगी। प्रमुख लोग मीटिंग में पहुंचेंगे। जिस तरह से पहले 2015 में 23 सितंबर को जींद में बड़ी जनसभा की थी। उससे भी बढ़ी जनसभा करेंगे। समाज एवं सरकार को सुझाएंगे सरकार में भी वो लोग बैठे हैं जो समाज से गए हैं। जो हिंदू मैरिज एक्ट अब है ये कभी न कभी समाज को आपस में भिड़ा देगा। इस एक्ट में संशोधन जरूरी है।

## हरियाणा की नई औद्योगिक नीति शीघ्र ही घोषित की जाएगी : राव नरबीर सिंह

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरित क्रांति से श्वेत क्रांति के बाद नील क्रांति का अग्रदूत बना कृषि प्रधान हरियाणा प्रदेश अब औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर है। स्टार्टअप से लेकर 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित करने का सरकार का प्रस्ताव है, जो प्रदेश की औद्योगिक क्रांति की नई गाथा लिखेंगे और शीघ्र ही कई नीतियों के लिए नए मसौदे ड्राफ्ट तैयार करके नई औद्योगिक नीति लाने की योजना है।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को बताया कि किसी भी देश व प्रदेश का विकास उद्योगों के बिना संभव नहीं है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को और अधिक बढ़ावा देने के लिए हमने अपने किए गए वायदे के अनुरूप के प्रस्ताव को तेजी से कार्य आरंभ किया है। इसके लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में उद्योग क्षेत्र को अपने बजट में प्राथमिकता दी है और चालू वित्त वर्ष में उद्योग विभाग के बजट में 126 प्रतिशत की वृद्धि

करते हुए 1848 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5-6 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में नया बदलाव देखने को मिलेंगे। जब गुरुग्राम में मारुति ने अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, उसमें यह शहर औद्योगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। आज विश्व की बहुउद्देशीय कम्पनी ने अपनी इकाइयां स्थापित की है और गुरुग्राम ने आज देश के साइबर सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के साथ लगते मेवात में नई आईएमटी विकसित की जाएगी। मानेसर के बाद मेवात में मेसर्स एम्परेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई है। कम्पनी द्वारा प्रस्तवित अपने 7,083 करोड़ रुपये में से 2460 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मेवात देश के 100 आकांक्षित पिछड़े जिलों में से एक है। प्रदेश सरकार का प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में मेवात में प्रदेश के अन्य जिलों की तरह एक विकसित जिला बने। उन्होंने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा आत्मनिर्भर वस्त्र नीति 2025 लागू की है। पानीपत, गुरुग्राम और फरीदाबाद में टैक्सटाइल उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के तहत उद्योगों को 1200 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि 10 एकड़ क्षेत्र में जहां 50 औद्योगिक यूनिट स्थापित हों सके इसके कन्फर्मेशन जॉन घोषित किया गया है।

## आपस में शादी के लिए घर से भागी दो नाबालिग लड़कियां,पुलिस ने पकड़ा

**एजेंसी**

**पानीपत।** पानीपत की रहने वाली दो नाबालिग लड़कियां आपस में शादी करने की मंशा से घर से भाग गई। दोनों लड़कियां जिस युवती के साथ घर से भागी उसका पंचकूला में किसी ने गला रेत दिया। पुलिस ने दोनो नाबालिग लड़कियों को पंचकूला से पानीपत पहुंचाया। जहां रविवार को जिला प्रशासन की तरफ से दोनों लड़कियों की कांउसलिंग करवाई गई, लेकिन वह अभी भी शादी के लिए अड़ी हुई हैं। पानीपत में इससे पहले भी दो लड़कियों द्वारा शादी किए जाने का मामला सामने आया था। नारी तू नारायणी उत्थान समिति की अध्यक्ष सविता आर्या ने युवती से मिलकर उसकी काउंसिलिंग की। युवती ने सविता को बताया कि उसने नाबालिग रहते हुए लव मैरिज की थी। हालांकि, शादी के बाद घर में झगड़े होने लगे थे, इसलिए वह पति से अलग रहने लगी और काम करने लगी। उसके साथ ही पड़ोस की एक 15 वर्षीय लड़की भी काम करती थी। उस लड़की ने युवती को बताया था कि वह एक लड़की से प्यार करती है और उससे शादी करना चाहती है। नहीं तो उसके घर वाले उसकी शादी करा देंगे। युवती ने बताया कि लड़की जिस लड़की से शादी करना चाहती थी, वह 16 साल की है और उसी मोहल्ले की रहने वाली है। दोनों ने शादी कर देहरादून में बस जाने की योजना बनाई थी। युवती को इनकी योजना पसंद आ गया, क्योंकि वह भी पति से अलग थी। इसलिए, वह भी पानीपत से दूर जाना चाहती थी। युवती भी लड़कियों की योजना के हिसाब से घर छोड़ने के लिए राजी हो गई। युवती का कहना है कि इस योजना में लड़कियों के साथ विशाल भी शामिल हो गया जो उसके साथ ही स्टोर में काम करता था । इसके बाद ये सभी 12 जून को अपने घरों से चले गए, लेकिन देहरादून न जाकर पंचकूला पहुंचे। यहीं पर 16 जून को विशाल नामक युवक ने युवती पर चाकू हमला किया था दिया। सविता आर्य ने बताया कि सोमवार को तीनों युवतियों को डीएसपी सतीश वत्स के समक्ष पेश किया जाएगा और यह लड़कियों द्वारा आपस में शादी करने का पहला मामला नहीं है।

## शराब ठेकेदार पर दर्ज हैं कई अपराधिक मामले,रंजिश का परिणाम है हत्या: एसपी कुलदीप सिंह

**एजेंसी**

**जींद।** जींद के एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि शराब ठेकेदार मृतक वीरेंद्र उर्फ बिंद्र पर अलग-अलग धाराओं के साथ अपराधिक मुकद्में दर्ज हैं। काफी मामलों में मृतक बिंद्र पेरोल पर आया हुआ था और कई अपराधिक मामलों में सबूतों के अभाव में बरी हुआ है। राठी ग्रुप के पिता के ऊपर मृतक वीरेंद्र के लोगों ने ही हमला किया था और उसी रंजिश के चलते यह हमला हुआ है। जोकि दूसरी बार हुआ।

एसपी कुलदीप सिंह रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि जो खरकराम जी गांव मे शराब ठेकेदार पर बदमाशों के द्वारा हमला किया गया, वो हमला शराब कारोबारी पर नहीं किया गया। ये हमला बदमाश पर किया गया। जिस व्यक्ति पर हमला हुआ उस पर पहले भी कई अपराधिक मामले दर्ज हैं और मृतक के भाई पर भी कई मामले दर्ज हैं। जिसमे अभी फिलहाल वो जेल में भी बंद है। आपसी रंजिश के कारण ही यह वारदात हुई है। घटना को अंजाम देने वालों के संबंध जेल के अंदर बैठे बदमाशों से

हैं। राठी ग्रुप के साथ मृतक बिंद्र की आपसी रंजिश चली हुई थी। बिंद्र हत्याकांड में रोहित राणा भी शामिल है लेकिन रोहित गोदारा का इस मामले से कोई संबध नही है। रोहित राणा भी अपराधी है उसके ऊपर भी कई क्रिमिनल मामले दर्ज है। घटना के बाद देर रात गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने जो पोस्ट वायरल करके मामले की जिम्मेदारी ली है वो सही नही है। यह ऐसी पोस्ट वायरल करते हैं जिससे उनकी टीआरपी बढ़ सके।

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, DIVEK S/o NAND KISHOR, R/o 940, Near Shiv Mandir, Sector-18 H B C, Kheri Kalan(113), Faridabad, Haryana-121002, declare that name of mine has been wrongly written as DIVEK JANGIR in my Service Record. The actual name of mine is DIVEK, which may be amended accordingly.

## राष्ट्रीय ध्वज दिवस महोत्सव अभियान में बताएंगे तिरंगे का महत्व: शील मधुर

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** 22 जुलाई को राष्ट्रीय तिरंगा दिवस घोषित कराने की मांग को लेकर पिछले पांच साल से देशभर में मीडिया, सोशल मीडिया, जनजागरुकता के साथ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वाले पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर अगले एक महीने तक राष्ट्रीय ध्वज दिवस महोत्सव मनाने जा रहे हैं। इसकी घोषणा उन्होंन यहां पत्रकार वार्ता में कही। कल 23 जून सोमवार से यह अभियान शुरू कर दिया जाएगा, जो कि 22 जुलाई तक चलेगा। पत्रकार वार्ता में पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने कहा कि हमारे देश में फिलहाल दो ही राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाए जाते हैं। 22 जुलाई को राष्ट्रीय तिरंगा दिवस भी सरकार घोषित करे, ताकि देश के तिरंगे को सम्मान देने का दिन तय हो और हर देशवासी इस दिवस को भी गौरवपूर्ण तरीके मनाए। क्योंकि 22 जुलाई 1947 इस दिन हमारे तिरंगे को अंतिम रूप दिया गया था। पूर्व डीजीपी शील मधुर ने कहा कि तिरंगे में 24 तिलियां हमें 24 घंटे सही राह चुनकर देश, समाज हित में काम करने की प्रेरणा देती हैं। हर देश का अपना राष्ट्रीय ध्वज है और सभी का राष्ट्रीय ध्वज दिवस भी है। हमारे देश में राष्ट्रीय ध्वज दिवस नहीं है। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित करे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 से उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित करने की मांग को लेकर अभियान चला रखा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तक वे मांग पत्र सौंप चुके हैं। इस बार फिर से वे प्रधानमंत्री को अपने हाथ से लिखा हुआ पत्र सौंपने जा रहे हैं, ताकि सरकार राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित करे। उन्होंने कहा कि अगस्त 2022 में उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की थी। उन्हें खुशी है कि सरकार ने इस अभियान को बड़े स्तर पर शुरू करके देश में तिरंगे प्रति लोगों में भावना बढ़ाई। अब वे चाहते हैं कि सरकार 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित करे। आजादी से लेकर अब तक हम अपना तिरंगा दिवस घोषित नहीं कर पाए हैं। वे चाहते हैं कि पूरा देश उनके इस अभियान का किसी न किसी रूप में समर्थन करे। अपने स्तर पर तिरंगा दिवस मनाएं।

# अमेरिका के ईरान पर हमले से कच्चा तेल और हो सकता है महंगा

**- तेल की कीमतों में उछाल से देश के तेल आयात बिल में हो सकती है वृद्धि**

**नई दिल्ली।**

अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ गया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती है, जो कि इस महीने पहले ही 20 प्रतिशत के करीब बढ़ चुकी हैं।

आखिरी कारोबारी सत्र में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का फ्यूचर्स लगभग 77 डॉलर प्रति बैरल पर था और अब अमेरिका के मध्य पूर्व संघर्ष में हस्तक्षेप करने के कारण कच्चा तेल एक और उछाल के लिए तैयार है। माना जा रहा है कि मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष का सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई से तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, जिससे कीमतों में भारी उछाल आएगा।

शिपिंग पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि हूती विद्रोहियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो वे जहाजों पर अपने हमले फिर से शुरू कर देंगे। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, और तेल की कीमतों में उछाल से देश के तेल आयात बिल में वृद्धि हो सकती है और मुद्रास्फीति की दर बढ़ सकती है, जिससे आर्थिक विकास को नुकसान पहुंच सकता है। विदेशी मुद्रा के बड़े पैमाने पर आउटफ्लो से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में भी कमजोरी आ सकती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है और लगभग 1.5 एमबीपीडी का निर्यात करता है, जिसमें चीन 80 प्रतिशत भागीदारी के साथ मुख्य आयातक है।

ईरान होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी किनारे पर भी है, जिसके माध्यम से दुनिया में 20 एमबीपीडी से अधिक कच्चे तेल का व्यापार होता है। होर्मुज स्ट्रेट मध्य-पूर्व में एक चोक प्वाइंट है। इस मार्ग से सऊदी अरब और यूएई आदि भी शिपिंग करते हैं और पहले भी ईरान ने इसे बंद करने की चेतावनी दी है।

# भारत ने पाकिस्तान से सेंधा नमक के आयात पर लगाया प्रतिबंध

**- चीन और अन्य देशों में करना पड़ रहा है निर्यात**

**नई दिल्ली ।** भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान से सेंधा नमक के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम ने पाकिस्तान के नमक व्यापार को गहरा झटका दिया है, क्योंकि भारत उनके लिए सबसे बड़ा और स्थायी बाजार था। अब पाकिस्तान को अपने नमक को चीन और अन्य देशों में निर्यात करना पड़ रहा है, लेकिन भारत जैसा लाभ मिलना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान के पंजाब में खेवड़ा की सेंधा नमक खदान दुनिया की सबसे बड़ी नमक खदानों में से एक है। यहां कई प्रोसेसिंग यूनिट्स हर साल लाखों टन नमक का उत्पादन करती हैं, जिसमें भारत सबसे बड़ा ग्राहक था। 2024 में लगभग 3.5 लाख टन नमक भारत को निर्यात हुआ था, जिसकी कीमत 12 करोड़ डॉलर के करीब थी। भारत के बैन के बाद यह बाजार पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान ने चीन को अपने नमक निर्यात में तेजी लाने की कोशिश की है। 2025 की पहली तिमाही में चीन को नमक निर्यात 40 फीसदी बढ़कर 136.4 करोड़ किलो हो गया, जिसकी कीमत लगभग 18.3 लाख डॉलर थी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का बाजार स्थायी नहीं है क्योंकि चीन खुद भी नमक उत्पादन में सक्षम है और भारत जैसा बड़ा मुनाफा देना मुश्किल है। पाकिस्तान अब अमेरिका, वियतनाम, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, तुर्की, इटली, ब्रिटेन, जापान और रूस जैसे देशों में नमक निर्यात करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन विभिन्न व्यापार नियम, टैक्स, और गुणवत्ता मानकों के कारण यह प्रक्रिया कठिनाइयों से भरी है।

# भारत में पिछले 14 वर्षों में वैश्विक आयात पर निर्भरता 11 फीसदी से घटकर 4 हुई

नई दिल्ली ।

भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मे निर्भर बनता जा रहा है। पारंपरिक रूप से रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी खरीद पर निर्भर रहने वाले भारत ने पिछले 14 वर्षों में रक्षा आयात पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। यह देश की रक्षा रणनीति और नीति में एक बड़ा बदलाव है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत 2010 में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक था लेकिन इस मामले में 2024 में यह चौथे स्थान पर खिसक गया। 2010 में भारत दुनिया के कुल रक्षा आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष आयातक बन गया था। 9 प्रतिशत के साथ पाकिस्तान, 6 प्रतिशत पर ऑस्ट्रेलिया और 5 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया भी इस सूची में शामिल रहे। सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर और चीन जैसे देशों में प्रत्येक की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत थी, जबकि अल्जीरिया और पुर्तगाल प्रत्येक की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। 2024 के आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन रक्षा उपकरणों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन गया है। इसकी वैश्विक आयात में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तीव्र वृद्धि का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, यूक्रेन की सैन्य उपकरणों की मांग को बड़े पैमाने पर बढ़ा दिया है। पोलैंड वैश्विक रक्षा आयात में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ चौथे स्थान पर है, जिनमें से प्रत्येक की वैश्विक आयात में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जापान और पाकिस्तान जैसे अन्य देश वैश्विक आयात में 3 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। अन्यश्रेणी,जिसमें सभी शेष राष्ट्र शामिल हैं, 2010 और 2024 दोनों में उनकी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनका स्थान अपरिवर्तित रहा।

# सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी में उछाल जारी

**- सोने का भाव 99,040 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,06,567 रुपए प्रति किग्रा**

**नई दिल्ली ।**

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जबकि चांदी में तेजी का दौर जारी है। पिछले सप्ताह दोनों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई थी। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 99,040 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत में 0.32 फीसदी की बढ़त है, ये 1,06,567 रुपए प्रति किग्रा पर है। वै श्विक बाजार में भी सोने की कीमतों मं गिरावट आई है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपए टूटकर 99,960 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,560 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपए टूटकर 99,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। शुक्रवार को चांदी की कीमत भी 2,000 रुपए लुढ़क कर 1,05,200 रुपए प्रति किलोग्राम रही।

# मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद

**नई दिल्ली ।**

स्वीडिश ऑटो कंपनी वोल्वो ने अपनी मिड-साइज़ लग्जरी कार एस 90 की बिक्री बंद कर दी है। अक्टूबर 2021 में फेसलिफ्ट वर्जन के रूप में लॉन्च की गई वाल्वो एस 90 केवल बी5 माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल वेरिएंट में आती थी, जिसमें 2.0 लीटर चार-सिलेंडर इंजन 250 हॉर्सपावर की ताकत देता था।

इस कार में बोवर्स एंड विल्किंस साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, मसाजिंग सीट्स और अडास जैसी कई हाईटेक सुविधाएं थीं, लेकिन बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज बेंझ जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले यह फीचर्स और इंजन विकल्पों में पिछड़ गई।

समय के साथ इस मॉडल की बिक्री में गिरावट आई, और तकनीकी अपडेट की कमी ने इसे और कमजोर किया। वोल्वो ने अब भारतीय बाजार में अपनी रणनीति बदलते हुए एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस किया है। कंपनी 2025 तक ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 30 लॉन्च करने की योजना बना रही है और 2026 में फ्लैगशिप मॉडल ईएक्स 90 भी पेश किया जाएगा। मार्च 2025 में वोल्वो ने ग्लोबल स्तर पर इलेक्ट्रिक सेडान ईएस90 का अनावरण किया, जिसमें 106केडब्ल्यूएच की बैटरी और करीब 700 किमी की रेंज होगी, हालांकि इसे भारत में लाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

वोल्वो एस 90 के अलावा इस साल ऑडी ए8 एल, मर्सडीज बेंझ जीएलबी, टाटा नेक्सान ईवी 40.5केडब्ल्यूएच और मारुति सियाज जैसे मॉडल भी भारतीय बाजार से विदा हो चुके हैं। यह दर्शाता है कि उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं अब तेजी से एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रही हैं। बता दें कि कंपनी ने इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइट से भी हटा दिया है, जिससे स्पष्ट है कि अब यह मॉडल भारतीय बाजार में उपलब्ध नहीं रहेगा।

# रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 16 पैसे गिरकर 86.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि शुक्रवार को ये 86.59 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुब अमेरिका के ईरान में परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के दौरान रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 86.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती ने स्थानीय इकाई पर और दबाव डाला। हालांकि, विदेशी पूंजी प्रवाह और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.75 पर खुला और फिर 86.72 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 99.01 पर रहा।

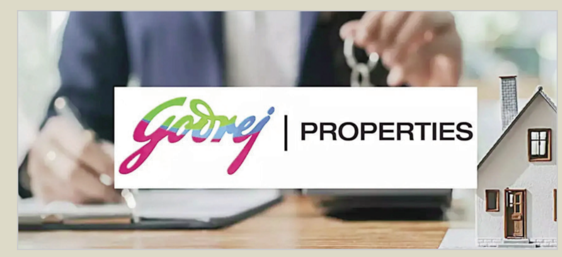


# गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में 1,450 से अधिक मकान बेचे

**मुंबई ।** गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में अपनी नई परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने परियोजना के पहले चरण के पेश होने के बाद 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में फ्लैट बेचे। यह परियोजना 'बार्का' बेंगलुरु के देवनाहल्ली में गोदरेज एमएसआर सिटी में स्थित है। इस परियोजना को अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। कंपनी ने परियोजना के पहले चरण में 22 लाख से अधिक वर्ग फुट में बने 1,450 से अधिक फ्लैट की बिक्री की। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक अे धिवकारी ने कहा कि इस टाउनशिप परियोजना गोदरेज एमएसआर सिटी में करीब 56 लाख वर्ग फुट की एक विकास योग्य क्षमता है जिसे कंपनी आने वाले वर्षों में बेचने की योजना बना रही है। गोदरेज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

# एम्बेसी ने करोड़ों की परियोजना के लिए भूस्वामी से की साझेदारी

**- कंपनी बेंगलुरु में 18 एकड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी**

**मुंबई।** रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड ने बेंगलुरु में 18 एकड़ की आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए एक भूस्वामी के साथ साझेदारी की है। बताया गया है कि यह परियोजना करीब 1,600 करोड़ रुपये की है। एम्बेसी डेवलपमेंट्स ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में 17.9 एकड़ भूमि के लिए संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना में करीब 16 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा और इसमें लगभग 1,000 अपार्टमेंट होंगे। कंपनी अगले वित्त वर्ष 2026-27 में इस परियोजना को पेश करेगी। एम्बेसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि व्हाइटफील्ड पर हम रणनीतिक रूप से ध्यान दे रहे हैं। मुख्य रूप से अंतिम उपयोगकर्ता द्वारा संचालित छोटे बाजार के रूप में इसने बेंगलुरु के पेशेवर कर्मचारियों की निरंतर मांग व मौजूदा बुनियादी ढांचे के विकास द्वारा समर्थित अधिक लचीलापन दिखाया है। कंपनी ने चेन्नई, जोधपुर, वडोदरा, विजाग और इंदौर में भी उपस्थिति बढ़ाई है। बेंगलुरु स्थित एम्बेसी ग्रुप की एम्बेसी डेवलपमेंट्स में करीब 43 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

# एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हो सकती है बढ़ोतरी

**नई दिल्ली ।** पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष का असर अब आम भारतीयों की रसोई तक पहुंच सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में एलपीजी सिलेंडर के भाव में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका कारण भारत की एलपीजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। भारत की आयात निर्भरता भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 66 फीसदी आयात करता है, जिसमें से 95 फीसदी सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे मिडिल ईस्ट देशों से आता है। ऐसे में क्षेत्रीय तनाव से सप्लाई चेन में रुकावट की आशंका गहरा गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर किए गए हमलों से आपूर्ति बाधित होने का खतरा बढ़ गया है। पिछले एक दशक में भारत में एलपीजी का उपयोग दोगुना हो गया है और अब यह 33 करोड़ परिवारों तक पहुंच चुका है। भारत के पास सिर्फ 16 दिन की एलपीजी स्टोरेज क्षमता है, जो इंपोर्ट टर्मिनलों, रिफाइनरियों और बॉटलिंग प्लांट्स में रखी गई है। इसलिए लंबी अवधि की आपूर्ति बाधा स्थिति को जटिल बना सकती है।

# मराठवाड़ा में वाष्पीकरण, कम बारिश से मक्का की खेती हो सकती है प्रभावित अधिकारी

छत्रपति संभाजीनगर ।

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में अनियमित बारिश और नमी के वाष्पीकरण से मक्का की फसल पर असर पड़ सकता है। एक कृषि अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मराठवाड़ा जिले छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, हिंगोली, धाराशिव, लातूर, परभणी और नांदेड़ में इस वर्ष करीब 2,56,650.38 हेक्टेयर भूमि पर मक्का (मकई) की खेती किए जाने का अनुमान है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 19 जून तक 98,891.20 हेक्टेयर में बुवाई पूरी हो चुकी थी। जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी ने कहा कि मक्का जैसी फसल पर नमी और पानी का असर पड़ सकता है। छत्रपति संभाजीनगर और मराठवाड़ा के अन्य भागों में मक्का की खेती का रकबा बढ़ गया है, जिससे करीब 50,000 हेक्टेयर में कपास की फसल की जगह इसकी खेती की गई है। क्षेत्र के कुछ इलाकों में नमी कम हो रही है, इसलिए मक्के की फसल पर पानी का संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति चिंताजनक है लेकिन नियंत्रण से बाहर नहीं है। थोड़ी सी बारिश से नमी वापस आ सकती है और फसल को फायदा हो सकता है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आठ जिलों वाले मराठवाड़ा क्षेत्र में इस महीने अब तक 31 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इस क्षेत्र में जून में औसत सामान्य वर्षा 102.7 मिलीमीटर होती है। इस महीने अब तक इस क्षेत्र में 70.5 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 158.1 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 511, निफ्टी 140 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 511.38 अंक टूटकर 81896.79 के स्तर पर बंद हुआ।

इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 140.5 अंक फिसलकर 24971.90 के स्तर पर बंद हुआ। गत सप्ताह ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हवाई हमले से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और घरेलू इक्विटी बाजार में मजबूती आई। वहीं शुक्रवार को बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान इंफोसिस, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में गिरावट रही और ये लाल निशान पर बंद हुए।

वहीं निफ्टी पर ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी एंटरप्राइजेज, अदानी पोर्ट्स के शेयरों को लाभ हुआ और ये हरे निशान पर बंद हुए जबकि इंफोसिस, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में गिरावट रही और ये लाल निशान पर बंद हुए। सेक्टोरल परफॉर्मेंस को देखें तो

आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, बैंक के शेयरों में 0.5-1.5 फीसदी की गिरावट रही जबकि मीडिया, मेटल, कैपिटल गुड्स में 0.5-4 फीसदी की बढ़त रहीई। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी की तेजी आई। आज के कारोबार में बीएसई पर कारोबार के दौरान लगभग 100 शेयर 52-सप्ताह के शीर्ष स्तर पर पहुंचे , जिनमें गार्डन रीच शिपबिल्डर्स, पूनावाला फिनकॉर्प, नारायण हृदयालय, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एमसीएक्स इंडिया, आदित्य बिड़ला कैपिटल, ऑथम इन्वेस्ट आदि शामिल रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे कारोबार करता दिखा, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग ऊपर कारोबार कर रहा था। वहीं अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को आखिरी कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 35.16 अंक की बढ़त के साथ 42,206.82 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 13.03 अंक की गिरावट के साथ 5,967.84 पर और नैस्डैक 98.86 अंक की गिरावट के साथ 19,447.41 पर बंद हुआ।

# ईरान-इजरायल युद्धः 3.55 लाख करोड़ का व्यापार खतरे में

**भारत को भी हो सकता है बड़ा नुकसान**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ईरान ने अब हॉर्मुज जलडमरूमध्ये य को बंद करने की चेतावनी तक दे दी है। अगर इजरायल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध लंबा चलता है तो इससे भारत को बड़ा नुकसान हो सकता है।

भारत का ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ सालाना 41.8 अरब डॉलर (लगभग 3.55 लाख करोड़) से अधिक का व्यापार खतरे में पड़ जाएगा। युद्ध से अगर समुद्री मार्गों, बंदरगाहों या वित्ते तीय प्रणाली में कोई रुकावट आती है तो इससे भारत का वे यापार प्रवाह प्रभावित होगा और इससे माला भाड़ा और समुद्री जहाजों की बीमा लागत तो बढेगी ही आपूर्ति श्रृंखला पर जोखिम भी बढ जाएगा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, होर्मुज़ जलडमरूमध्य तथा रेड सी में इस युद्ध के लंबा खिंचने पर उत्पन्न होने वाली बाधाओं से भारत चिंतित है। अभी तक तो भारत और खाड़ी देशों के बीच व्यापार पर असर नहीं पड़ा है, लेकिन आगे भी इससे इंडियन ट्रेड प्रभावित नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। वित्त वर्ष 2025 में भारत का पश्चिम एशिया के अन्य देशों जैसे ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ द्विपक्षीय व्यापार 41.8 अरब डॉलर रहा. इसमें से ईरान और इजराइल के साथ व्यापार केवल 5.4 अरब डॉलर था।

यानी अन्य पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध अच्छे हैं। ईरान कभी भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है और चाबहार बंदरगाह को भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए रणनीतिक मार्ग मानता है। वहीं भारत अमेरिका, इज़राइल और खाड़ी अरब देशों के साथ भी मजबूत संबंध बनाए हुए है, जो अब इस संघर्ष में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। भारत दो-तिहाई कच्चे तेल और आधे एलएनजी का आयात होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होता है। रेड सी के बाब-एल-मंडेब मार्ग से भारत का लगभग 30 फीसदी निर्यात यूरोप, उत्तर अफ्रीका और अमेरिका के पूर्वी तट की ओर होता है। ऐसे में इन दोनों मार्गों पर खतरे से व्यापार पर गहरा असर पड़ सकता है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद होता है तो क्रूड ऑयल की कीमतें बढेंगी, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ेगा, महंगाई तेज़ होगी और देश की राजकोषीय स्थिति पर दबाव बढ़ेगा। शिपिंग बीमा और माल भाड़ा दरें भी बढ़ेंगी। इसका असर भारत का एशिया और यूरोप के साथ समग्र व्यापार पर होगा।

# डीजीसीए ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन के बदले नियम

**नई दिल्ली ।** देश की विमानन सुरक्षा को और मजबूती प्रदान करने के लिए एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने खराब मौसम में फ्लाइट ऑपरेशन को लेकर एयरलाइन कंपनियों के लिए नए गाइडलाइंस जारी की हैं। नए नियमों के मुतो बिक फ्लाइट का टाइम टेबल सुरक्षा से ज्यादा अहम नहीं है। पायलट्स जरूरत पड़ने पर फ्लाइट का रूट बदल सकता है। शेड्यूल्ड और नॉन-शेड्यूल्ड एयरलाइन कंपनियों को अपडेटेड ऑपरेशन सर्कुलर जारी करते हुए` नियामक ने कहा कि पायलटों को इंस्ट्रूमेंट से दृश्यता की जांच करनी चाहिए, ताकि खराब मौसम या बारिश में लैंडिंग से पहले सही फैसला लिया जा सके। गीली रनवे या रात में बारिश के दौरान होने वाले भ्रम से बचने के लिए सटीक लैंडिंग आकलन जरूरी होगा। यह सर्कुलर केदारनाथ रीजन में हाल ही में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं और पिछले महीने श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में आए टर्ब्यूलेंस को देखते हुए जारी किया गया है। ऑपरेशन संबंधी अनिश्चितता पर क्लाइमेंट चेंज के बढ़ते प्रभाव का हवाला देते हुए डीजीसीए ने फ्लाइट क्रू को बहुत ज्यादा सतर्कता बनाए रखने की सलाह दी है। सर्कुलर में कहा गया है कि टाइम टेबल के पालन पर सुरक्षा को प्राथे मिकता दी जानी चाहिए। फ्लाइट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 20 नॉटिकल माइल्स दूर से तूफानी इलाकों को पार करने की सलाह दी गई है।

# भारत में आध्यात्म एवं युवाओं के बल प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के नए संकेत

प्रहलाद सबनानी

**वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।**

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं।

इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89, 110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13, 690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55, 910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2, 880 अमेरिकी डॉलर है।

भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33, 960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54, 950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46, 390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41, 090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53, 560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9, 960 अमेरिकी डॉलर है।

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरूआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी।

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं।

इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है।

अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25, 000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं।

आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है।

भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है परंतु, विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

## संपादकीय

### जवाबदेही है जरूरी

चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं है। इससे मतदाताओं या समूहों की पहचान करना आसान हो जाएगा। मत देने या मत न देने वाला, दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव या धमकी का शिकार हो सकते हैं। यह मतदाताओं की सुरक्षा, गोपनीयता व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950-51 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन होगा। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिए जवाब में आयोग ने यह कहा जिसमें चुनाव धांधली के आरोपों के बाद सीसीटीवी फुटेज की मांग की गई थी। इससे पहले गांधी ने सोशल माडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर लिस्ट? मशीन रीडेबल फार्मेट नहीं देंगे, सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी। आगे उन्होंने लिखा-साफ दिख रहा है-मैच फिक्स है और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल, आयोग के अनुसार, चुनाव के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो व बेवकास्टिंग सिर्फ पैंतालीस दिन तक सुरक्षित रखी जाएंगी। किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजों को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो पैंतालीस दिन बाद यह डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस इसका शुरू से ही दोहरा रही है कि यह डाटा साल भर तक सुरक्षित रखा जाता था। कांग्रेस इसे चुनाव आयोग व मोदी सरकार की मिली-भगत ठहराते हुए लोक तांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की साजिश बता रही है। बेशक, आयोग के तर्क अपनी जगह उचित हैं मगर उसे सरकार के दबाव में आए बगैर अपनी स्वायत्तता का ख्याल रखना चाहिए। विपक्षी दलों की दलीलें सुनना उसका जिम्मा है। आशंकाओं व चिंताओं को मिटाने के प्रति उसे जवाबदेह भी होना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न केवल विपक्षी राजनीतिक दल, बल्कि स्वयं मतदाता भी अपनी जिज्ञासाएं रखने को स्वतंत्र है। मतदाताओं की सुरक्षा व गोपनीयता निश्चित रूप से बेहद जरूरी हैं। मगर अपने उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष या धांधली के आरोपों की पुष्टि कराना भी दलों का जिम्मा है। अव्वल तो गांधी को बगैर सबूतों के इतने गंभीर आरोप लगाने से बचना चाहिए परंतु आयोग को भी उनकी आशंकाएं मिटाने का भरपूर प्रयास करना होगा। पैंतालीस दिन किसी भी आशंका या आरोप के लिए कम नहीं कहे जा सकते। आयोग को वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुला कर अति सुरक्षित व गोपनीय व्यवस्था में विवादित फुटेज दिखाने का प्रावधान भी जोड़ना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अति आवश्यक है।

## चिंतन-मनन

### शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा।

इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है।

# इजरायल- ईरान युद्ध मे अमेरिका कूदा, विश्व युद्ध या शांति?

सनत जैन

जून 22 को जब भारत में रात के लगभग 2:30 बजे थे, तब पश्चिम एशिया में एक नए युद्ध की आहट गूंज रही थी। अमेरिकी विमानों ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों– फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की, अमेरिका ने एक सफल सैन्य कार्रवाई की है। अब शांति कायम करना ईरान के हाथ में है। सवाल यह है, क्या अमेरिका की यह कार्यवाही तीसरे विश्व युद्ध की दस्तक है, या शांति की नई शुरूआत के रूप में इसे देखा जा सकता है। इजराइल ने इस हमले को ऐतिहासिक और अमेरिका का निर्णायक कदम बताया है। ईरान ने इसे बर्बर हमला और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना बताते हुए इस हमले का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है, यह संकट नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका असर पूरी दुनिया की स्थिरता पर पड़ेगा। एक तरह से उन्होंने भी तृतीय विश्व युद्ध की आशंका जाहिर की है। इस हमले ने विश्व मंच पर अमेरिका की भूमिका को फिर से कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी कांग्रेस में विरोध की आवाजें उठ रही हैं। यह कदम संवैधानिक अधिकारों के और अंतरराष्ट्रीय संधि कानून उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के भीतर भी इस कार्रवाई का विरोध हो रहा है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता है, अमेरिका की इस कार्रवाई से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता एवं तनाव का जो तूफान उठा है इसका मुकाबला किस तरीके से किया जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने का रणनीतिक कदम है या एक और अनंत युद्ध के रूप में तीसरे युद्ध का आगाज है? ईरान ने दावा किया है, कि उसकी परमाणु गतिविधियां जारी रहेंगी। अमेरिकी हमले से ठिकानों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचा है। इसका अर्थ यह ईरान का केवल एक ह्यसंदेशह्ण था या उसका शक्ति प्रदर्शन था। जिसमें अमेरिका के इस हमले से उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। इसका दूसरा पहलू है, वैश्विक राजनीति, शक्ति और व्यापार के रूप में, क्या रूस और चीन इस संघर्ष से दूर रहेंगे। वैश्विक समीकरण को ध्यान में रखते हुए ईरान की ओर से कूटनीतिक समर्थन को लेकर चीन और रूस आगे आएंगे? वर्तमान में इजरायल और ईरान के बीच जो युद्ध शुरू हुआ है। अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद यह युद्ध क्या दुनिया को दो ध्रुवों में बांटने की शुरूआत है। क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विशेषकर तेल आपूर्ति, मुद्रा, एवं वैश्विक शक्ति पर संतुलन बनाए रखने की दिशा में इसका घातक प्रभाव क्या हो सकता है। इसको लेकर सभी देश आशंकित हैं। अमेरिका ने अनायास जो कदम उठाया है, उसने अमेरिका की छवि को खराब करने का काम किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 दिन के बाद निर्णय लेने की बात कही थी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्होंने हमला कर दिया। इसके पहले भी 15 दिन बचने के 1 दिन पहले ही इसराइल ने ईरान के ऊपर हमला कर दिया था। अमेरिका का यह हमला एक नए संकट की शुरूआत है? युद्ध की लपटें अगर भड़कीं, तो न केवल मिडिल ईस्ट, बल्कि पूरी दुनिया के देश उसकी चपेट में आ सकते हैं। इस स्थिति में समाधान सैन्य तरीके से नहीं, वरन कूटनीतिक और बातचीत के जरिए ही संभव हो सकता है। यही वक्त है जब दुनिया के सभी देशों को दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए आगे आना होगा। अमेरिका ने जो ईरान के ऊपर कारवाई की है, उसका विरोध भी देखने को मिल रहा है। इसराइल पिछले कई माह से गाजा और आस-पास के देशों में नरसंहार कर रहा था। वैश्विक संस्थाओं के निदेशों का पालन नहीं कर रहा था। मानव अधिकार कानून को भी धता बता रहा था। अहंकार और आतंक के बल पर मिडिल ईस्ट के देशों के साथ तानाशाही कर रहा था। अमेरिका का उसे समर्थन मिल रहा था, जिसके कारण वह निरंकुश हो गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद जिस तरह से अमेरिका ने इस मामले में चालबाजी के साथ ईरान के ऊपर हमला कर उसे नष्ट करने की चेष्टा की है। उससे अमेरिका और इजरायल की साख सारी दुनिया के देशों में घट रही है। ईरान के पक्ष में चीन और रूस के शामिल हो जाने के बाद इसके भयंकर परिणाम की आशंका से सारी दुनिया के देश आशंकित हो गए हैं।

# रेयर अर्थ मैटेरियल : महाशक्ति बनने को निर्भरता जरूरी

हरीश शिवनानी

पूरी दुनिया का ध्यान इस समय जब ईरान-इजरायल और गाजा संघर्ष में उलझा है, इसी दौर में भारत, अमेरिका सहित अनेक देश एक अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर उलझे हैं।

यह मुद्दा है धरती के गर्भ में पाए जाने वाले उन 17 दुर्लभ खनिजों का जिनके बगैर ऑटोमोबाइल और सैन्य-रक्षा सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्माण संभव नहीं है। पिछले कुछ महीनों में हालात ज्यादा विकट होने चले हैं। 'रेअर अर्थ' की श्रेणी में आने वाले दुर्लभ खनिज वाणिज्यिक, औद्योगिक संसाधन भर नहीं हैं, ये तकनीकी संप्रभुता, रक्षा तैयारियों और औद्योगिक, आर्थिक और सैन्य महाशक्ति बनने की संभावनाओं की नींव हैं।

रेअर अर्थ मेटल 17 धातु तत्वों का एक समूह है, जिसमें 15 लैंथेनाइड्स धातुओं के अलावा स्कैंडियम भी और नियोडिमियम शामिल हैं। इनमें चुंबकीय, ल्यूमिनसेंट और इलेक्ट्रोकेमिकल के विशेष गुण होते हैं, जिनका उपयोग आधुनिक उच्च तकनीक उद्योग में किया जाता है। स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के साथ मिसाइल, राडार और अत्याधुनिक हथियार बनाने के लिए ये 'अनिवार्य तत्व' हैं। रेअर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है, और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए जरूरी है।

यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित एक नये ग्लोबल मैप के मुताबिक यों तो कई देशों में इन दुर्लभ तत्वों के भंडार हैं, लेकिन सर्वाधिक चीन में 44 मिलियन मीट्रिक टन भंडार हैं। चीन के बाद अफ्रीका, मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका, चिली, ब्राजील, यूक्रेन और ग्रीनलैंड में दुर्लभ अर्थ मेटल्स के विशाल भंडार हैं। दिक्कत यह है कि इन देशों में इनकी खुदाई और प्रोसेसिंग महंगी है। इससे भारी मात्रा में प्रदूषण भी निकलता है। इन सब में चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। वर्तमान में दुर्लभ पृथ्वी धातुओं का 61 प्रतिशत भंडार चीन में है, और पूरी दुनिया में 90 फीसद का वही निर्यात करता है।

इन तत्वों को एक-दूसरे से अलग करना जटिल है। इसीलिए इन्हें 'रेअर' माना जाता है। रेअर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्त्व यों समझा जा सकता है कि चीन ने जब अप्रैल में रेअर अर्थ मैग्नेट समेत छह तरह की बहुमूल्य धातुओं के निर्यात पर रोक का फैसला किया तो वैश्विक कंपनियों में खलबली मच गई और ऑटोमोबाइल उद्योग को विशेष रूप से झटका लगा क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले शक्तिशाली इंजन मैग्नेट नियोडिमियम से बनते हैं। भारत में भी टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स दबाव में आ गए। सुजूकी कंपनी को अपनी स्विफ्ट कार का निर्माण कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।

ऐसा नहीं है कि भारत में ये दुर्लभ तत्व नहीं मिलते; भारत के पास तो विश्व में पांचवा सबसे बड़ा दुर्लभ खनिज भंडार है-करीब 6.9 मिलियन मीट्रिक टन। दुनिया में भारत की हिस्सेदारी छह फीसद है। इनमें केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्र प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इनके भंडार हैं; लेकिन दुनिया भर की आपूर्ति का भारत में एक प्रतिशत हिस्सा ही उत्पादित होता है। इन खनिजों की तलाश, खदान का काम मोटे तौर पर सरकार के जिम्मे रहा है। ब्यूरो ऑफ माइंस और परमाणु ऊर्जा विभाग ये काम करते हैं। खनन और शोधन का काम 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' के पास रहा है, लेकिन यह विडंबना है कि भारत अभी ऐसी तकनीक, मैकेनिज्म नहीं खड़ा कर पाया है, जो इन खनिजों से मैग्नेट बना कर खुद की जरूरतें पूरी कर सके।

भारत में जितने भी दुर्लभ अर्थ मैग्नेट उपयोग में आते हैं, वे अधिकतर चीन से आयात किए जाते हैं। 2023-24 में भारत ने 2270 टन और पिछले वित्तीय वर्ष में 53,748 मीट्रिक टन मैग्नेट आयात किए थे। इनका करीब अस्सी फीसद चीन से आयात हुआ। इस हालात को देखते हुए भारत ने अपने दुर्लभ खनिजों को रणनीतिक संपत्ति की तरह देखना शुरू कर दिया है।

इसी रणनीति के चलते भारत ने पिछले 13 वर्षों से जापान के साथ चल रहे समझौते को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके तहत 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' द्वारा खनन किए गए खनिज विशेषकर नियोडिमियम जापान भेजे जाते थे, लेकिन भारत ने तय किया है कि अपने घरेलू उद्योगों की जरूरतों को प्राथमिकता देगा और चीन पर निर्भरता कम करेगा। भारत के लिए वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए यह अब अनिवार्य हो गया है कि दुर्लभ तत्वों की तकनीक में अपने धुर प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भरता को घटाते हुए वह आत्मनिर्भरता के प्रयासों में तेजी लाए।

## जब इंदौर से भुवनेश्वर जा रही फ्लाइट को अचानक एप्रन की ओर मोड़ा, रुक गई यात्रियों की सांसें

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर से भुवनेश्वर की उड़ान भरने को तैयार इंडिगो की फ्लाइट ने सोमवार सुबह तब सभी की सांसें थाम दीं, जब टेक ऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। 140 यात्रियों से भरे विमान को रनवे से वापस लौटना पड़ा, जिसके बाद हवाई अड्डे पर हलचल मच गई। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर सुबह 9 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट रनवे की ओर बढ़ रही थी, तभी पायलट को तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ। इसके बाद पायलट की त्वरित सतर्कता के कारण विमान को तुरंत एप्रन की ओर मोड़ दिया गया। एप्रन वह क्षेत्र है जहां विमानों का रख-रखाव, ईंधन भरण और यात्री उतार-चढ़ाव होता है। विमान के एप्रन पर पहुंचते ही इंडिगो के इंजीनियरों ने मोर्चा संभाला। बताया गया हैं कि खराबी मामूली थी, जिसे जल्द ही ठीक किया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान यात्रियों को विमान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, तकनीकी खराबी का सटीक विवरण नहीं दिया गया। तय शेड्यूल के अनुसार फ्लाइट को सुबह 9 बजे भुवनेश्वर के लिए रवाना होना था, लेकिन मरम्मत कार्य के कारण यह सुबह 10ः16 बजे उड़ान भर सकी। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार 140 यात्रियों ने राहत की सांस ली, जब फ्लाइट ने आखिरकार उड़ान भरी।

## मेरठ के मेडिकल कॉलेज के बाथरूम में किशोरी के साथ रेप

**- सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार**

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी विभाग वार्ड में भर्ती 13 साल की किशोरी के साथ दूसरे मरीज के साथ रह रहे तीमारदार ने बाथरूम में बंधक बनाकर कर दुष्कर्म कर डाला। वहीं वारदात के बाद आरोपी मेडिकल से फरार हो गया। बच्ची की मां ने मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, पुलिस ने किशोरी का मेडिकल करवाया जिसमें रेप की पुष्टि हुई है। मेरठ के इंचौली क्षेत्र के रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के पैर में परेशानी के कारण 20 जून को मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था। वही इसी वार्ड में काशीपुर (मुरादाबाद) का मोहित भी भर्ती था। मोहित का सड़क हादसे लेकिन एक पैर कट गया था और ऑपरेशन मेडिकल में हुआ था। मोहित की देखरेख को उसके साथ उसका भाई रोहित कर रहा था। किशोरी रात में बाथरूम गई तो पीछे से रोहित भी पहुंच गया और उसने किशोरी को बाथरूम में बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रात्रि में ही फरार हो गया। किशोरी के गुमसुम रहने पर मां द्वारा काफी पूछे जाने पर किशोरी ने रोते हुए घटना की जानकारी दी। घटना पता चलते ही किशोरी की मां ने पहले डॉक्टरों और इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहले किशोरी के बयान दर्ज किए और बाद में उसका मैडिकल करवाया, जिसमें रेप की पुष्टि की गई। वही मेडिकल में सुरक्षा की लापरवाही पर भी जांच की जा रही है।

## भारी बारिश के कारण माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन हो गया जिसके कारण बैटरी कार सेवा को स्थगित करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा अब पुराने मार्ग से संचालित की जा रही है और बिना किसी व्यवधान के जारी है। अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटी मार्ग पर 'सत्या व्यू प्वाइंट' के पास जिस समय भूस्खलन हुआ तब वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही नहीं थी। उन्होंने बताया कि श्राइन बोर्ड ने तुरंत अपने कर्मियों और मशीनों को 30 फुट से अधिक क्षेत्र में फैले मलबे को साफ करने के काम में लगा दिया।

## नौ बच्चों की मां ने प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के कस्बा भरगैन में नौ बच्चों की मां ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। शव को ट्यूबवेल के हौज में फेंक दिया। वारदात के बाद बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ समेत अन्य अधिकारी व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, मृतक के भाई अरविंद की तहरीर पर भाभी रीना और उसके प्रेमी हनीफ के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी।

## पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में अब तक 97 'राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार : हिमंत

डिसपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार करने के बाद अब तक कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सीएम शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ''हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे। सीएम सरमा ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। बात दें कि सीएम शर्मा ने आतंकी हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की 'टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी। पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित कर उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर 'उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'।

# मौसम विभाग को भी धोखा दे रहे बदरा, कभी येलो तो कभी रेड अलर्ट के अनुमान हो रहे फेल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मौसम पर नजर रखने वाले जानकारों को भी बदरा धोखा दे रहे हैं। हालात ये हैं कि कई बार अलर्ट जारी होता है पर बारिश नहीं होती। ये अनुमान कई बार फेल हुए हैं। मौसम विभाग के लिए मई और जून में मौसम का आकलन करना काफी जटिल हो रहा है। मौसम विभाग की पूर्वानुमान सटीकता भी इन दो महीनों में सबसे कम रहती है। 2025 में भी मई की पूर्वानुमान सटीकता महज 81 प्रतिशत रही। यह छह सालों में सबसे कम है। जून में भी इस साल पूर्वानुमान कई बार अच्छा नहीं रहा। तीन दिन पहले रेड अलर्ट जारी किया था जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। मानसून भी 22 जून तक पहुंचने का पूर्वानुमान किया गया था, लेकिन लोग बीते चार दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

मई में भी कई मौकों पर आंधी का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग विफल रहा। वहीं जून में भी कई बार बारिश का पूर्वानुमान किया गया, लेकिन बारिश चकमा दे गई। या फिर बिना पूर्वानुमान के बारिश आ गई। बारिश शुरू होने के बाद रेड अलर्ट जारी किया गया। आईएमडी के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो मई तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में थोड़ा सा सुधरा है। जनवरी से मई 2025 तक यह 92 प्रतिशत रहा है।

2024 में मई तक की पूर्वानुमान सटीकता 91 प्रतिशत थी। इसमें भी प्री मॉनसून सीजन की सटीकता मई तक महज 88 प्रतिशत रही है। प्री मॉनसून सीजन मार्च से मई तक रहता है। यह छह सालों में सबसे कम है।

आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि दूर दराज में बन रहे सिस्टम के अलावा छोटे स्तर पर होने वाली गतिविधियां भी जरूरी बदलाव करने में सक्षम होती हैं। कोई भी मॉडल और तकनीक 100 प्रतिशत सही पूर्वानुमान नहीं कर सकती। 24 घंटे के पूर्वानुमान में आईएमडी की एक्यूरेसी 80 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके अलावा 5 दिनों के पूर्वानुमान में भी यह 60 प्रतिशत से अधिक की है। आईएमडी अधिकारी के अनुसार, मॉनसून और प्री मानसून सीजन में पूर्वानुमान काफी जटिल होता है। इसके कई फैक्टर होते हैं। मई, जून में तापमान बहुत अधिक होता है और उस समय हवाओं के साथ नमी भी आने लगती हैं। इसकी वजह से पहाड़ और महासागर में बनने वाले सिस्टम दिल्ली में मौसमी बदलाव करते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ लोकल स्तर पर भी कई कारण कई बार बादलों को बनने में मदद करते हैं। अधिकारी के अनुसार, प्री मॉनसून में खासतौर पर पूर्वानुमान आंधी और इन्हीं लोकल वजहों की वजह से काफी ट्रिकी हो जाता है।

## रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान-खंड-2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे। रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी।'' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023- जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

## यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की जाएगी जिसमें किसानों और उपभोक्ता मंचों की सक्रिय भागीदारी होगी। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआइपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में रविवार को हुई बिजली महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि उत्तरप्रदेश में बिजली कर्मचारी दो जुलाई को विरोध प्रदर्शन करेंगे और यूपीपीसीएल द्वारा निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस जारी किए जाने के दिन से काम का बहिष्कार शुरू करेंगे। उसी दिन सभी 27 लाख बिजली कर्मचारी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों के साथ किसान संगठन और उपभोक्ता भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि महापंचायत में पंजाब समेत देश की प्रमुख यूनियनों और राज्य संघों के शीर्ष नेतृत्व और किसान संगठनों की भागीदारी ने दिखा दिया है कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के दुष्प्रभावों को लेकर सभी चिंतित हैं। एआईपीईएफ के मीडिया सलाहकार वी के गुप्ता ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दर्शन पाल और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के कार्यकारी प्रबंध निदेशक रमानाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिजली कर्मचारियों, विभिन्न ट्रेड यूनियनों, किसानों की विशाल सभा को संबोधित किया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने भी मंच पर उपभोक्ताओं की चिंताओं को रखा। प्रमुख वक्ताओं में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा, एआईपीईएफ के एके जैन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज ऑफ इंडिया के महासचिव सुदीप दत्ता, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के डी.के. अरोड़ा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.एस. लोहित और यूपी अभियांत्रिकी संघ के महासचिव जितेन्द्र गुर्जर शामिल थे। दुबे ने कहा कि यह विरोध अब राष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है जहां सभी वक्ताओं ने विद्युत वितरण क्षेत्र के निजीकरण का पुरजोर विरोध किया। महापंचायत में यह भी मांग की गई कि यूपीपीसीएल में विद्युत कर्मचारियों के साथ किए गए सभी उत्पीड़न को वापस लिया जाए और पूर्व में किए गए सभी समझौतों का सख्ती से पालन किया जाए।

# दिल्ली के जख्म पर गुजरात और पंजाब की जीत ने लगाया मरहम

### गदगद केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस और बीजेपी को जनता ने नकारा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर हुए उपचुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया जीत गए हैं। वहीं, पंजाब के लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा, ÷विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज़्यादा वोट दिया है। वहीं गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आप में उम्मीद दिख रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद था आप' को हराना। लेकिन लोगों ने दोनों जगह इन दोनों पार्टियों को नकार दिया।'

वहीं, लुधियाना वेस्ट सीट से आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुशी जाहिर की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने वाले है।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात और पंजाब के कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। गुजरात की जीत पार्टी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। हमारे विधायक जनता के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती के साथ उठाएंगे। अरोड़ा पंजाब की विधानसभा में पहुंचे हैं। भगवंत मान की सरकार तीन साल से अच्छा कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव में जनता ने अपने वोट की मुहर लगाई है। राज्यसभा सीट खाली होने पर सिसोदिया ने कहा कि पार्टी जब तय करेगी तब बताया जाएगा कि कौन

राज्यसभा जाएगा।

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर कहा कि संजीव अरोड़ा काफी प्रसिद्ध थे। उनकी जीत से एक राज्यसभा सीट खाली होगी। भारद्वाज ने कहा कि इसे ऐसा नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्यसभा सीट खाली कराने के लिए उन्हें चुनाव लड़वाया गया।

## उपचुनावों में भाजपा की हार पर अखिलेश बोले- भाजपा अपने अंतिम दौर में

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विभिन्न राज्यों में विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जीत पर बधाई दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि गुजरात, प. बंगाल, पंजाब, केरल के विधानसभा उपचुनावों में 80 फीसदी सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' से संबद्ध दलों की जीत बता रही है कि भाजपा अपने अंतिम दौर में है। उन्होंने लिखा कि सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं सकारात्मक-जनसेवी राजनीति के मार्ग पर वचनबद्ध होकर चलने के लिए शुभकामनाएँ! जनता की जागरूकता ही परिवर्तन लाएगी। 'इण्डिया' ही इंडिया को आगे ले जाएगा!

# मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी कांग्रेस को चुनौती, 5 साल से ज्यादा काम हमारी सरकार ने डेढ़ साल में किया

### कांग्रेस ने गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटा

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस को चुनौती देकर कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे खुले मंच पर आ जाएं। उनके 5 साल के हिसाब से हमारे डेढ़ साल का हिसाब ऊपर न चला जाए, तब आप बता दीजिएगा। सीएम शर्मा सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि मुख्यमंत्री रुकते नहीं हैं। अरे भाई सोने के लिए और होटल में रुकने के लिए आप ही बहुत थे। राजस्थान की जनता का दर्द समझिए। राजस्थान के उस युवा का दर्द समझिए। राजस्थान की उस प्यासी धरती का दर्द समझिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। मैं कहना चाहता हूं उनसे कि राजस्थान में आज भी बहुत बड़ी आवश्यकता है। राजस्थान के युवा, किसान, मजदूर के लिए आज काम करने की आवश्यकता है। घर में बैठने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस पर हमलावार होकर सीएम शर्मा ने कहा कि आपने 5 साल में कितनी बिजली उत्पादन की थी। हमारी सरकार ने डेढ़ साल में कितनी बिजली उत्पादन की है। कितने कनेक्शन दिए हैं। एक बार आंकड़े मंगवा लीजिए। आप ट्वीट करते हैं जनता को क्या बताना चाहते हैं। मैं आपसे स्पष्ट कहना चाहता हूं की जनता को धोखे में रखने का काम नहीं करें।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने बीते 70 सालों में गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटने का काम किया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने बजट में कहा था कि हम 5 हजार गांव को बीपीएल मुक्ति करने वाले है। हमने उसके लिए 300 करोड़ रुपए भी दिए और मैं आपको बताना चाहता हूं। आने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़े में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्ति कर देने वाले है। जो हमारी योजना है उनका लाभ उन्हें मिले।

# वाईएसआरसीपी प्रमुख की गाड़ी से कुचला कार्यकर्ता, रेड्डी व ड्रायवर पर मामला दर्ज

**गुंटूर (एजेंसी)।** आंध्र पुलिस ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी और उनके ड्राइवर के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ता की दुर्घटनावश मौत के लिए एफआईआर दर्ज की है। बता दें पार्टी कार्यकर्ता बुधवार को गुंटूर के बाहरी इलाके में जगन रेड्डी की कार के पहियों के नीचे आ गया था। पुलिस ने रविवार को कार चालक रमना रेड्डी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की कि वह काफिले को रोके बिना आगे क्यों बढ़ गया क्यों? चीली सिंगैया को वाहन के नीचे कुचल दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक सिंगैया नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुंटूर जिले के एसपी ने कहा कि यह घटना 18 जून की बताई जा रही है, जब रेड्डी वाईएसआरसीपी नेता के परिवार से मिलने के लिए रेन्टापल्ल जा रहे थे, जिनकी पिछले साल आत्महत्या कर लेने से मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय उनका काफिला

एतुकुरु बाईपास से गुजर रहा था। एसपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य सामग्री समेत कई सबूतों का विश्लेषण करने के बाद यह पाया गया कि मृतक को पूर्व सीएम के वाहन ने कुचला था।

शुरुआत में मृतक की पत्नी चीली लुरधु मैरी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर लापरवाही से मौत से संबंधित मामला दर्ज किया था। एसपी ने कहा कि बुजुर्ग सिंगैया के बारे में सूचना मिलने पर उन्हें गंभीर रक्तस्राव की चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनकी पत्नी चीली लुरधु मैरी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक को काफिले में पूर्व सीएम के वाहन ने कुचल दिया था। एसपी ने कहा कि उनके नाम आरोपियों की सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई उचित प्रक्रिया और कानून के लागू प्रावधानों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

# भारत के बंकर बस्टर, जो ब्रह्मोस के भी हैं बाप, पलभर में खाक बन जाएंगे पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पास तो कई मिसाइल और फाइटर जेट्स हैं जो पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करने में कैपेबल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने नूर खान एयरबेस पर अटैक कर इसका ट्रेलर पाकिस्तान को दिखा दिया था। बता दें कि इस एयरबेस के पास ही किराना हिल्स स्थित है, जहां पाकिस्तान के परमाणु हथियार का जखीरा मौजूद है। भारत के पास 5 ऐसे वेपन हैं जो पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को पलभर में खाक में मिलाने में सक्षम है।

अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल न्यूक्लियर वॉरहेड (परमाणु बम या हथियार) ले जाने में सक्षम है। इसकी रेंज 5800 किलोमीटर से भी ज्यादा है। इसी वजह से इस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी आईसीबीएम भी कहा जाता है। अग्नि-5 मिसाइल को टेक्नोलॉजी से भी लैस कर दिया गया है। एमआईआरवी को मिसाइल बस की उपमा भी दी जाती है।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। शुरुआत में इसकी रेंज 290 किलोमीटर थी, जिसे बढ़ाकर अब 400 से 450 किलोमीटर किया जा चुका है। अब भारत इसे हाइपरसोनिक बनाने में जुटा है जो 1500 किलोमीटर दूर स्थित टारगेट को भी तबाह कर सकती है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने इसी मिसाइल से नूर खान समेत 11 एयरबेस को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्?तान घुटनों पर आ गया था।

भारत ने एयरफोर्स के लिए फ्रांस से कटिंग एज राफेल फाइटर जेट का आयात किया है। यह जेट खतरनाक मिसाइल से लैस है जो किसी भी टारगेट को पलभर में तबाल करने में सक्षम है। खासकर स्कैल्प मिसाइल दुश्मनों के लिए काल से कम नहीं है। इसके जरिये पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करना काफी आसान है। राफेल जेट 4.5 का विमान माना जाता है।

डीआरडीओ ईटी-एलडीएचसीएम हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप कर रहा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसकी टेस्टिंग की जाएगी। यह स्क्रैमजेट इंजन से लैस है। रेंज के बारे में आधिकारिक जानकारी तो नहीं दी गई है, लेकिन इसके मीडियम रेंज के होने की संभावना है। इसकी मैक 8 यानी 11000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टारगेट की ओर मूव करने में कैपेबल होगी। इससे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे ट्रैक करना कतई आसान नहीं होगा। इसकी रेंज में पूरे पाकिस्तान के होने की संभावना है।

एसयू-30 एमकेआई ने कई मौकों पर भारत का साथ दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तान में इससे भारी तबाही मची थी। एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट में कई

तरह की स्वदेशी मिसाइलों को फिट किया जा सकता है, ऐसे में इसकी भीषणता और घातक होने की क्षमता काफी बढ़ जाती है। इसमें ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को भी फिट किया जा सकता है।

# विटामिन डी की कमी से बच्चों को होती हैं बीमारियां

**बच्चों की देखभाल हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ज्यादातर बच्चों को खाने-पिलाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ती है। सुबह के टिफिन से लेकर रात के खाना खिलाने तक बच्चों को कई बहाने बनाने पड़ते हैं। कारण ये भी है कि कई बच्चे अपने मां-बाप की एक नहीं सुनते और खामियाजा मां-बाप को भुगतना पड़ता है। जिसकी वजह से बच्चों में कई विटामिनों की कमी आ जाती है। एक खोज से पता चला है कि शरीर में विटामिन ''डी'' की कमी से खासकर बच्चों को कई जानलेवा बीमारियां होने का रिस्क होता है। जिन बच्चों में क्रोनिक किडनी की बीमारी होती है उनमें विटामिन ''डी'' की कमी पाई जाती है जिसमें किडनी की दीर्घकालिक बिमारी से गुर्दे संबंधी खराबी सामने आती है।**

**किडनी:** साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन ''डी' का स्तर नीचे पाया गया। ''विटामिन ''डी' का स्तर विटामिन ''डी' रेगुलेटिंग जीन में भिन्नता से ज्यादा मौसम, बीमारी का प्रकार और पोषण संबंधी पूरकता से निर्धारित होता है।

**'ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिश्रण:** शोध के अनुसार विटामिन ''डी' की कमी से जूझने वाले करीबन दो तिहाई बच्चे कुछ असामान्य थे। उन्हें ''ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिशण्रहै और नेफ्रॉन पर असर डालता है।

**क्रोनिक किडनी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी :** शोधकर्ताओं के अनुसार कुछ ''मोडिफाएबल' और कुछ ''नॉन मोडिफाएबल' कारण हो सकते हैं जिससे क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी हो सकती है।

**कैंसर. हृदय, ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है:** शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

**बच्चों को कैसे ठीक किया जाए:**

- **साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन 'डी' का स्तर नीचे पाया गया**
- **'सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन 'डी' की कमी को पूरा करना चाहिए**

**12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की।**

**विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।**

सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन डी की कमी को क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बचचिों में कैसे पकड़ा और ठीक किया जाए इसपर हस्तक्षेप होना चाहिए।

**शोधकर्ताओं ने बताया:** हमारी शोध टीम ने 12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की। क्लीनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने जो निष्कर्ष दिया उससे इन जवान बच्चों के स्वास्थ्य को बचाया जा सका।

**जिन बच्चों ने विटामिन डी लिया:** जिन बच्चों को किड़नी की बीमारी रही है और जिन्होंने विटामिन डी सप्लीमेंट लिए हुए थे उनके विटामिन डी का स्तर उन बच्चों से दो गुना था जिन्होंने कोई सप्लीमेंट नहीं लिया था।

# 'दिल के लिए घातक है कम नींद लेना'

**बर्लिन।** वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत कम नींद लेने से हृदय पर विपरित असर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि तनाव भरी वैसी नौकरियां, जिनमें 24 घंटे वाली शिफ्ट की जरूरत होती है और सोने के लिए बहुत ही कम समय मिलता है, उनसे रक्तचाप और दिल की गति बढ़ जाती है।वैसे लोग जो अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा सेवा सहित अन्य तनाव भरी नौकरियों में कार्यरत होते हैं, उन्हें प्राय: 24 घंटे की शिफ्ट में काम करने के लिए बुलाया जाता है तथा उनके पास नींद पूरी करने के कम समय होता है।जर्मनी के बॉन विविद्यालय के डेनियल कुटिंग ने बताया, ''पहली बार, हमने कम नींद लेने को 24 घंटे वाली शिफ्ट से जोड़कर दिखाया है, जिससे हृदय संकुचन, रक्तचार और हृदय गति में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।' इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 20 स्वस्थ रेडियोलॉजिस्ट को शामिल किया, जिसमें 19 पुरुष और एक महिला थी। अध्ययन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के तनाव का विश्लेषण 24 घंटे की शिफ्ट से पहले और बाद में किया गया। ये प्रतिभागी इस दौरान औसतन तीन घंटे की नींद ले रहे थे।कुटिंग ने कहा, ''इससे पहले हृदय की गतिविधि की जांच बहुत कम नींद लेने के संबंध में तनाव के विश्लेषण के साथ किया गया था। यह हृदय संकुचन जैसे मामलों के लिए सबसे संवदेनशील पैमाना है।' अनुसंधानकर्ता ने प्रतिभागियों से खून और मूत्र के नमूने भी रक्तचाप और दिल की गति मापने के लिए थे।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यो से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यो का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

## लॉफिंग ज़ोन

वकील (महिला से)- अब आप अदालत को बताएं कि आपने अपने पति को धनुष-बाण से क्यों मारा?

महिला - 'क्योंकि मैं अपने सोए हुए बच्चों को जगाना नहीं चाहती थी!'

☺ ☺ ☺

दो जेलर अरसे बाद एक-दूसरे से मिले.

पहले ने पूछा- क्या तुम्हारी बीवी अब भी कैदियों के लिए गाना गाती है?

दूसरा जेलर - नहीं, कैदियो की शिकायत थी कि उनकी सजा में यह शामिल नहीं है.

☺ ☺ ☺

एक ग्रामीण अपने गधे के पैर बांध रहा था तो सिपाही बोला, 'अपने भाई के पैर क्यों बांध रहे हो?'

ग्रामीण, 'कहीं यह भी पुलिस में भर्ती न हो जाए इसलिए.'

☺ ☺ ☺

नौकर (मालिक से) - हुजूर, मै अब आपके यहां काम नहीं करूंगा.

मालिक - क्यों? क्या हुआ? क्या तकलीफ है तुम्हें यहां?

नौकर - साहब बात यह है कि बेगम साहिबा का व्यवहार मेरे साथ अच्छा नहीं है. जब मन करता है, मुझे उसी तरह डांटने लगती है, जैसे आपको डांटा करती हैं.

☺ ☺ ☺

## काकुरो पहेली - 4093

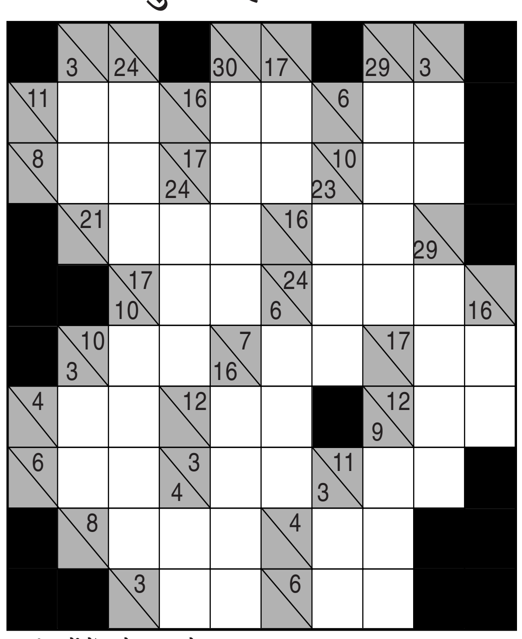

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

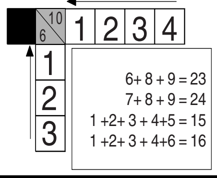

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4092 हल

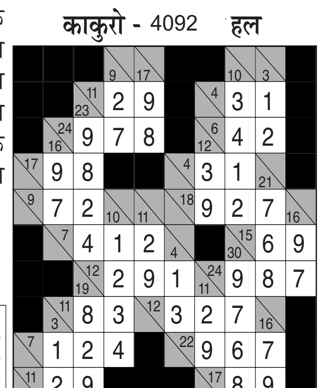

## फिल्म वर्ग पहेली- 4093

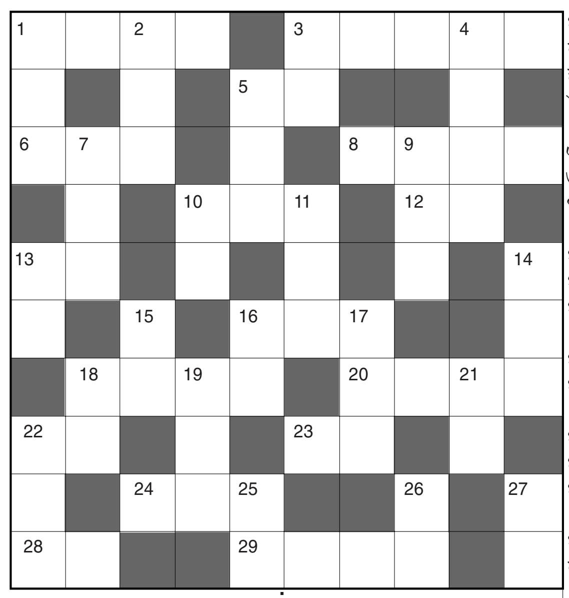

**बायें से दायें:-**

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

**ऊपर से नीचे:-**

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4092

## सूडोकु -4093

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 1 | 4 | | |
| | | | | | | 5 | 8 | |
| | | | 7 | 2 | | | | |
| | | | 2 | | | | 6 | 7 |
| 4 | | | | | | | | 3 |
| 5 | 8 | | | | 9 | | | |
| | | | | 8 | 5 | | | |
| | 7 | 6 | | | | | | |
| | | 9 | 3 | | | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4092 हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 9 | 2 | 3 | 1 | 6 | 5 | 4 |
| 3 | 2 | 4 | 6 | 5 | 9 | 7 | 8 | 1 |
| 6 | 5 | 1 | 8 | 4 | 7 | 2 | 9 | 3 |
| 5 | 1 | 7 | 3 | 9 | 8 | 4 | 6 | 2 |
| 4 | 6 | 8 | 5 | 1 | 2 | 9 | 3 | 7 |
| 9 | 3 | 2 | 4 | 7 | 6 | 8 | 1 | 5 |
| 1 | 4 | 6 | 9 | 2 | 3 | 5 | 7 | 8 |
| 2 | 9 | 3 | 7 | 8 | 5 | 1 | 4 | 6 |
| 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 4 | 3 | 2 | 9 |

## शब्द पहेली - 4093

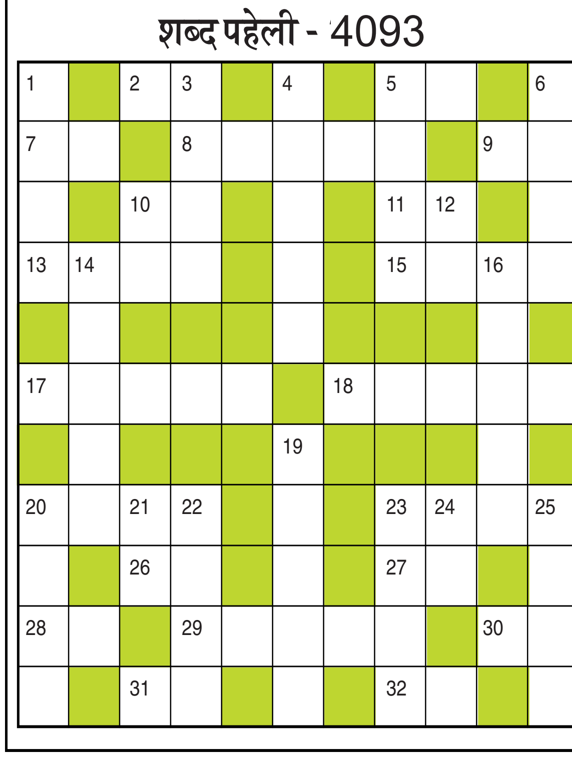

**बाएँ से दाएँ**

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

**ऊपर से नीचे**

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -4092 हल

## योगी सरकार का बड़ा फैसला, नगर पंचायतों को 1 करोड़ तक के कार्य करने की स्वायत्तता

एजेंसी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास विभाग ने प्रदेश के नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। नगर विकास विभाग ने वर्ष 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में व्यापक संशोधन करते हुए संचालन प्रक्रिया को अधिक सरल और जवाबदेह बनाया है। इसके तहत अब नगर पंचायतों को 1 करोड़ रुपए और पालिका परिषदों को 2 करोड़ रुपए तक के कार्य स्वयं करने की स्वायत्तता होगी। इसके साथ ही नगरीय निकायों से करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों में होने वाली गड़बड़ी या गुणवत्ता में कमी के लिए पचास-पचास प्रतिशत राशि संबंधित ठेकेदार और प्रशासनिक अधिकारी से वसूलने का भी प्रावधान किया गया है।इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों की विकास प्रक्रिया को तेज करने के लिए नई तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के नगर विकास विभाग ने 74वें संविधान संशोधन के मुताबिक नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान की है। नगर विकास विभाग ने 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में जरूरी बदलावों को मंजूरी दी है। इसके तहत विभाग ने बाजार दरों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों की वित्तीय सीमा को पुनः निर्धारित किया है।

## परमार्थ से ही मिलेगी जीने की राह : प्रशान्त अग्रवाल

**उदयपुर।** आज जब दुनिया टकराव में उलझ रही है, ऐसे में परमार्थ ही हमें परस्पर सहयोग, सद्भाव और शांति से जीने की राह दिखाता है। यह बात नारायण सेवा संस्थान में आयोजित 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के दुसरे दिन संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि परमार्थ मनुष्य की अपने भीतर की तलाश से शुरू होता है, जो हमें अपने से बाहर ले जाता है और दूसरों की पीड़ा को अपनी समझने की हिम्मत देता है। कार्यक्रम में राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, बिहार, उ.प्र., प. बंगाल आदि राज्यों से विकलांगता सुधार की निःशुल्क सर्जरी और मोड्यूलर कृत्रिम अंग, केलीपर लेने आए दिव्यांग और उनके परिजन उपस्थित थे। अग्रवाल ने कहा कि मनुष्य को विनम्र होना चाहिए। लेकिन समृद्धि पाकर वह अहंकार में चूर हो जाता है। यह अभिमान ही विनम्रता को खत्म तो करता ही है, अशिष्ट भी बना देता है। उन्होंने कहा कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति संसार से मुक्त होने की इच्छा तो रखता है लेकिन अपनी तृष्णाओं को छोड़ना नहीं चाहता। जब तक हम तृष्णाओं से घिरे हैं, मुक्ति के मार्ग पर नहीं बढ़ सकते। वास्तव में तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है। उसके बाद हमें योनियों में भटकना नहीं पड़ेगा।

## गहलोत का भजनलाल सरकार पर हमलाः बोले- कानून व्यवस्था चरमराई, मुख्यमंत्री प्राथमिकताएं बदलें

**भरतपुर।** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भरतपुर रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत करते हुए भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला। गहलोत ने प्रदेश की मौजूदा कानून व्यवस्था, बिजली-पानी की समस्याओं और अटके हुए प्रशासनिक कार्यों को लेकर सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि, भरतपुर वाले ज्यादा जानते हैं, भरतपुर के लोगों को अब अहसास हुआ होगा कि हमारे अपने घर का जो सदस्य है वो मुख्यमंत्री बन गया है, इससे बड़े गर्व की बात क्या होगी।उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, मैं समझता हूं कि भाई आप अच्छा काम करके दिखाओ, पूरे प्रदेश में नाम हो भरतपुर का। यह टिप्पणी एक तरफ जहां शुभकामनाएं थी, वहीं दूसरी तरफ यह एक प्रकार का तंज भी था कि मुख्यमंत्री भरतपुर क्षेत्र के होने के बावजूद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। जब पत्रकारों ने उनसे कानून व्यवस्था को लेकर सवाल किया, तो गहलोत ने तल्ख लहजे में जवाब दिया, अभी तो कानून व्यवस्था की आप जानते हो क्या स्थिति बन रही है, बच्चियों के रेप हो रहे हैं, किडनैपिंग हो रही है, हत्याएं हो रही हैं, क्या नहीं हो रहा है? उन्होंने मुख्यमंत्री को इन बातों की चिंता करने की सलाह दी और कहा कि जनता उनसे उम्मीद करती है कि वे इन समस्याओं पर ध्यान दें।

## पत्नी और बच्ची की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास

**इटावा।** इटावा जनपद की अदालत ने पत्नी और मासूम बच्ची की हत्या के दोषी पाए गए एक अभियुक्त पति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला पांच साल पुराना है, जिसमें अभियुक्त ने अपनी पत्नी और बेटी को चलती ट्रेन से धक्का देकर हत्या कर दी थी। जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी कुंदन राय चौधरी अपनी पत्नी पुरोबी गांगुली और बेटी शालिनी के साथ दिल्ली से पटना जा रहा था। यात्रा के दौरान जब ट्रेन फफूंद रेलवे स्टेशन (जनपद औरैया) के पास पहुंची, तभी कुंदन ने पहले से रची गई साजिश के तहत पत्नी और बच्ची को चलती ट्रेन से नीचे धक्का दे दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद आरोपी ने अपने ससुराल पक्ष को गुमराह करने के लिए यह झूठ बताया कि पत्नी और बच्ची ट्रेन से लापता हो गई हैं।

# मार्च 2026 तक नक्सलवादमुक्त होगा देश : शाह

### नक्सली इस बरसात चैन की नींद नहीं सो पाएँगे : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

**रायपुर।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में विष्णुदेव की सरकार और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने एक रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और राज्य को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। कहा कि विष्णुदेव और विजय शर्मा ने नक्सलविरोधी अभियानों को न सिर्फ धार दी, बल्कि समय-समय पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया,

सुरक्षाबलों का हौंसला भी बढ़ाया और संपूर्णता के साथ इस लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। जिस तरह से हमारे सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाया है और सूचना एजेंसियों ने सटीक रणनीति बनाई है, उसके आधार पर हम इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। हर वर्ष बारिश के मौसम में आराम करने वाले नक्सली इस बरसात में चैन की नींद नहीं सो पाएंगे क्योंकि हमारे सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी रहेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद के रास्ते पर भटक कर गए सभी युवाओं से हथियार डालकर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने की अपील की। युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें विकास यात्रा में जुड़ने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। कहा कि हिंसा के रास्ते पर चल रहे युवा सरकार पर भरोसा करें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। इस तरह वे अपने आप देश की विकास यात्रा के साथ जुड़ जाएंगे। कहा कि सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों से जो वायदा किया है, उसे पूरा किया जाएगा और उससे अधिक सहायता करने का प्रयास भी किया जाएगा।

## बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना के लाइव प्रवचन में शामिल होंगे 144 देश के लोग

एजेंसी

**इंदौर।** बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के प्रवचन 26 जून से इंदौर में वीडियो के माध्यम से लाइव होंगे। यह आयोजन 10 दिनों तक चलेगा और बोहरा समाज के अनुयायी देश-विदेश से इंदौर आएंगे। बोहरा समाज का नया वर्ष इस दिन से शुरू हो रहा है। समाज के अनुयायियों के इंदौर आने की संभावना को देखते हुए आयोजक बहुत ही बड़े स्तर पर तैयारियां कर रहे हैं। अनुमान है कि करीब एक लाख श्रद्धालु इंदौर पहुंच सकते हैं, जिनमें अफ्रीका, कुवैत, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यमन और अमेरिका सहित 144 देशों से लोग शामिल होंगे। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और बोहरा समाज के पदाधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा की। महापौर ने बताया कि बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब द्वारा बोहरा समाज के नववर्ष के पवित्र अवसर पर चेन्नई में 10 दिवस तक वाअज़ (प्रवचन) दिए जाएंगे, जिसका सजीव प्रसारण इंदौर रिले केंद्र पर किया जाएगा। धर्मगुरु के प्रवचनों का श्रवण करने के लिए लगभग एक लाख से अधिक अनुयायियों का इंदौर रिले केंद्र में पहुंचने का अनुमान है। इंदौर के लिए यह एक गर्व की बात है कि सैयदना साहब जैसे महान व्यक्तित्व का प्रवचन इंदौर में हो रहा है। नगर निगम इस आयोजन को हर दृष्टि से सहयोग देगा, ताकि शहर की स्वच्छता और व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

## विमान दुर्घटनाः अब तक 251 मृतकों के डीएनए सैंपल मैच, 245 शव परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी

**अहमदाबाद।** विमान दुर्घटना में अब तक 251 मृतकों के डीएनए सैंपल मिलान हो चुके हैं। इनमें से कुल 245 पार्थिव देह परिजनों को सौंप दी गई हैं। 6 परिवार आने वाले समय में अपने स्वजनों के शव स्वीकार करेंगे।

सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि विमान दुर्घटना के 245 मृतकों में 176 भारतीय, 7 पुर्तगाली, 49 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई तथा 12 गैर-यात्री थे। डॉ. जोशी ने बताया कि मृत भारतीय यात्रियों में अब तक उदयपुर से 7, वडोदरा से 24, खेड़ा से 11, अहमदाबाद से 70, मेहसाणा से 7, बोटाद से 1, जोधपुर से 1, अरावली से 2, आणंद से 26, भरूच से 7, सूरत से 12, पालनपुर से 1, गांधीनगर से 7, महाराष्ट्र से 2, दीव से 14, जूनागढ़ से 1, अमरेली से 2, गिर सोमनाथ से 5, महीसागर से 1, भावनगर से 1, लंदन से 10, पटना से 1, राजकोट से 3, राजस्थान से 2, मुंबई से 10, नडियाद से 1, जामनगर से 2, पाटन से 3, द्वारका

से 2, साबरकांठा से 1, नागालैंड से 1, मोडासा से 1, खंभात से 2, पुणे से 1, मणिपुर से 1 शव परिजनों को सौंपे गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील होती है और इसमें कानूनी पहलू भी शामिल होते हैं, इसलिए यह प्रक्रिया बहुत ही गंभीरता और तेजी के साथ पूरी की जा रही है।

परिजनों को उनके स्वजनों के शव जल्द से जल्द सौंपे जा सकें, इसके लिए फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी एवं उससे जुड़ी अन्य संस्थाएं, स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियां लगातार कार्य कर रही हैं।

## पीएम मोदी हमेशा से शांति और संवाद के समर्थक रहे हैंः पीयूष गोयल

एजेंसी

**मुंबई।** ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमले करने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत हमेशा विश्व शांति के पक्ष में खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से शांति और संवाद के समर्थक रहे हैं। पीयूष गोयल ने मीडिया से बातचीत के दौरान इजरायल-ईरान के बीच लगातार बढ़ते तनाव पर पीएम मोदी की शांति की अपील के बारे में पूछे जाने पर कहा, प्रधानमंत्री मोदी मानते हैं कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति से होना चाहिए। मुंबई के मलाड में रविवार को योगा बाय द बीच कार्यक्रम में शिकरत की। उन्होंने कहा कि योग न केवल तनाव से राहत देता है, बल्कि व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में खुशहाली को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि मलाड के अक्सा बीच पर लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान पीएम मोदी के योग दिवस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ÷अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संदेश दिया, जिसमें

बताया गया कि कैसे योग के माध्यम से एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का प्राचीन भारतीय दर्शन दुनिया भर के लोगों को बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त करने में मदद कर सकता है। योग न केवल तनाव से राहत देता है, बल्कि व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में खुशहाली को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि रविवार को मलाड में क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं ने अक्सा बीच पर समंदर के किनारे योगा बाय द बीच कार्यक्रम का आयोजन किया। लोगों ने आयोजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, उनके उत्साह को देखकर आनंद आया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए योग बहुत जरूरी है। पीयूष गोयल ने कहा, आज पूरे विश्व में करोड़ों लोगों ने एक साथ योग किया, जो एकजुटता और सामूहिक स्वास्थ्य चेतना का प्रतीक है। योग न केवल भारत की संस्कृति है, बल्कि यह वैश्विक कल्याण का माध्यम बन चुका है।

## छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन : अमित शाह

एजेंसी

**रायपुर।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरुआत की गई है। कुल 268 करोड़ की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं

प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित ने कहा कि, इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जांच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी। आई-हब की स्थापना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रीने कहा कि, यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड़ने, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने की संभावना है।

## पंजाब पुलिस ने अमृतसर में आईएसआई के दो जासूसों को पकड़ा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के दो जासूसों गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और साहिल मसीह उर्फ शाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस कई दिनों से इन पर नजर रखे हुए थी।पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के एजेंटों के सीधे संपर्क में था और वह पेन ड्राइव के जरिए गोपनीय और संवेदनशील सूचनाएं

साझा कर रहा था। इस मामले में मुख्य आईएसआई हैंडलर की पहचान राणा जावेद के रूप में हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपित जावेद राणा को ही जानकारियां मुहैया करवाते थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल आईएसआई हैंडलरों से बातचीत के लिए किया जा रहा था। फिलहाल उनके फोन फोरेंसिक जांच और साइबर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि उनमें से गोपनीय जानकारियां हासिल की जा सकें। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

## भजनलाल शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

एजेंसी

**जैसलमेर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं। शर्मा भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का

गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

## केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान का किया दौरा

एजेंसी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित आईसीएआर-केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान (सीआईएई) का आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दौरा किया। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि भारतीय कृषि के विकास में सीआईएई का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों के लिए अनुकूल और किसान-हितैषी तकनीकों के विकास की गति को और तेज करना जरूरी है, ताकि देश के हर कोने तक आधुनिक यंत्रीकरण पहुँच सके। केंद्रीय मंत्री सिंह ने संस्थान द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि देश के

विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, संस्थान के अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) नेटवर्क के माध्यम से अगले दस वर्षों के लिए यंत्रीकरण की रूपरेखा तैयार की जाए। इससे विकसित भारत अभियान की दिशा में देश एक बड़ा कदम उठा सकेगा। उन्?होंने इस दौरान छोटे इंजन या वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से चलने वाली कृषि मशीनरी और सेंसर आधारित प्रणालियों के विकास पर बल दिया, ताकि सभी वर्ग के किसानों को समावेशी लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि खेती में तकनीकी नवाचार के साथ-साथ, किसानों की जरूरत के मुताबिक तकनीकों का खेत तक पहुँचना भी उतना ही जरूरी है। शिवराज सिंह चौहान ने देश के विभिन्न हिस्सों में किसान मेले आयोजित करने और सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर राष्ट्रीय यंत्रीकरण की रणनीति तैयार करने की बात के साथ ही यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से किसानों को नई तकनीकों की जानकारी मिलेगी और उनकी समस्याओं का समाधान भी निकलेगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने संस्थान द्वारा विकसित ट्रैक्टर चालित प्लास्टिक मल्च लेयर-कम-प्लांटर सहित अन्य तकनीकों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की।

## मुर्शिदाबाद में ट्रैक्टर ने डंपर को मारी टक्कर, पांच की मौत, 14 घायल

एजेंसी

**मुर्शिदाबाद।** जिले में कांदी थाना अंतर्गत मथुरा मोड के पास बहरमपुर-कांदी राज्य सड़क पर सुबह हुए सड़क हादसे में चार महिलाओं सहित करीब पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं कांदी महकमा अस्पताल में चल रहा है। इनमें से कुछ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस के अनुसार 20 तीर्थ यात्रियों का एक दल बीरभूम जिले में स्थित एक मंदिर से पूजा करके से ट्रैक्टर से लौट रहा था। रविवार सुबह तकरीबन 11 मथुरा मोड़ के पास ट्रैक्टर ने सड़क के किनारे खड़े एक डंपर को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर मौके पर ही पलट गया। इस घटना में चालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतकों में बेनू रानी सरकार (45), शंभू सरकार (40) और ललिता सरकार (50) हैं। बाकी दो की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मृतक और घायल मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा थाना के रुकुनपुर इलाके के हैं। हादसे की खबर पीड़ितों के परिजनों को भेज दी गई है। इस हादसे के कारण स्टेट हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। हालांकि, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया और स्टेट हाईवे पर यातायात सामान्य हो गया।

## राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में और दो लोगों की गिरफ्तारी

एजेंसी

**इंदौर।** इंदौर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के हत्या की जांच कर रही एसआईटी को बड़ा सुराग हाथ लगा है। मामले में और दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। शिलांग पुलिस ने इंदौर से प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। उस पर सोनम और राज की मदद करने, साक्ष्य छुपाने और पांच लाख नकद व अवैध हथियारों से भरे बैग को नष्ट करने का आरोप है। वहीं, इस मामले में बिल्डिंग का गार्ड बल्ला उर्फ बलवीर अहिरवर भी संदिग्ध है। बलवीर मूलतः अशोकनगर जिले का रहने वाला है और घटना के बाद से लापता था। रविवार को एसआईटी की टीम ने उसे उसके गांव से गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर के देवास नाका स्थित हीराबाग कॉलोनी में लोकेंद्र सिंह तोमर से बिल्डिंग ठेके पर लेकर किराए पर चलाता था। सिलोम जेम्स को शिलांग पुलिस ने शनिवार रात हिरासत में लिया और बाद में सबूतों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। सिलोम पर सबूत छिपाने का आरोप है। अब सिलोम की मेडिकल जांच कराई जाएगी और ट्रांजिट रिमांड के बाद उसे शिलांग ले जाया जाएगा। पुलिस को जांच में पता चला था कि जी-1 फ्लैट, जहां सोनम रुकी थी, वहां से एक बैग गायब है। बैग में करीब 5 लाख नकद और एक पिस्टल थी, जो सिकलीगरों से खरीदी गई थी। पूछताछ में पता चला कि सिलोम ने वह बैग जला दिया, जिसमें देशी पिस्टल, नगदी और अन्य सामान था। बैग को निपानिया इलाके में जलाया गया, जहां रविवार को एफएसएल की टीम ने मौके पर जांच की। 10 जून को सिलोम दूसरी चाबी से हीराबाग स्थित फ्लैट में घुसा और तीन बैग समेत अन्य सामान लेकर निकल गया। यह पूरी घटना पास के एक शोरूम के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। इसी साक्ष्य के आधार पर उसे शिलांग (ईस्ट खासी हिल्स) में पकड़ा गया। एसआईटी के एक सदस्य ने सिलोम को बहाने से बुलाया, लेकिन उसे शक हो गया और वह भोपाल जाने की बात कहकर मोबाइल बंद कर भाग निकला। बाद में शिप्रा पुलिस की मदद से उसे टोल नाके पर गिरफ्तार किया गया। वहीं, पांच दिन से इंदौर में जांच कर रही शिलांग पुलिस को जानकारी मिली कि अशोकनगर निवासी एक सिक्योरिटी गार्ड ने भी विशाल और उसके साथियों की मदद की थी। अशोकनगर एसपी विनीत कुमार जैन ने बताया कि सोनम रघुवंशी राजा की हत्या करने के बाद इंदौर वापस आई थी। वह जिस फ्लैट में रुकी थी, वहां अशोकनगर जिले के मदागन गांव का बल्ली उर्फ बलबीर अहिरवार (30) चौकीदारी और कारपेंटर का काम कर रहा था

# रचनात्मकता अभिव्यक्ति वाले चुन सकते है फोटोग्राफी में करियर

**फोटोग्राफी व्यक्ति के अंदर छुपी कला और रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का जरिया है. अपनी भावनाओं को चित्रित करने के लिए कुछ लोग शौकिया फोटोग्राफी करते हैं और आगे चलकर अक्सर वे अपने इस शौक को ही अपना करियर बना लेते हैं. टेक्नोलॉजी की तरक्की के साथ ही कम्युनिकेशन के माध्यम विकसित हुए. इसी के साथ ही फोटोग्राफी का भी विकास हुआ.**

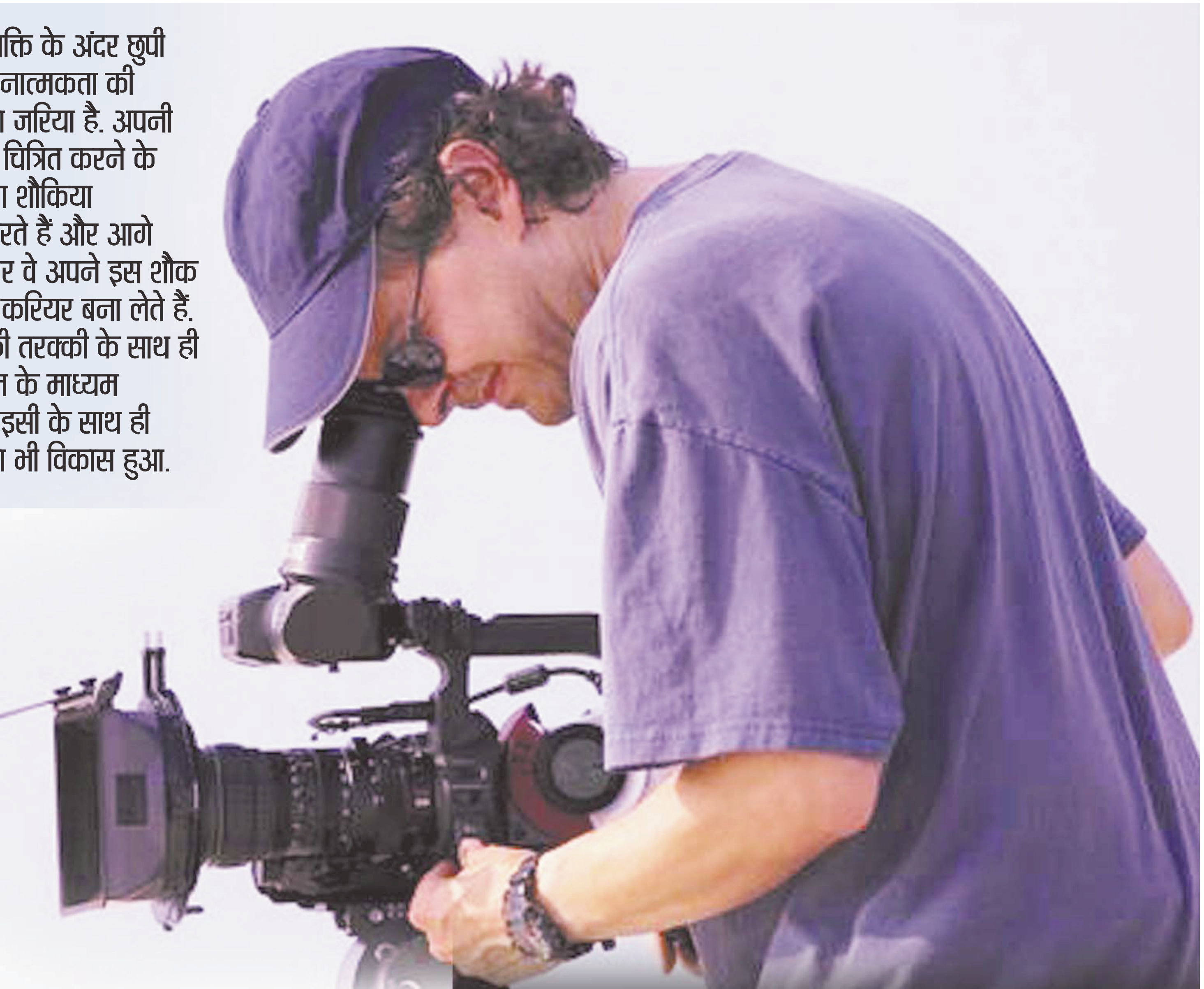

फोटोग्राफी खुद को व्यक्त करने का एक माध्यम है. फैशन फोटोग्राफर, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, इंडस्ट्रियल फोटोग्राफर, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, ट्रेवल एंड टूरिज्म फोटोग्राफी आदि न जाने कितने स्पेशियलाइजेशन इस पेशे में हैं. फोटोग्राफी व्यक्ति के अंदर छुपी कला और रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का जरिया है. अपनी भावनाओं को चित्रित करने के लिए कुछ लोग शौकिया फोटोग्राफी करते हैं और आगे चलकर अक्सर वे अपने इस शौक को ही अपना करियर बना लेते हैं. टेक्नोलॉजी की तरक्की के साथ ही कम्युनिकेशन के माध्यम विकसित हुए. इसी के साथ ही फोटोग्राफी का भी विकास हुआ. आज हर छोटे-बड़े आयोजनों में, फैशन शो में, मीडिया क्षेत्र के अलावा अन्य जगह फोटोग्राफी का चलन बढ़ गया है. इन क्षेत्रों में डिजिटल फोटोग्राफी की मांग बढ़ी है.

फोटोग्राफी निःसंदेह काफी अच्छा स्कोप हो सकता है. इस विधा में महारत हासिल करने के बाद ही सफल होने की आशा रखी जा सकती है. दिल्ली में त्रिवेणी कला संगम, मंडी हाउस में ऐसा कोर्स आयोजित किया जाता है. हालांकि इसके अलावा भी तमाम प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स द्वारा ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है. प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और इंटरनेट मीडिया में फोटो की अहम भूमिका होती है. अगर फोटोग्राफर अपनी रचनात्मकता के दम पर कुछ अलग करने की क्षमता रखता है तो इस करियर में उसके लिए धन और प्रसिद्धी की कोई कमी नहीं. मीडिया के जरिये फोटोग्राफर की कला और उसका नाम हजारों-लाखों लोगों तक पहुंचता है. मीडिया के अलावा कई अन्य संस्थान हैं, जहां फोटोग्राफी की जरूरत होती है. नैसर्गिक फोटोग्राफर बनने के लिए जरूरी है कि आप में फोटोग्राफी के माहौल को पढ़ने और अपनी रचनात्मकता के जरिये किसी क्षण को कैमरे में कैद करने की कला हो. इस क्षेत्र में ट्रेनिंग बेशक आपकी कला को निखारेगी, लेकिन फोटोग्राफी के लिए कल्पनाशीलता जैसे जन्मजात गुण आवश्यक हैं. यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं और साथ ही इसे कैमरे में कैद करने की ललक भी है, तब आपको प्रकृति और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के क्षेत्र में जाना चाहिए. आप ट्रेवल और ज्योग्राफिक पत्रिकाओं के लिए काम कर सकते हैं.

**योग्यता**- यह पूरी तरह रचनात्मकता पर आधारित कार्य है. अगर आपमें फोटोग्राफी का जुनून है तो इसमें किसी तरह की औपचारिक डिग्री की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन फिर भी आपको 10 2 या समकक्ष होना जरूरी है. इसके बाद आप फोटोग्राफी के लिए अन्य डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं. इसके अलावा कम्प्यूटर पर आधारित फोटोशॉप संबंधी सॉफ्टवेयर का ज्ञान अतिरिक्त योग्यता दर्शाता है. जिसके बाद आपके लिए डिजीटल और सामान्य फोटोग्राफी में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं.

# ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग तेज रफ्तार से उभरता क्षेत्र

तेज रफ्तार से उभरता क्षेत्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग यानी ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग या वेहिकल इंजीनियरिंग में करियर निर्माण की संभावनाओं की सीमा नहीं है. इंजीनियरिंग की यह शाखा कार, ट्रक, मोटरसाइकिल, स्कूटर जैसे वाहनों के डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण और मरम्मत व सर्विस से जुड़ी होती है. ऑटोमोबाइल के निर्माण व डिजाइनिंग के सम्यक मेल के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक, साफ्टवेयर और सेफ्टी इंजीनियरिंग की मदद से अपने काम को अंजाम देते हैं. अर्थव्यवस्था की रफ्तार का पता इससे चलता है कि कौन-कौन से वाहन किस संख्या में सड़कों पर फिलवक्त दौड़ रहे हैं. इस सेक्टर को चलाने व आगे ले जाने वाले लोगों में ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स भी हैं, जो डिजाइन, कम्फर्ट, इकोनॉमी, पावरफुल इंजन के साथ न केवल इस इंडस्ट्री को चलाते हैं बल्कि अपने करियर को भी एक अनोखी रफ्तार देते हैं. इसी से जुड़ा है ऑटो कम्पोनेंट का तेजी से बढ़ता दायरा और यही वजह है कि ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की मांग में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है. एक तेज रफ्तार करियर के रूप में इसे चुना जा सकता है.

ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स को मुख्यतः तीन धाराओं में विभाजित किया जाता है- प्रोडक्ट या डिजाइन इंजीनियर्स, डेवलपमेंट इंजीनियर्स और मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर्स. प्रोडक्ट या डिजाइन इंजीनियर्स वे होते हैं जो ऑटोमोबाइल्स के कम्पोनेंट और सिस्टम्स की डिजाइनिंग व टेस्टिंग करते हैं. वे हर पुर्जे को डिजाइन व टेस्ट करते हैं ताकि वे उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें. ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ रूपक सखूजा के मुताबिक ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में करियर तभी बना सकते हैं जब आपका इसमें इंट्रेस्ट होगा. वैसे, प्रोडक्शन से लेकर, डिजाइनिंग, असेम्बलिंग और मैकेनिकल कई तरह के जॉब्स हैं. रिसर्च एंड डेवलपमेंट का बहुत बड़ा दायरा है ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में.

**पाठ्यक्रम** - गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर साइंस में रुचि रखने वाले छात्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में शानदार करियर बनाने की सोच सकते हैं. इनमें कई पाठ्यक्रम कराए जाते हैं जैसे- बीई ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग बीटेक ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग एमटेक इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग पीजी डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग शैक्षिक योग्यता ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक करने के लिए 12वीं या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर साइंस जैसे विषय हों. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में स्नातक होने के बाद एमई या एमटेक किया जा सकता है और उसके बाद यदि और विशेषज्ञता हासिल करनी है तो पीएचडी भी की जा सकती है. दसवीं के बाद डिप्लोमा किया जा सकता है. चयन बीई या बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिला 12वीं के अंकों व प्रवेश परीक्षाओं (आईआईटीजेईई, एआईईईई, बिटसैट इत्यादि) के मेरिट के आधार पर होता है जो अखिल भारतीय व राज्य स्तर पर आयोजित की जाती है. एमई या एमटेक के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग के माध्यम से दाखिला मिलता है. जिन्होंने डिप्लोमा कर रखा है, वे एआईएमई परीक्षा देकर डिग्री धारकों के समकक्ष हो सकते हैं. बीई या बीटेक कोर्स चार साल का होता है जबकि एमई या एमटेक और पीजी डिप्लोमा दो साल का होता है. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा कोर्स तीन साल का होता है.

**आमदनी** - यह अभ्यर्थी की योग्यता, अनुभव और उस कंपनी के स्टेटस पर निर्भर करता है कि किसी को क्या वेतन मिलता है लेकिन शुरुआत में किसी भी नए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग को 15 हजार से 20 हजार रुपये का शुरुआती वेतन मिल सकता है. आईआईटी या अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ने वालों के लिए वेतन की कोई सीमा नहीं है. इसके अलावा, जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाता है, वेतन में भी बढ़ोतरी होती रहती है.

# एड ऑन कोर्स से डिग्री भी, जॉब भी

**कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में डिग्री कोर्स के साथ-साथ पार्टटाइम सर्टिफिकेट या एड ऑन कोर्स अब युवाओं की जरूरत बन गई है. ज्यादातर छात्रों के मन में यह बात घर कर गई है कि डिग्री लेने से ही नौकरी नहीं मिल जाती. रोजगार के बाजार में प्रोफेशनल स्किल्स की मांग ज्यादा है. इन जरूरतों को देखते हुए ही संस्थानों ने अपने यहां किसी फील्ड या प्रोफेशन विशेष का स्किल सिखाने के लिए तरह-तरह के कोर्स शुरू किए हैं.**

कहीं कंप्यूटर से जुड़ा कोर्स है तो कहीं मीडिया, टूर एंड ट्रैवल से संबंधित कोर्स. कहीं अंग्रेजी स्पीकिंग का कोर्स है तो कहीं पर्सनालिटी डेवलपमेंट का. आमतौर पर तीन माह से लेकर एक साल के इन कोर्सेज को ही पार्ट टर्म या पार्टटाइम कोर्स कहा गया है. इन कोर्सेज के पाठ्यक्रम को कहीं घंटों में बांटा गया है तो कहीं महीने या सत्र में. मसलन, फिंगर प्रिंट्स का कोर्स का एक सेशन 50 घंटे की क्लास से पूरा होता है. इसी तरह पर्सनालिटी डेवलपमेंट के कोर्स की अवधि 100 घंटे है. कोर्स का मकसद छात्रों को डिग्री के साथ-साथ रोजगार के लिए अतिरिक्त हुनर सिखाना है. इससे छात्रों को अपना बॉयोडाटा भी मजबूत करने में मदद मिलती है.

तीन साल का स्नातक या दो साल के एमए की डिग्री के साथ-साथ कोई छात्र पार्ट टाइम के रूप में दो या तीन कोर्स कर सकता है. एड ऑन कोर्स की तरह-तरह की वेरायटी है जो अलग टेस्ट भी देता है. अगर साइंस का छात्र हों तो वह अपने विषय से हटकर मीडिया स्टडीज या थियेटर का कोर्स कर सकता है. ट्रैवल टूरिज्म का पाठ पढ़ सकता है. इसी तरह आर्ट्स का छात्र भी चाहे तो टैक्स मैनेजमेंट या नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकता है. हालांकि साइंस ही नहीं, इस तरह के कोर्स में ज्यादातर कोर्सेज में सभी डिसिप्लिन के छात्र शामिल हो सकते हैं. कॉलेजों में आर्ट्स, साइंस व कॉमर्स तीनों से जुड़े एड ऑन कोर्स चल रहे हैं. कहीं कॉलेज खुद चला रहा है तो कहीं निजी संस्थाओं की मदद से यह संचालित हो रहा है.

## तीन वेरायटी के कोर्स

कोर्स की वेरायटी कॉलेजों और शिक्षण संस्थाओं में आमतौर पर इसकी तीन वेरायटी है. पहला सॉफ्ट स्किल का है. इसमें व्यक्तित्व विकास, अंग्रेजी बोलना, थियेटर, प्रभावशाली कम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन स्किल, फिल्म एप्रीसिएशन और काउंसलिंग जैसे कोर्स शामिल हैं. दूसरे सीधे-सीधे प्रोफेशनल कोर्स हैं जो किसी छात्र को थियरी के साथ-साथ ऑन हैंड ट्रेनिंग देता है. टाइपिंग, कंप्यूटर, फोटोग्राफी, मीडिया, ट्रैवल एंड टूरिज्म, वेब डिजाइनिंग, एनिमेशन, नैनोटेक्नोलॉजी, एयर एंड फेयर टिकटिंग और ऑफिस मैनेजमेंट का कोर्स इसी श्रेणी का है. तीसरी श्रेणी के तहत लैंग्वेज कोर्स हैं. इनमें विदेशी भाषा के कोर्स कराए जाते हैं. यूरोपियन और दक्षिणी एशिया से जुड़े देशों की भाषाएं मसलन फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, इटैलियन, रशियन, कोरियन, चीनी और जापानी आदि भाषाएं सिखाने के लिए कॉलेजों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स हैं.

गर्मी की छुट्टियों में तोहफा आमतौर पर विश्वविद्यालयों में सत्र के साथ ही पार्टटाइम कोर्स चलते हैं. लेकिन गर्मी की छुट्टियों में बहुत सारे कॉलेज इस तरह के कोर्स जो दो से तीन माह के बीच के है, गर्मी की छुट्टियों में संचालित किये जाते हैं. छात्रों के लिए यह सुविधाजनक भी है. वह चाहे तो दो या तीन माह में अंग्रेजी स्पीकिंग, कंप्यूटर से जुड़े शार्ट टर्म कोर्स, फोटोग्राफी, टूर एंड ट्रैवेल्स, बीमा एजेंट, इंश्योरेंस स्किल या पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कोर्स कर सकते हैं.

## सरकारी संस्थानों में कम फीस

सरकारी संस्थानों में इसकी फीस निजी के मुकाबले काफी कम होती है. कोर्स का महत्व विशेषज्ञों की मानें तो आज के दौर में डिग्री के साथ-साथ एड ऑन कोर्स का महत्व किसी रोजगार के क्षेत्र में जाने के लिए बेसिक जानकारी हासिल करने से है. दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्सनानिलिटी डेवलपमेंट और साइकोलॉजिकल एसेसमेंट का कोर्स तैयार करने वाले प्रो. एन के चड्ढा कहते हैं- इस तरह के कोर्स छात्रों को अलग राह दिखाते हैं. इसमें दक्षता हासिल करने पर छात्रों को काम मिलता है. कुछ के लिए इसका महत्व अतिरिक्त ज्ञान हासिल करना भी है. खास बात यह है कि कामकाजी या नौकरीपेशा को भी अतिरिक्त स्किल हासिल करने के लिए ऐसे कोर्स में आने का मौका मिलता है. फोरेंसिक साइंस के प्रोफेसर सुरेन्द्र नाथ कहते हैं, इसमें सेवानिवृत्त या कामकाजी लोग भी पार्टटाइम के रूप में ज्वाइन करते हैं. अगर कोई वकील है तो वह पार्टटाइम के रूप में फिंगर प्रिंट्स का कोर्स करता है. इसी तरह मनोविज्ञान के छात्र काउंसलिंग या साइकोलॉजिकल एसेसमेंट से जुड़े कोर्स करते हैं. इतिहास के छात्र टूर एंड ट्रेवल का कोर्स करते हैं. फोटोग्राफी का शौक रखने वाले छात्र इससे जुड़ा कोर्स करते हैं. विश्वविद्यालयों में 12वीं या स्नातक पास छात्रों को इनमें सीटों के हिसाब से मेरिट को देखते हुए दाखिला दिया जाता है. कहीं पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला लेने का मौका मिलता है. कई कोर्सेज में प्रवेश परीक्षा भी ली जाती है. कई संस्थान अपनी वेबसाइट और प्रोस्पेक्टस के जरिए प्रवेश देते हैं.

# खेलकूद कर बनाएं भविष्य

## कुशल व्यक्तियों की बढ़ रही है मांग

**देश में खेलों के प्रति बढ़ते रुझान के कारण इस क्षेत्र में कई तरह के रोजगार का सृजन हुआ है. इन सभी में कुशल व्यक्तियों की मांग भी लगातार बढ़ रही है. पढ़िए स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर बनाने के विभिन्न विकल्प**

खेलकूद बच्चों के लिए हमेशा से रुचिकर रहा है. पहले इस क्षेत्र में जहां पैरेंट्स की तरफ से बच्चों को कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता था, जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के बारे में लोग कम ही सोच पाते थे वहीं पिछले दस सालों में इस फील्ड में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का भी क्रेज देखने को मिला है. खेल का क्षेत्र बहुत अच्छे करियर ऑप्शन के रूप में सामने आया है. इस क्षेत्र में पैसा और रुतबा दोनों ही है जिसके कारण लोग इसकी तरफ आकर्षित हुए हैं. पर इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप फिटनेस के मामले में परफेक्ट हों.

**योग्यता**- इस सेक्टर में किसी खास तरह की शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती है. लेकिन लोग विभिन्न खेलों के लिए देशभर में चल रहे स्पोर्ट्स एकेडमी से ट्रेनिंग जरूर लेते हैं. इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से फिट हो.

**नौकरियां** - इस सेक्टर में नौकरियां ही नौकरियां है. अब तक लोग इस फील्ड में करियर बनाने का मतलब केवल खिलाड़ी बनने से लेते थे लेकिन इस सेक्टर में कई विकल्प है.

**स्पोर्ट्स कमेंटेटर** - अगर खेलों के बारे में जानकारी है और आवाज भी अच्छी है तो स्पोर्ट्स कमेंटेटर का ऑप्शन आपके लिए सबसे अच्छा होगा.

गौर करने की बात तो यह है कि रेडियो, टेलीविजन पर खेल के दौरान जो दर्शकों या श्रोताओं को खेल के बारे में जानकारी देते हैं उन्हें कमेंटेटर कहा जाता है. वैसे तो कमेंटेटर दो प्रकार के होते हैं. पहला, वे जो खेल को सीधे-सीधे लाइव दर्शकों तक पहुंचाते रहते हैं और बताते हैं कि गेम में मौजूदा दौर में क्या चल रहा है. दूसरे वे होते हैं जो गेम के बारे में कुछ कहानियों और आंकड़ों द्वारा दर्शकों को रुचिकर ढंग से जानकारियां देते हैं. कमेंटेटर बनने के लिए किसी खास योग्यता की जरूरत नहीं होती है. अगर आपने स्नातक स्तर पर जनसंचार की पढ़ाई की है तो आपको इस क्षेत्र में प्रवेश मिल सकता है. बशर्ते आपकी आवाज में जादू होना जरूरी है.

**स्पोर्ट्स संपादक और रिपोर्टर** - आजकल सभी समाचारपत्र और न्यूज चैनल्स खेलकूद पर विशेष जोर देने लगे हैं. लगभग सभी समाचारपत्रों में खेल के लिए पन्ने निर्धारित होते हैं.

इसके साथ ही विभिन्न चैनल्स पर भी खेल समाचारों को स्पेस दिया जाता है. इसके कारण खेल पर लेखन करने वालों की मांग तेजी से बढ़ी है. स्पोर्ट्स पर रिपोर्टिंग करने वालों को स्पोर्ट्स रिपोर्टर और इसके लेखन को संपादित करने वालों को खेल संपादक या स्पोर्ट्स एडिटर कहा जाता है.

स्पोर्ट्स फोटोग्राफरः फोटोग्राफी का शौक रखने वालों के लिए स्पोर्ट्स फोटोग्राफर के रूप में भी करियर का ऑप्शन हो सकता है.

**स्पोर्ट्स शिक्षक** - लगभग सभी सरकारी स्कूलों में स्पोर्ट्स के अध्यापक होते ही हैं. जिसके कारण अगर आप शारीरिक रूप से फिट हैं तो पीटी टीचर की भांति नौकरी की तलाश कर सकते हैं. खेलकूद के अन्य ऑप्शन खेल से जुड़े सामानों जैसे बैट, बॉल, स्टैम्प, गोल्फ बॉल, हॉकी बॉल आदि के आयात-निर्यात संबंधित रोजगार किया जा सकता है. इसके अलावा कोच, एंपायर, फिटनेस ट्रेनर आदि के रूप में भी करियर की शुरुआत की जा सकती है.

**आमदनी** - इस सेक्टर में आमदनी की कोई सीमा रेखा नहीं है. इस सेक्टर में सरकारी नौकरी भी मिल सकती है जिसकी फिक्स सैलरी होती है. इसके अलावा बिजनेस में भी काफी फायदा होता है. व्यक्तिगत गुर - खेल में रुचि होनी जरूरी है. फिटनेस के मामले में परफेक्ट होना चाहिए. धैर्य और संयम की भी जरूरत होती है. भाषा पर पकड़ होनी चाहिए.

## प्रमुख संस्थान

खेलकूद के लिए विभिन्न संस्थानों में ट्रेनिंग दी जाती है- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, नई दिल्ली.

# सेलिना जेटली ने मिस यूनिवर्स के सफर को किया याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने बहुत कम उम्र में मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनकर देश को गौरवान्वित किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिए इस अनुभव को याद किया। उन्होंने अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और एक लंबा नोट भी लिखा।

रनर-अप बनने के सफर को किया याद भारत में उनके रनर-अप दर्जे को मीडिया ने किस तरह देखा, इसका खुलासा करते हुए सेलिना ने लिखा, रनर-अप मिस यूनिवर्स 2001 घर वापस आकर, स्वागत उस पल से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। ज्यादातर सुर्खियां रही थीं दुर्भाग्य से... भारत मिस यूनिवर्स रनर-अप के रूप में आया। सिर्फ 56 की लंबाई के साथ, मैं एक किशोरी के रूप में दुनिया की 103 सबसे चमकदार महिलाओं के बीच मिस यूनिवर्स 2001 में भारत के लिए रनर-अप जीतते हुए खड़ी थी। एक ऐसा कारनामा जो भारत अगले 20 साल तक नहीं दोहराएगा।

### लोगों ने निकाली खामियां

सेलिना ने आगे लिखा, फिर भी मुझे दयापूर्ण सलाह मिली- बहुत छोटी, बहुत ईमानदार, तुम्हारा मंगल खराब हो गया है, बेटा। यह बहुत ही मजेदार था। यह दिल तोड़ने वाला था। लेकिन इसने मुझे बनाया। इस चमक-दमक के पीछे धैर्य था... बिना वेतन वाली नौकरी, लगातार ऑडिशन और यह शांत विश्वास कि ब्रह्मांड मेरे साथ है। मैं 15 साल से एक कामकाजी मॉडल थी। उस यात्रा ने मुझे मिस इंडिया 2001 जीतने और वैश्विक मंच पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

### एक अधिकारी ने कैसे की मदद

सेलिना ने आगे लिखा, मैं 11 सूटकेस, पूरे शरीर की वैक्स, फेशियल और दृढ़ निश्चय के साथ मुंबई से रवाना हुई, जिसका परीक्षण तुरंत हवाई अड्डे पर हुआ। मैंने खुद को पांच ट्रॉलियों को घूरते हुए पाया, जिन्हें मुझे अकेले टर्मिनलों में धकेलना था। मैं रो रही थी, जब तक कि एक दयालु अधिकारी एक देवदूत की तरह प्रकट नहीं हुआ और मेरी मदद की।

### सफर पर आगे बढ़ते रहना

सेलिना ने आगे लिखा, मैं कई देशों के प्रतियोगियों के साथ न्यूयॉर्क से उड़ान पर सवार हुई। कई ने अपने साथियों के साथ बिजनेस क्लास में उड़ान भरी... संयमित, लाड़-प्यार से भरे और पूरी तरह से तैयार। इस बीच, सुश्री रूस और मैं पीछे बैठे थे, एक तंग शौचालय में कपड़े बदलने की कोशिश कर रहे थे, जो सैन जुआन की उड़ान के अधिकांश समय तक व्यस्त रहा। तभी मुझे एहसास हुआ... कि यह सब कितना बड़ा है मैं आगे बढ़ रही थी. दांव पर. दबाव. और शांत अहसास- मुझे उठना होगा और पल का सामना करना होगा।

# 'सितारे जमीन पर' से चमकेगा जेनेलिया का करियर खत्म होगी हिट की तलाश

**आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हो गई है। फिल्म को क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा भी अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। एक ओर जहां ये फिल्म आमिर खान के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर जेनेलिया के करियर के लिए भी ये फिल्म एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।**

अगर जेनेलिया के करियर को देखें तो उनके खाते में कोई बड़ी हिट नहीं है। वहीं जेनेलिया के खाते में उतनी फिल्में भी नहीं हैं, जितना उनको इंडस्ट्री में वक्त हो चुका है। ऐसे में 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया को काफी उम्मीदें हैं। देखना ये है कि क्या 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया के करियर को रफ्तार मिलेगी या नहीं। जानते हैं जेनेलिया की पिछली फिल्मों का क्या रहा हाल।

### ट्रायल पीरियड

2021 में आई जेनेलिया की फिल्म 'ट्रायल पीरियड' में मानव कौल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। ये कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। फिल्म मजेदार थी, लेकिन ये कब आई, कब चली गई किसी को पता भी नहीं चल। फिल्म में जेनेलिया ने एक सिंगल मदर का किरदार निभाया है, जो अपने बेटे की जिद पर 30 दिनों के लिए किराए पर पिता लेती है। पिता का किरदार मानल कौल ने निभाया है।

### मिस्टर मम्मी

'मिस्टर मम्मी' भी 2022 में आई एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में भी जेनेलिया के साथ उनके पति रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म कब आई कब चली गई, किसी को पता नहीं चला। इस फिल्म का निर्देशन शाद अली ने किया है। फिल्म का सब्जेक्ट अच्छा था, लेकिन फिल्म की कमजोर कहानी इसकी नैय्या पार नहीं लगा पाई।

### वेद

'वेद' एक मराठी फिल्म है। इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म में जेनेलिया के साथ रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी रितेश देशमुख ने ही किया है। ये फिल्म मराठी में तो काफी हिट रही थी और ब्लॉकबस्टर मानी गई थी। हालांकि, हिंदी भाषा में फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

### 2022 में लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं जेनेलिया

2022 से पहले जेनेलिया एक लंबे ब्रेक पर थीं। इससे पहले 2014 में आई मराठी फिल्म 'लै भारी' में जेनेलिया एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म में भी प्रमुख भूमिका में रितेश देशमुख ही थे। इससे पहले इसी साल जेनेलिया सलमान खान की फिल्म 'जय हो' में भी एक छोटे से रोल में दिखाई दी थीं। इसके आठ साल बाद ही जेनेलिया 'वेद' और 'मिस्टर मम्मी' में नजर आई थीं।

# वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूं। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूं।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैंस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो। अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा की ताकत को दिखाती है, फिल्म दर्शकों को ऐसा जोश देने वाली है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा, वॉर 2 सच में भारतीय सिनेमा की एक बड़ी मिसाल है, क्योंकि इसमें दो बहुत बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# उज्ज्वल निकम का रोल निभाएंगे राजकुमार राव

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों पर एक नई फिल्म की तैयारी हो रही है। जिसमें एक्टर राजकुमार राव लीड रोल करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में उज्ज्वल निकम की भूमिका अभिनेता राजकुमार राव निभा रहे हैं। निकम देश के सबसे चर्चित पब्लिक प्रोसिक्यूटर रहे हैं। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल केस लड़े हैं। 26/11 केस में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। हालांकि, यह फिल्म पूरी तरह से उज्ज्वल निकम की बायोपिक नहीं होगी। फिल्म में सिर्फ उस केस पर फोकस किया जाएगा, जिसमें निकम ने आतंकी अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ा था।

### फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अविनाश

अरुण धावरे फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हुआ है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण धावरे कर रहे हैं। अरुण धावरे ने प्राइम वीडियो की सीरीज पाताल लोक के दोनों सीजन, किला व थ्री ऑफ अस का निर्देशन किया है। पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। सुमित ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, जुबान और गहराइयां जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

बता दें कि पहले चर्चा थी कि इस रोल को आमिर खान निभाएंगे, लेकिन वो 'सितारे जमीन पर' प्रोजेक्ट में व्यस्त होने की वजह से फिल्म से हट गए। इसके बाद राजकुमार राव को यह रोल ऑफर किया गया। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं होगी। फिल्म सिर्फ 26/11 केस से जुड़े कोर्ट रूम ड्रामा और कानूनी लड़ाई पर आधारित होगी। बता दें कि उज्ज्वल निकम ने इस केस में कसाब के खिलाफ सबूत पेश किए और कोर्ट से उसे सजा दिलवाई।

### राजकुमार पहले भी निभा चुके हैं वकील का रोल

राजकुमार राव इससे पहले भी वकील की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्म 'शाहिद' में उन्होंने वकील शाहिद आजमी का किरदार निभाया था। इस रोल के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं, राजकुमार जल्द ही फिल्म 'मालिक' में भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें वे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं।

# प्रिया ब्यूटी पार्लर से परिणय सूत्र तक बैक टू बैक फिल्में कर रहीं रानी

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी का करियर इन दिनों बुलंदी पर है। वे जिस तेजी से एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं और नई-नई फिल्में उनकी झोली में आ रही हैं, उन्हें अगर भोजपुरी सिनेमा की लेडी अक्षय कुमार कहा जाए तो, शायद गलत नहीं होगा। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी है। इसके अलावा वे कई अन्य फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं।

### परिणय सूत्र

रानी चटर्जी ने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने मुहूर्त पूजा की तस्वीरें शेयर कर इस फिल्म में काम करने की जानकारी फैंस से साझा की। इसमें रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं।

### अम्मा

इस फिल्म का बीते दिनों ही ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म एक सौतेली मां के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में, रानी चटर्जी एक ऐसी सौतेली मां का किरदार निभा रही हैं जो अपने पति के पहले विवाह से हुए बच्चों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करती हैं। फिल्म में रानी चटर्जी, राकेश बाबू, श्वेता वर्मा, कंचन शशि, वंदना साहू और अयाज खान जैसे सितारे हैं।

### घमंडी बहू

इसके अलावा रानी चटर्जी के पास में फिल्म घमंडी बहू भी है, जिसकी शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी की। फिल्म के नाम से ही जाहिर है कि इसमें वे बहूरानी अवतार में नजर आएंगी। टाइटल काफी दिलचस्प है।

### चुगलखोर बहुरिया

इस साल रानी की झोली में यह भोजपुरी फिल्म भी आई। इसमें रानी चटर्जी के साथ अवधेश मिश्रा, प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, ज्योति मिश्रा, अनिता रावत और जे नीलम जैसे कलाकार भी हैं। रानी ने इसी साल फरवरी में इस फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

### हम हैं जेठानी

पिक्चर अभी बाकी है! हम हैं जेठानी के बिना लिस्ट पूरी कैसे हो सकती है भला? इसके अलावा मायके के टिकट कटा दी पिया भी रानी चटर्जी की इस साल की फिल्मों में शामिल है।

# अपने ही बच्चों को क्यों नहीं पसंद काजोल की फिल्में?

काजोल अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इन दिनों वह इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की। इसी बातचीत में बताया कि क्यों बच्चों को काजोल की फिल्में पसंद नहीं आती हैं।

### सहम जाते हैं काजोल के बच्चे

फिल्मीज्ञान से की गई बातचीत में काजोल कहती हैं, 'मेरे बच्चों को मेरी फिल्में पसंद नहीं है। हां, वह मेरी एक्टिंग की तारीफ करते हैं। मगर जब बड़े पर्दे पर मुझे रोते हुए देखते हैं तो सहम जाते हैं। मैं कई बार कहती हूं कि ये एक्टिंग है, सच में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। बस इसी एक वजह से बच्चे मेरी फिल्में नहीं देखते हैं।'

### बच्चों को जिंदगी से जुड़े सबक भी दिए

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में भी काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की है। वह कहती हैं, 'मैंने अपनी मां तनुजा से कई सारी बातें, सबक सीखे हैं। कोशिश की है कि वहीं बातें अपने बच्चों को भी बताऊं। सबसे पहले मैंने उन्हें खुद के बारे में सोचना सिखाया है। इसके अलावा अपने फैसले खुद लेने की सीख दी है। सबसे बड़ी बात जो मैंने बच्चों को समझाई है कि वो जैसे भी हैं, बिल्कुल अच्छे हैं, उन्हें किसी के जैसा बनने की जरूरत नहीं है।'

# इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

**लीड्स (एजेंसी)।** लीड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।

भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफिशियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है।

बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

# रुतुराज, ईशान सहित कई क्रिकेटर काउंटी खेलते नजर आयेंगे

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारत के कई क्रिकेटर आने वाले दिनों में इंग्लैंड की काउंटी टीम में खेलते नजर आयेंगे। इसमें रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे क्रिकेटर भी शामिल हैं। ये सभी अभी खाली हैं क्योंकि इनमें से किसी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में अपने फार्मा को बनाये रखने ये सभी काउंटी जाएंगे। भारतीय खिलाड़ी आम तौर पर काउंटी में लाल गेंद या एकदिवसीय क्रिकेट में भाग लेते हैं।

रुतुराज यॉर्कशायर की ओर से पूरा सत्र खेलते हुए नजर आएंगे। वे केवल यहां रेड बॉल क्रिकेट के मैच खेलेंगे। वहीं तिलक भी काउंटी क्रिकेट में पहली बार नजर आयेंगे। वे हैम्पशायर के लिए इस सत्र में कुल 4 मैचों खेलेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान भी काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वह नॉटिंघमशायर की ओर से 2 लाल गेंद वाले गेम में खेलते हुए दिखेंगे। इसके अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम भी इस सूची में शामिल है। वह भी भारतीय टीम से अभी बाहर हैं। वह नोर्थेम्पटनशायर के लिए काउंटी के मैच खेलेंगे, बल्कि एकदिवसीय कप भी खेलने वाले हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का नाम भी इन खिलाड़ियों में शामिल था, जो एसेक्स के लिए सत्र के 7 मैच खेलने वाले थे पर भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया पर अगर अंत के मैचों में उनको अंतिम ग्याहर में जगह नहीं मिलती है तो वे अगस्त-सितंबर में कुछ मैच खेल सकते हैं।

# सौरव गांगुली को इस बात का है सबसे ज्यादा अफसोस, इंटरव्यू के दौरान किया खुलासा

**कोलकाता (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 38 शानदार शतक लगाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को यह संख्या रास नहीं आ रही है, उन्हें अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई शतक चूकने का अफसोस है। अपने समय के बेहतरीन बाएं हाथ के बल्लेबाज गांगुली ने टेस्ट और वनडे में 18575 रन बनाए लेकिन अपने करियर में कई शतक चूकने का अफसोस है, जिसमें उन्होंने 311 वनडे और 113 टेस्ट मैच खेले।

गांगुली का यह पछतावा तब सामने आया जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पुराने साथी को क्या सलाह देंगे। गांगुली ने बातचीत में कहा, 'मैंने कई शतक गंवाए, मुझे और अधिक शतक लगाने चाहिए थे। कई बार 90 और 80 रन बनाए।' उनके आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि गांगुली कुल 30 बार 80 और 90 के बीच आउट हुए।

अगर वह उन पारियों को शतकों में बदल पाते तो अपने पहले से ही शानदार करियर में आसानी से 50 से ज़्यादा शतक बना लेते। जब भी वह अकेले होते हैं तो उन्हें अपनी पुरानी पारियां, अपने स्ट्रोकप्ले देखना बहुत पसंद है और यह उन्हें याद दिलाता है कि वह और शतक बनाने के कितने करीब थे।

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, 'मैं अपने (बल्लेबाजी) वीडियो तब देखता हूं जब मैं अकेला होता हूं। जब मेरी पत्नी दूर होती है क्योंकि सारा लंदन में रहती है। मैं यूट्यूब पर जाता हूं, और देखता हूं और कहता हूं 'अरे फिर 70 पर आउट हो गया' (हे भगवान, मैं इसमें भी 70 पर आउट हो गया), मुझे शतक बनाना चाहिए था। लेकिन आप इसे बदल नहीं सकते।'

वनडे में गांगुली ने 72 अर्धशतक बनाए और टेस्ट में यह संख्या 35 है। कप्तान के तौर पर कभी-कभी मुश्किल फैसला लेना जरूरी हो जाता है। आपको किसी ऐसे खिलाड़ी को शामिल करने के लिए उसे बाहर करना पड़ता है जो आपको लगता है कि परिस्थितियों या जरूरतों के लिए ज्यादा उपयुक्त है।

गांगुली ने दुनिया के सबसे महान लेग स्पिनरों में से एक अनिल कुंबले को बाहर करने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, 'अनिल कुंबले, कुछ बार क्योंकि वह बहुत अच्छे थे।' गांगुली के लिए ऑस्ट्रेलिया उनकी पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी टीम थी और तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ सबसे खतरनाक गेंदबाज थे।

# पृथ्वी शॉ मुंबई छोड़ने के लिए तैयार, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए मांगी एमओसी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगा है। उम्मीद है कि वह दूसरे राज्य के लिए खेल सकते हैं। भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक 25 वर्षीय बल्लेबाज असंगत प्रदर्शन और ऑफ-फील्ड मुद्दों के लंबे दौर के बाद अपने गृह राज्य से दूर एक नई शुरुआत करना चाहता है। एक वरिष्ठ MCA अधिकारी के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, 'उन्होंने हमसे NOC मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।'

शॉ का पिछले कुछ सत्रों में मुंबई के चयनकर्ताओं के साथ संबंध लगातार खराब होता गया है जिसका मुख्य कारण लगातार फिटनेस संबंधी चिंताएं हैं। शॉ को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने को भी कहा गया था लेकिन उन्होंने कई बार MCA की बातों को नजरअंदाज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शॉ को दो से तीन अन्य राज्यों से रुचि मिली है। अगर उन्हें NOC मिल जाती है, तो वे 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए किसी अन्य राज्य की टीम के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। खराब फिटनेस रिपोर्ट के बाद स्टार बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम प्रबंधन ने MCA को सूचित किया था कि शॉ का बॉडी फैट प्रतिशत अधिक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दो सप्ताह के विशेष फिटनेस कार्यक्रम में भी शामिल होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद शॉ आवश्यक फिटनेस मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

MCA की चयन समिति ने कथित तौर पर शॉ से यह भी कहा कि जब तक वह अतिरिक्त वजन कम नहीं कर लेते और अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें चयन के लिए नहीं चुना जाएगा। नतीजतन उन्हें दिसंबर (2024) में विजय हजारे ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया। घरेलू और आईपीएल अभियान में निराशाजनक प्रदर्शन भी शॉ के अनुकूल नहीं हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान 2024-25 उन्होंने नौ मैचों में केवल 21.88 की औसत से केवल 197 रन बनाए। उस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें बीच सत्र में ही बाहर कर दिया गया। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के साथ IPL 2024 में 8 मैचों में 24.75 की औसत और 163.63 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए। इसके बाद DC ने उन्हें IPL 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया, जहां वे 75 लाख का बेस प्राइस के बावजूद नहीं बिके। शॉ का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अंधेरे मे नजर आ रहा है क्योंकि 2018 में शतक के साथ धमाकेदार टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने सिर्फ 5 टेस्ट खेले हैं, और 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं।

# नासिर हुसैन बोले, हैरी को बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी दूर करनी होगी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि भारतीय टीम के साथ चल रही इस सीरीज पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी नजरें लगी होंगी क्योंकि इस साल हमें एशेज सीरीज भी खेलनी है। नासिर ने हेरी ब्रुक की बल्लेबाज की भी प्रशंसा पर कहा कि उन्हें बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी को दूर करना होगा क्योंकि इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम भी देख रही होगी। पूर्व कप्तान ने लिखा, 'ब्रुक के लिए समस्या शॉर्ट गेंद है और ऑस्ट्रेलिया भी इसे देख रहा है। टीमें पहले उनके खिलाफ एक तय रणनीति आजमा सकती हैं, वह बाउंसर का किस प्रकार सामना करेंगे। ये उन्हें देखना होगा। हुसैन ने कहा कि भारतीय टीम आने वाले टेस्ट मैचों में ब्रुक की परीक्षा शॉर्ट गेंदों से लेगी। जिससे उन्हें तेजी से रन बनाने का अवसर भी मिलेगा। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों पर मुकाबला जोखिम वाला होगा वह भी कुछ ऐसा है जिसे आप हमेशा तौलते रहते हैं। इसके जवाब में आपको इसे किसी तरह से समाप्त करने की कोशिश करनी होगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रुक को पहली पारी में शॉर्ट गेंद पर पर शून्य पर आउट किया था हालांकि नो बाल होने से वह बच गये थे। इसके बाद 99 रन तक पहुंचने के बाद वह प्रसिध कृष्णा की एक बाउंसर गेंद पर सही से शॉट नहीं लगा पाने के कारण कैच होकर पेवेलियन लौट गये थे।

# प्रसिद्ध कृष्णा के नाम जुड़ा ये शर्मनाक रिकार्ड

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के नाम यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में कृष्णा ने 3 विकेट लिए पर काफी रन लुटा दिये। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी गेंदबाज की पहली बार इतनी पिटाई हुई है। कृष्णा ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 128 रन दे दिये। टेस्ट क्रिकेट में इससे ज्यादा रन कई गेंदबाजों ने दिये हैं पर प्रसिद्ध कृष्णा का इकॉनमी रेट काफी खराब रहा। उन्होंने 6.40 के औसत से रन दिये कृष्णा इसी के साथ 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ किसी गेंदबाज ने रन नहीं दिये हैं। प्रसिद्ध कृष्णा से पहले यह रिकॉर्ड मुरली कार्तिक के नाम था जिन्होंने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में 122 रन दिये थे। वहीं अतुल वासन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 1990 में 108 रन दिये थे। जबकि मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में साल 2022 में 98 रन दिये थे। श्रीसंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंट जॉन्स में साल 2006 में

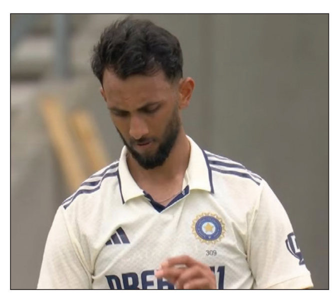

# रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे, खास दिन सोशल मीडिया पर जताया आभार

नई दिल्ली - जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ 20 वर्षीय रोहित शर्मा ने 18 साल पहले आज ही के दिन (23-6-2007) अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। भारत के लिए दो बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे करने पर अपना आभार व्यक्त किया। 'हिटमैन' ने खास मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, 'हमेशा आभारी, 23.06.07।' रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा और अगले साल एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा, हालांकि टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गया। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाकर आईसीसी ट्रॉफी के 13 साल के इंतजार को खत्म किया और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर फैंस और देशवासियों को एक बार फिर से खुश होने का मौका दिया। रोहित 2024 में 150 से अधिक T20I में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। शर्मा ने सभी प्रारूपों में 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाए थे।

# अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

**एंटवर्प (एजेंसी)।** एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया मंच के जरिए अंतराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने इस दौरे पर चार मैचों में हिस्सा लिया और उन्होंने 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था।

ललित ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम में पदार्पण किया। वह एक बेहतरीन प्लेमेकर रहे, जो नियमित आधार पर गोल भी करते थे, उन्होंने कुल मिलाकर सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए खेले 183 मैचों 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में, वह भारत की फॉरवड लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए थे। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर बुद्धिमत्ता और उच्च दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में यह उपलब्धि दोहराई। ओलंपिक गौरव के अलावा ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां उन्होंने चार गोल किए थे उनके पदकों से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

ललित एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

# कार्लोस अल्काराज ने लेहेका को हराकर दूसरा क्वींस क्लब खिताब जीता

लंदन। कार्लोस अल्काराज ने रविवार को जिरी लेहेका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराते हुए एचएसबीसी चैंपियनशिप 2025 का फाइनल अपने नाम कर लिया। यह उनका दूसरा क्वींस क्लब खिताब है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने इस सीजन का पांचवां खिताब जीता। उनके करियर की यह 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी है, जिसे जीतने के लिए उन्होंने रोमांचक और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'यह टूर्नमेंट मेरे लिए खास है। मैं एक बार फिर ट्रॉफी उठाकर खुश हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। बस अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश रही। मैं भाग्यशाली था कि चैंपियन बना। यहां मेरे बहुत सारे दोस्त और परिवार हैं, जिन्होंने मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर वास्तव में सहज महसूस कराया।' फाइनल में लेहेका के खिलाफ खेलते हुए अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त हासिल की थी। वह दूसरे सेट में तनावपूर्ण टाई-ब्रेक में बेहद कम अंतर से हार गए। लेकिन निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और ग्रास-कोर्ट में अपने अनुभव और क्षमता को दिखाया और सेट जीतने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया। लेहेका का यह पहला ग्रास-कोर्ट फाइनल था। ग्रास कोर्ट पर अल्काराज का यह चौथा खिताब था। वह नोवाक जोकोविच, माटेओ बेरेटिनी, टेलर फिट्ज और निकोलस माहुत के साथ चार या उससे अधिक खिताब जीतने वाले एकमात्र सक्रिय खिलाड़ी बन गए। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में विंबलडन में प्रवेश करते हुए, अल्काराज ने 18 मैचों की जीत की लकीर खींची है। यह अबतक का उनका सबसे लंबा जीत क्रम है। मियामी में आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद से अल्काराज लगभग अजेय रहे हैं। उन्होंने 27-1 का रिकॉर्ड बनाया है और मोंटे-कार्लो, रोम, रोलैंड गैरोस और अब लंदन में प्रतिष्ठित खिताब जीते हैं। उन्होंने पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जैनिक सिनर पर अपनी बढ़त भी बढ़ा ली है। फाइनल गंवाने के बाद लेहेका ने कहा, 'मेरे लिए अब शब्द ढूंढ़ने मुश्किल हैं। लेकिन, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सबकुछ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था। कार्लोस और उनकी टीम को शानदार काम करने के लिए बधाई।'

# ईरान की धमकी के बाद डब्लयूडब्ल्यू ई पर मंडराया खतरा

न्यूयार्क। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण अगले सप्ताह सऊदी अरब में होने वाला डब्लयूडब्ल्यू ई इवेंट नाइट ऑफ चैंपियंस शो रद्द हो सकता है। इसका कारण हवाई यात्रा करने के लिए जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मिसाइल हमले हो सकते है हालांकि सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत है। इसलिए अभी तक शो को रद्द करने की कोई घोषणा नहीं हुई है। वहीं इस बारे में आयोजकों का कना है कि अभी तक नाइट ऑफ चैंपियंस की योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अमेरिका के हमलों से भड़के ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक या सैन्यकर्मी अब हमारा निशाना है। इस बयान के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या यह शो होना चाहिए, क्योंकि डब्लयूडब्ल्यू ई एक अमेरिकी शो है जिसे पूरी दुनिया में देखा जाता रहा है। ईरान की धमकी के बाद कई लोग इस शो को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद भी कूटनीति के लिए अभी भी बहुत जगह बची है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने परमाणु ठिकानों पर हमला करके एक बहुत बड़ी लाल रेखा पार कर दी है। हमें आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार के आधार पर जवाब देना होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब में पहले भी डब्लयूडब्लयू ई के इवेंट हुए हैं। सऊदी अरब की सरकार सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन ईरान की धमकी के बाद लोगों में डर का माहौल है। अब देखना यह है कि इस इवेंट को लेकर क्या फैसला होता है।

# इस सत्र में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है : नीरज चोपड़ा

**ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य) (एजेंसी)।** भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है।

चोपड़ा मंगलवार को यहां गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। चोपड़ा ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने निम्बर्क (चेक गणराज्य) में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं यहां ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं।' हरियाणा के इस खिलाड़ी ने कहा, 'इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।'

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप इस साल 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी में आयोजित की जाएगी। चोपड़ा मंगलवार को यहां होने वाली का प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा था तो मैंने उसैन बोल्ट जैसे एथलीटों के यहां प्रतिस्पर्धा करते हुए बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखी थीं। मैं पिछले साल यहां आया था, लेकिन चोट के कारण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था।' चोपड़ा ने कहा, 'अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन मैं 90 मीटर के लिए खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता हूं पर मैं इसके लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करूंगा।'

# ओलंपिक डे पर बोले आईसीसी प्रमुख जय शाह , क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का

दुबई। आज ओलंपिक डे के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। जय शाह ने सोशल मीडिया में लिखा, 卐क्रिकेट ने हमेशा हमें एकजुट किया है, और अब यह ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। इस ओलंपिक डे पर खेल की शक्ति का जश्न मनाएं जो प्रेरित करता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 'लेट्स मूव इंडिया' अभियान को बढ़ावा दें एक कदम चलने, दौड़ने या क्रिकेट खेलने के लिए आमंत्रित करें और एक मजबूत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं। साथ मिलकर, ओलंपिक खेलों को घर लाने की हमारी यात्रा में आगे बढ़ते रहें।卐 वहीं बीसीसीआई ने भी ओलंपिक को लेकर पोस्ट किया। भारत ने पहले 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी में रुचि दिखाई थी पर अब उसने 2036 सत्र के लिए आधिकारिक बोली लगाई है, जिसमें अहमदाबाद संभावित मेजबान शहर हो सकता है। भारत को मेजबानी के लिए पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्की, मेक्सिको और मिस्र से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। क्रिकेट साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में एक सदी से अधिक समय बाद शामिल किये जा रहे हैं। इसको लेकर सभी क्रिकेट खेलेन वाले देशों में उत्साह है। उनका मानना है कि इससे क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ेगा।